केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

सुविचार

जब तक इंसान खुद पर भरोसा नहीं करता.. तब तक छोटी सी मुश्किल भी 'पहाड़' लगती है..

वर्ष : 16 अंक : 306 | उज्जैन, शनिवार 18 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी कमिश्नर्स एवं कलेक्टर्स के साथ वीसी से की विभिन्न अभियानों की समीक्षा

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को मंत्रालय से प्रदेश में चलाये जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान, पूर्ण हो चुके संकल्प से समाधान अभियान और सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियों की उच्च स्तरीय समीक्षा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रदेश के सभी कमिश्नर्स एवं कलेक्टर्स के साथ योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा कर समुचित दिशा-निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी विभागीय अधिकारियों एवं कलेक्टर्स से कहा कि प्रदेश और समाज की बेहतरी के लिए सरकार द्वारा विभिन्न अभियानों के माध्यम से महती प्रयास किये जा रहे हैं। सरकार के इन सभी प्रयासों एवं अभियानों में जन जुड़ाव एवं सहभागिता बेहद जरूरी है। इन सभी अभियानों की सार्थकता और सफलता तभी सुनिश्चित होगी, जब इनमें अधिकाधिक जनसहयोग एवं जन भागीदारी भी हो। इसके लिए सभी समर्पित और फोकस्ड होकर प्रयास करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी कलेक्टर्स से कहा कि वे जनता के कल्याण के कामों को तेजी से पूर्ण करायें। सरकार की योजनाओं का फील्ड में पूर्णतया क्षमता और दक्षता के साथ व्यापक स्तर पर सुचारु एवं बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। जनता और जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर, उनकी जरुरतों और सुझावों पर अमल करते हुए जनोन्मुखी प्रशासन से खुद की और सरकार की साख बढ़ायें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी कलेक्टर्स लगातार जिले में भ्रमण करें, लोगों से चर्चा करें, उनकी समस्या सुनकर समाधान करें और गांवों में रात्रि विश्राम करें, इससे सरकारी योजनाओं का मैदानी स्तर पर क्रियान्वयन में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 12 जनवरी से 31 मार्च तक 2026 तक ÷संकल्प से समाधान अभियान÷ चलाया गया। इस अभियान से सरकार की 106 प्रकार की योजनाओं का सीधा लाभ जनता और जरुरतमंदों तक पहुंचाया गया। सभी कलेक्टर्स इस अभियान के मूल लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए हमेशा क्रियाशील रहें और जनता को अधिकतम लाभ दिलायें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में जल संरक्षण के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान 19 मार्च से प्रारंभ हुआ है। यह 30 जून 2026 तक चलेगा। विगत 2 सालों में अभियान के अंतर्गत हुए जल संचयन के कार्यों से यह अभियान राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश की पहचान बन चुका है। अब आवश्यकता है कि इस साल भी जल संरक्षण और सूख चुके जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करने के भरसक प्रयास किये जायें।

गेहूं उपार्जन- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में चल रही गेहूं उपार्जन प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए कहा कि छोटे किसानों का गेहूं पहले खरीदा जाये। उन्हें समय पर भुगतान भी करायें। सभी कलेक्टर्स गेहूं उपार्जन केन्द्रों का सघन निरीक्षण करें और यह देखें कि खरीदी केंद्र पर समुचित छाया-पानी, बारदाना, तेज गर्मी के चलते ओआरएस घोल, पावडर आदि सभी जरूरी सुविधाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध रहें। किसानों को किसी भी तरह की प्रक्रियागत या व्यवस्थागत परेशानी नही हो। अपर मुख्य सचिव खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने बताया कि गेहूं उपार्जन की प्रक्रिया निर्बाध रूप में से जारी है।अब तक 1 लाख 13 हज़ार से अधिक किसानों से 4 लाख 96 हज़ार मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन हो चुका है। इन किसानों को करीब 355 करोड़ रुपए से अधिक का भुगतान भी कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष ऐसा पहली बार हुआ है कि पहले दिन तुलाई वाले किसानों को दूसरे दिन ही भुगतान भी कर दिया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नगरीय विकास एवं प्रशासन विभाग से कहा कि वे अपने विभागीय स्वच्छता अभियान को जल गंगा संवर्धन अभियान से जोड़ लें। जनसहयोग से जगह-जगह पर प्याऊ लगवायें। इनकी साफ़-सफाई पर भी विशेष ध्यान दें।तकनीक से जुड़कर नवाचार भी करें।

सांदीपनि विद्यालयों में करें रैन वॉटर हार्वेस्टिंग प्लान- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में सांदीपनि विद्यालयों के कारण बोर्ड परीक्षाओं के रिजल्ट में आये उल्लेखनीय परिणामों को राष्ट्रीय उपलब्धि के रूप में प्रचारित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के सभी सांदीपनि विद्यालयों से प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में आई गुणवत्ता को राष्ट्रीय स्तर पर प्रचारित करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सांदीपनि विद्यालयों को लेकर अभिभावकों की धारणा इस कदर परिवर्तित हुई है कि वे अपने बच्चों के दाखिले निजी विद्यालयों से निकालकर शासकीय सांदीपनि विद्यालयों में भर्ती करा रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

अमरनाथ यात्रा से पहले पाकिस्तान में बड़ी साजिश, 70 लॉन्चिंग पैड पर 800 आतंकी हो रहे तैयार

कठुआ/ जीएनएस। ऑपरेशन सिंदूर में आतंकवाद पर बड़ा प्रहार झेलने के बाद भी पाकिस्तान में आतंकवाद पर लगाम नहीं है। खासकर जम्मू कश्मीर की एलओसी और इंटरनेशनल बार्डर के नजदीक। जहां श्री अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पहले अब तक की सबसे बड़ी आतंकी साजिश रची जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि एक बार फिर से बड़े स्तर पर पाकिस्तान ने आतंकी तैयार करने के लिए 70 लांचिंग पैड स्थापित कर दिए हैं। जहां 700 से 800 आतंकियों को तरह तरह की ट्रेनिंग देकर जम्मू कश्मीर समेत देश के अन्य हिस्सों में आतंकी गतिविधियां चलाने के लिए तैयार किया जा रहा है। खुफिया एजेंसियों से मिली जानकारी के अनुसार कठुआ, सांबा और जम्मू के इंटरनेशनल बॉर्डर, राजोरी, पुंछ, बांदीपोरा, कुपवाड़ा और बारामुला की एलओसी के नजदीक पाकिस्तानी सेना, पाकिस्तानी रेंजरों और आईएसआई द्वारा लांचिंग पैड सक्रिय किए गए हैं। जहां आतंकियों को खतरनाक तरीके से ट्रेनिंग देकर फिदायीन हमले, रेलवे ट्रैक उड़ाने, सैन्य प्रतिष्ठानों और धार्मिक स्थानों को टारगेट करने के हमला करने के लिए तैयार किया जा रहा है। सूत्रों का यह भी कहना है कि आतंकियों के पूरी तरह से प्रशिक्षित 15 ग्रुप सीमा पार से घुसपैठ करने के लिए तैयार हैं। इन आतंकियों को 2 से 3 की संख्या में बांट कर ग्रुप बनाया गया है। यह ग्रुप 8 से 10 दिन के अंतराल में घुसपैठ करने की तैयारी कर रहे हैं। जो संभवता कठुआ के हीरानगर और जम्मू के अखनूर इंटरनेशनल बार्डर सेक्टर से घुसपैठ कर सकते हैं। जो अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा में एक बड़ी चुनौती खड़े कर सकते हैं। सूत्रों का यह भी कहना है कि कठुआ और सांबा के नजदीक पाकिस्तान के शकरगढ़ में ही दोबारा आतंकियों को जमावड़ा लगा है। यहीं से प्रशिक्षित आतंकियों को ग्रुप बनाकर बांट दिया गया है। जिन्हें घुसपैठ करने के लिए कहा गया है। संभवता आने वाले दिनों में एलओसी और आईबी पर घुसपैठ की बड़ी कोशिशें की जा सकती हैं।

ऋषिकेश में सत्यनिष्ठ बनकर रह रहा था सनीउर रहमान, नेपाल के रास्ते भारत में घुसा था यह बांग्लादेशी

ऋषिकेश/ जीएनएस। नेपाल के रास्ते अवैध रूप से भारत में घुसे बांग्लादेशी नागरिक को लक्ष्मणझूला पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपित अपना नाम सत्यनिष्ठ बता रहा था। आरोपित ने सत्यनिष्ठ आर्य नाम से फर्जी आधार कार्ड भी बनवा रखा था। लक्ष्मणझूला थाने के प्रभारी निरीक्षक सूर्य भूषण नेगी ने बताया कि आपरेशन प्रहार के तहत पुलिस और अभिसूचना इकाई की टीम संयुक्त रूप से रामझूला क्षेत्र में सत्यापन और चेकिंग अभियान चला रही थी। इस दौरान एक संदिग्ध को रोककर पूछताछ की गई। पूछताछ में उसकी बातें विरोधाभासी लगी। जिसके बाद थाने लाकर उससे पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपित ने अपना नाम सनीउर रहमान उर्फ सत्यनिष्ठ साधु निवासी बैसड़ी मधुखाली, फरीदपुर, बांग्लादेश बताया। जांच में पता चला कि वह वर्ष 2016 से बिना वैध वीजा के भारत में अवैध रूप से रह रहा था। अपनी वास्तविक पहचान छुपाने के लिए उसने सत्यनिष्ठ आर्य नाम से सत्यम एन्क्लेव, जीवी रोड, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश के पते पर आधार कार्ड भी बनवा रखा था। उसके कब्जे बांग्लादेशी पासपोर्ट जिसकी वैधता वर्ष 2018 में समाप्त हो चुकी थी वह भी मिला। साथ ही मोबाइल फोन, टैबलेट आदि सामान बरामद हुआ। वह एक दिन पहले ही लक्ष्मणझूला घूमने आया था। पुलिस के अनुसार आरोपित इससे पहले बंगाल, दिल्ली, गाजियाबाद एवं अन्य स्थानों पर रहा था। दो दिन पूर्व ऋषिकेश में पकड़ी गई बांग्लादेशी महिला को लाने वाला बिचौलिया अब तक पुलिस के हाथ नहीं आया है। इंटरनेट मीडिया पर दोस्ती के बाद बिचौलिए ने बांग्लादेशी महिला को भारत में नौकरी लगाने का झांसा दिया था। उक्त महिला को नटराज चौक के पास से पकड़ा गया था।

संसद में पारित नहीं हो पाया महिला आरक्षण बिल, बाकी बचे दो विधेयकों का क्या हुआ?

नई दिल्ली/ जीएनएस। लोकसभा में महिला आरक्षण कानून में बदलाव से जुड़ा संविधान संशोधन विधेयक पास नहीं हो सका। जरूरी दो-तिहाई बहुमत नहीं मिलने के कारण यह बिल गिर गया। इसके साथ ही सरकार ने अन्य दो महत्वपूर्ण विधेयकों परिसीमन बिल और केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन बिल को भी आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है।

यह संशोधन बिल %नारी शक्ति वंदन अधिनियम% में बदलाव के लिए लाया गया था, जिसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान है। यदि यह बिल पास हो जाता, तो इसे 2029 के आम चुनाव से लागू करने की योजना थी। संविधान संशोधन बिल को पास करने के लिए सदन में मौजूद और मतदान करने वाले सदस्यों का दो-तिहाई समर्थन जरूरी होता है। वोटिंग के दौरान इस बिल के पक्ष में 298 वोट पड़े, जबकि 230 सांसदों ने विरोध किया। यह संख्या आवश्यक बहुमत से कम रही, इसलिए बिल पारित नहीं हो सका।

सत्तारूढ़ एनडीए के पास लोकसभा में पर्याप्त संख्या नहीं थी और उसे अन्य दलों का समर्थन या विपक्ष के कुछ सदस्यों के मतदान से दूर रहने की जरूरत थी, जो नहीं मिल सका।

बाकी दो विधेयकों का क्या हुआ- इस बिल के साथ दो अन्य विधेयक भी जुड़े थे परिसीमन विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन विधेयक। इनमें से एक विधेयक दिल्ली, पुडुचेरी और जम्मू-कश्मीर जैसे केंद्र शासित प्रदेशों में महिला आरक्षण लागू करने के लिए जरूरी था। लेकिन मुख्य संविधान संशोधन बिल के पास न होने के कारण सरकार ने इन दोनों विधेयकों को भी आगे नहीं बढ़ाया।

विपक्ष का विरोध- प्रस्तावित संशोधनों में लोकसभा की सीटों को 543 से बढ़ाकर 850 करने की बात भी शामिल थी, ताकि परिसीमन के बाद महिला आरक्षण लागू किया जा सके। विपक्ष ने शुरुआत से ही इन संशोधनों का विरोध किया और इसे राजनीतिक संतुलन बदलने की कोशिश बताया।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी दलों से समर्थन की अपील की थी और कहा था कि अगर विपक्ष विरोध करेगा तो उसका राजनीतिक फायदा भी उसे मिलेगा, लेकिन वह सभी को साथ लेकर चलने के लिए तैयार हैं।

बच्चों की हत्या के विरोध में सड़कों पर उतरे हजारों लोग, सुरक्षा बलों के साथ झड़प

नई दिल्ली/ जीएनएस। मणिपुर एक बार फिर तनाव की चपेट में आ गई, जब हजारों लोग बच्चों की मौत के विरोध में सड़कों पर उतर आए। इंफाल पूर्व जिले में लगे प्रतिबंधों को दरकिनार करते हुए गुरुवार शाम लोगों ने मशाल रैली निकाली, जिसने देखते ही देखते उग्र रूप ले लिया और सुरक्षा बलों के साथ झड़प में बदल गई।

यह प्रदर्शन सात अप्रैल को बिष्णुपुर जिले में हुए बम धमाके के खिलाफ था, जिसमें दो मासूम बच्चों की मौत हो गई थी।गुरुवार शाम से शुरू हुई यह रैली बढ़ते हुए मुख्यमंत्री आवास, पुलिस मुख्यालय और लोक भवन के नजदीक पहुंची। प्रदर्शनकारियों की संख्या इतनी ज्यादा थी कि मौके पर तैनात सुरक्षा बल उन्हें रोकने में कमजोर पड़ गए। स्थिति तब बिगड़ गई जब सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोका और वापस लौटने के लिए कहा, क्योंकि क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू थी।

इसके बाद दोनों पक्षों के बीच तीखी झड़प शुरू हो गई। हालात काबू से बाहर होते देख सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया। जवाब में कुछ युवाओं ने पथराव किया, जिससे तनाव और बढ़ गया।

भाजपा नेता की हत्या के मामले में कांग्रेस विधायक को उम्रकैद, जा सकती है सदस्यता

नई दिल्ली/ जीएनएस। बेंगलुरु की एक विशेष अदालत ने शुक्रवार को कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी को भाजपा नेता योगेशगौड़ा गौदर की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई। कोर्ट ने इस मामले में दोषी पाए गए 16 अन्य लोगों को भी उम्रकैद की सजा सुनाई। कुलकर्णी को अब विधायक पद से अयोग्य घोषित किया जा सकता है।

बुधवार को निर्वाचित जनप्रतिनिधियों से जुड़े मामलों के लिए बनी विशेष अदालत के जज संतोष गजानन भट ने कुलकर्णी और अन्य लोगों को आईपीसी की धाराओं के तहत दोषी ठहराया, जिनमें आपराधिक साजिश और हत्या की धाराएं शामिल हैं।

सीबीआई ने 16 अप्रैल को कुलकर्णी के लिए बिना किसी छूट के उम्रकैद की सजा की मांग की थी, जबकि विधायक के वकील ने उनकी सामाजिक सेवाओं, राजनीतिक पृष्ठभूमि और उनके बच्चों व परिवार के अन्य सदस्यों के प्रति उनकी जिम्मेदारियों का हवाला देते हुए न्यूनतम सजा की अपील की थी। यह मामला 15 जून, 2016 को धारवाड़ में भाजपा जिला पंचायत सदस्य योगेशगौड़ा की हत्या से जुड़ा है। उस समय कुलकर्णी मंत्री थे। भाड़े के हत्यारों ने धारवाड़ के सप्तपुर में योगेशगौड़ा के जिम में उन पर हमला किया और उन्हें मार डाला।

वेतन बढ़ोतरी से बढ़ेगी लागत, टेक्सटाइल निर्यात पर मंडराया संकट

नई दिल्ली/ जीएनएस। टेक्सटाइल सेक्टर से जुड़े निर्यातकों का कहना है कि श्रमिकों के वेतन में बढ़ोतरी से उनकी लागत और बढ़ेगी जिससे उनका निर्यात आर्डर प्रभावित होगा। पश्चिम एशिया संकट की वजह से पहले से ही टेक्सटाइल सेक्टर का निर्यात संकट में है।

पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में यार्न, फैबरिक से लेकर गारमेंट तक के निर्यात में पूर्व के वित्त वर्ष के मुकाबले गिरावट दर्ज की गई है। इस साल मार्च में तो गारमेंट निर्यात में पिछले साल मार्च की तुलना में 19 प्रतिशत की गिरावट रही। कृषि के बाद सबसे अधिक रोजगार टेक्सटाइल सेक्टर में मिलता है। काटन, यार्न, फैबरिक, गारमेंट सभी टेक्सटाइल के अंतर्गत आते हैं। नोएडा अपैरल एक्सपोर्ट क्लस्टर के चेयरमैन ललित ठुकराल ने बताया कि मात्र एक डालर के चौथाई हिस्से के मार्जिन से निर्यात का आर्डर हाथ से निकल जाता है। अभी यह हाल है कि 25 सेंट यानी कि कीमत में 23 रुपए के अंतर से हमारा आर्डर वियतनाम व बांग्लादेश को चला जा रहा है।

ऐसे में श्रमिकों के वेतन में 24 प्रतिशत की बढ़ोतरी से हमारी लागत और बढ़ जाएगी। पश्चिम एशिया संकट के कारण पहले से ही हमारी लागत बढ़ी हुई है। खाड़ी के देशों में निर्यात प्रभावित है जिस कारण निर्यातक बैंकों को कर्ज लौटाने में कठिनाई महसूस कर रहे हैं।

निर्यातकों का कहना है कि सरकार नए बाजार की तलाश में हमारी मदद कर रही है, लेकिन नए बाजार में खरीदार के साथ संबंध बनाने में समय लगता है और पश्चिम एशिया में प्रभावित निर्यात की भरपाई एक-दो महीने में नहीं हो सकती है।

PM मोदी की अगुवाई में पहली बार केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों का सम्मेलन, शाह-डोभाल भी होंगे शामिल

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के अधिकारियों के लिए पहली बार एक नेतृत्व सम्मेलन मई में दिल्ली में होने की उम्मीद है। इस सम्मेलन का उद्देश्य उभरती आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों पर चर्चा करना है।

पीएम के अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, एनएसए अजीत डोभाल और खुफिया एजेंसियों के प्रमुखों के सम्मेलन में भाग लेने की उम्मीद है।

प्रस्तावित दो दिवसीय सम्मेलन भारत की विकसित और गतिशील मातृभूमि सुरक्षा चुनौतियों और गृह मंत्रालय (एमएचए) के तहत केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) द्वारा निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया जा रहा है।

सीएपीएफ के शीर्ष नेतृत्व को मिलेगा मंच - सम्मेलन का उद्देश्य सीएपीएफ के शीर्ष नेतृत्व के लिए एक एकीकृत मंच प्रदान करना है, ताकि वे विभिन्न आंतरिक सुरक्षा खतरों का मुकाबला करने के लिए विचार और तरीके खोज सकें। साथ ही कोशिशों को सहायक एजेंसियों और राज्य पुलिस बलों के साथ समन्वयित कर सकें। इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) सम्मेलन की योजना और कार्यान्वयन का समन्वय कर रहा है और यह एक वार्षिक कार्यक्रम बन सकता है, जो राज्यों और सीएपीएफ के अधिकारियों द्वारा भाग लिए जाने वाले पुलिस महानिदेशकों और निरीक्षकों के सम्मेलन के समान होगा। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) और सीएपीएफ कैडर के अधिकारी इन बलों के वरिष्ठ नेतृत्व का हिस्सा होंगे।

हरिवंश फिर बने राज्यसभा के उपसभापति, निर्विरोध हुए निर्वाचित

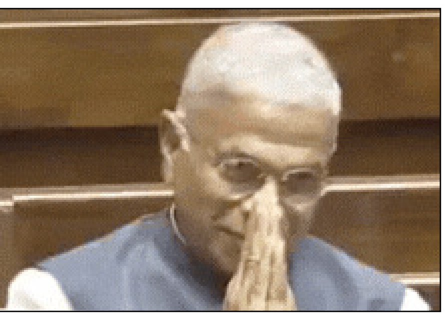

नई दिल्ली/ जीएनएस। राज्यसभा के उपसभापति के लिए नामित सदस्य हरिवंश को शुक्रवार को फिर से चुन लिया गया है। इस पद के लिए जहां उनका चयन तीसरी बार हुआ है, वहीं राज्यसभा के इतिहास में वह पहले ऐसे नामित सदस्य है, जिनका उपसभापति पद के लिए निर्वाचन हुआ है।

वैसे तो उनका चयन निर्विरोध रूप से हुआ है क्योंकि विपक्ष ने उनके सामने कोई प्रत्याशी नहीं उतारा था। हालांकि विपक्ष ने उनका समर्थन भी नहीं किया। सपा व तृणमूल कांग्रेस ने तो उनके निर्वाचन का विरोध करते हुए बहिष्कार किया, जबकि कांग्रेस इस मामले चुप्पी साधे दिखी। पीएम मोदी ने दी बधाई

हरिवंश के निर्वाचन पर पीएम नरेन्द्र मोदी व नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उन्हें बधाई दी। इससे पहले हरिवंश के राज्यसभा के उपसभापति के निर्वाचन के लिए सदन के नेता जेपी नड्डा ने प्रस्ताव रखा और उसका एस फांगनन कोन्यक ने समर्थन किया।

इस बीच हरिवंश के उपसभापति पद के चुनाव के लिए कुल पांच प्रस्ताव दिए गए, सभी प्रस्ताव एनडीए की ओर से किए गए थे। जिसे ध्वनिमत से पारित कर दिया गया।इसके साथ ही राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने हरिवंश के उपसभापति पद के चयन की घोषणा की।

बाद में नेता सदन नड्डा और विपक्ष नेता खरगे हरिवंश को उनकी सीट तक लेकर गए। इस बीच सदन में मौजूद पीएम मोदी ने उन्हें बधाई दी और कहा कि यह हरिवंश के अनुभव को श्रद्धांजलि देने व काम करने के सहज तरीके को स्वीकार करना है।

तीसरी बाद पद पर चुने गए हरिवंश- उन्होंने कहा कि हम सभी ने हरिवंश जी के नेतृत्व में सदन की शक्ति का बढ़ता असर देखा है और मैं कह सकता हूं कि वह न केवल सदन की कार्यवाही चलाते हैं, बल्कि सदन को बेहतर बनाने के लिए अपने जीवन के अनुभवों का भी इस्तेमाल करते हैं।

इस दौरान सांसद निधि के इस्तेमाल के उनके तरीके का भी जिक्र किया और उसे सराहा भी। हरिवंश का तीसरी बार इस पद पर चुना जाना सदन का उन पर और उनके अनुभव पर भरोसा दिखाता है।

इंदौर में शेयर ट्रेडिंग के नाम पर 93 लाख की ठगी, 5 आरोपी गिरफ्तार - डमी ऐप से रचा गया बड़ा साइबर फ्रॉड

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के भंवरकुआ थाना पुलिस ने शेयर ट्रेडिंग के नाम पर ऑनलाइन ठगी करने वाली एक संगठित गैंग का पर्दाफाश करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह लोगों को सोशल मीडिया के माध्यम से झांसे में लेकर फर्जी निवेश के जरिए लाखों रुपये की ठगी कर रहा था। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए करीब 10 लाख की राशि फ्रीज करवाई है।

मामले की शुरुआत तब हुई जब फरियादी सचिन गुप्ता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि उन्हें फेसबुक पर निवेश से जुड़ा एक पोस्ट दिखाई दिया। लिंक पर क्लिक करने के बाद वे एक व्हाट्सएप ग्रुप में जुड़े, जहां उन्हें शेयर मार्केट में मोटा मुनाफा कमाने के टिप्स दिए गए। शुरुआत में उन्हें कुछ प्रॉफिट दिखाकर भरोसा दिलाया गया, जिसके बाद उन्हें एक डमी ट्रेडिंग एप्लीकेशन डाउनलोड करवाई गई।

इस फर्जी ऐप में बड़ी कंपनियों के शेयर बेहद कम कीमत पर खरीदने का लालच दिया गया और बताया गया कि लॉट अलॉट हो चुके हैं, जिनका भुगतान तुरंत करना होगा, अन्यथा पूरा पैसा डूब जाएगा। इस झांसे में आकर फरियादी ने अलग-अलग खातों में करीब 93 लाख ट्रांसफर कर दिए। ऐप में उन्हें करीब 4 करोड़ का मुनाफा दिखाया गया, लेकिन जब उन्होंने पैसे निकालने की कोशिश की तो कुछ भी प्राप्त नहीं हुआ।

शिकायत के आधार पर भंवरकुआ थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। तकनीकी विश्लेषण के दौरान पुलिस को पता चला कि इस गिरोह के सदस्य अलग-अलग राज्यों से संचालित हो रहे थे और टेलीग्राम व व्हाट्सएप के जरिए आपस में संपर्क में थे। साथ ही यह भी सामने आया कि कई बैंक खाते फर्जी दस्तावेजों के आधार पर खोले गए थे और इन्हें कमीशन पर साइबर ठगों को बेचा गया था।

पुलिस ने लगातार कार्रवाई करते हुए आरोपियों को महाराष्ट्र के बीड, ओडिशा और मध्यप्रदेश के देवास से गिरफ्तार किया। पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ कि इस पूरे नेटवर्क का संचालन विदेश, विशेष रूप से कंबोडिया से किया जा रहा था। फिलहाल पुलिस सभी आरोपियों से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि इस गिरोह ने देशभर में कितने लोगों को अपना शिकार बनाया है। साथ ही अन्य संभावित आरोपियों की तलाश भी जारी है।

इंदौर जिले में बाल विवाह की रोकथाम हेतु कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री शिवम वर्मा द्वारा इंदौर जिले में बाल विवाह की रोकथाम हेतु प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के अंतर्गत जारी किया गया है, जिसमें जिले की राजस्व सीमा में बाल विवाह पर पूर्णतः रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होकर 12 जून 2026 तक प्रभावशील रहेगा। आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों/संगठनों के विरूद्ध बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम-2006 तथा भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के दण्डात्मक प्रावधानों के अन्तर्गत कार्रवाई की जायेगी।

जारी आदेशानुसार बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के अनुसार निर्धारित आयु से कम उम्र में विवाह करना दण्डनीय अपराध है। अधिनियम के तहत 18 वर्ष से कम आयु की बालिका एवं 21 वर्ष से कम आयु के बालक का विवाह पूर्णतः प्रतिबंधित है। ऐसे विवाह को संपन्न कराने, प्रोत्साहित करने या सहयोग करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई का प्रावधान है। बाल विवाह रोकथाम के संबंध में मध्यप्रदेश शासन द्वारा भी विस्तृत निर्देश जारी किये गये हैं।

अक्षया तृतीया (अखतीज) एवं अन्य धार्मिक अवसरों पर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में विभिन्न समाज एवं संगठनों द्वारा सामूहिक विवाह के कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। उसके साथ ही विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों द्वारा वैवाहिक कार्यक्रम सम्पन्न कराये जाते हैं। इस दौरान बाल विवाह के आयोजन की संभावनाएं रहती है।

पूर्व के वर्षों के भांति बाल विवाह के प्रभावी रोकथाम के लिए एवं बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के विधिक प्रावधानों एवं शासकीय निर्देशों का पालन कराने हेतु इन्दौर जिले की राजस्व सीमा अन्तर्गत बाल विवाह की रोकथाम एवं इस सामाजिक बुराई का निवारण अत्यन्त आवश्यक होने से कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री शिवम वर्मा द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, शिक्षक, कोटवार, शौर्या दल, चाईल्ड लाईन, लाडो अभियान कोर सदस्य इत्यादि की जवाबदारी निर्धारित की गई है कि क्षेत्र में कोई भी विवाह योग्य विधि अनुरूप मान्य उम्र (बालक का विवाह 21 वर्ष व बालिका का विवाह 18 वर्ष) के पूर्व ना हो।

बाल विवाह की दशा में शिकायत स्थानीय पुलिस थाना, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों, चाईल्ड लाईन 1098 पर कराई जाएगी।

सामूहिक विवाह कराने वाले आयोजकों से शपथ पत्र प्राप्त किया जायेगा कि वे अपने आयोजनों में बाल विवाह को नहीं करेंगे। इसी तरह प्रिन्टिंग प्रेस, टेंट हाऊस, शादी के गार्डन/धर्मशाला मालिक, हलवाई, केटरर, धर्म गुरू, समाज के मुखिया, बैण्ड वाला, नाई, ब्यूटी पार्लर, ट्रांसपोर्टर इत्यादि सेवा प्रदाता भी उम्र से संबंधित प्रमाण-पत्र प्राप्त कर परीक्षण करने (बालक 21 वर्ष या उससे अधिक व बालिका 18 वर्ष या उससे अधिक) के उपरान्त ही सेवायें प्रदान करेंगे एवं अपनी संस्था में यह नोटिस चस्पा करेंगे कि लाडो अभियान के अन्तर्गत 18 वर्ष से कम उम्र की बालिका एवं 21 वर्ष से कम उम्र के बालक का विवाह बाल विवाह होने के कारण सेवायें नहीं देंगे। प्रिन्टिंग प्रेस वाले वर-वधू के आयु का प्रमाण प्राप्त करने के पश्चात ही विवाह निमंत्रण कार्ड प्रिंट करेंगे।

इंदौर आबकारी विभाग की कार्रवाईः अवैध शराब के साथ स्कूटी जब्त, आरोपी पर केस दर्ज

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में अवैध मदिरा के खिलाफ आबकारी विभाग ने सख्त कार्रवाई करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश और सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में टीम ने छापेमारी कर अवैध शराब परिवहन का मामला पकड़ा है।

आबकारी विभाग की टीम ने सोमनाथ की जूनी चाल क्षेत्र के एक खाली मैदान में दबिश दी, जहां बिना नंबर की सफेद रंग की डेस्टिनी 125 स्कूटी पर अवैध रूप से देशी मदिरा ले जाई जा रही थी। मौके से 50 पाव देशी मसाला शराब बरामद की गई, जिसे वाहन सहित जब्त कर लिया गया।

इस मामले में मुकेश यादव निवासी लाला का बगीचा के खिलाफ मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। जब्त की गई शराब और वाहन की कुल कीमत लगभग 55,350 आंकी गई है।

कार्रवाई कंट्रोल रूम प्रभारी देवेश चतुर्वेदी, डिप्टी कंट्रोलर मनोज कुमार अग्रवाल और सहायक जिला आबकारी अधिकारी कमलेश सोलंकी के नेतृत्व में की गई। टीम में आबकारी उपनिरीक्षक आशीष जैन सहित अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आबकारी विभाग का कहना है कि अवैध मदिरा के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी, ताकि जिले में अवैध शराब के कारोबार पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने ओंकारेश्वर के एकात्म धाम में पंच दिवसीय प्रकटोत्सव का मंत्रोच्चार के साथ किया शुभारम्भ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव श्री द्वारका शारदा पीठ के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद सरस्वती महाराज के साथ ओंकारेश्वर में आज पंच दिवसीय आचार्य शंकाराचार्य के प्रकटोत्सव के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल हुए । यहां उन्होंने आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास और मध्य प्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा आदि गुरु शंकराचार्य के प्रकटोत्सव वैशाख शुक्ल पंचमी के उपलक्ष्य में आयोजित इस एकात्म पर्व के पंच दिवसीय भव्?य कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ किया । कार्यक्रम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, द्वारका पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद सरस्वती जी के पावन सान्निध्य तथा विवेकानंद केंद्र की उपाध्यक्ष पद्मश्री निवेदिता भिड़े, स्वामी शारदानंद सरस्वती में प्रारम्भ हुआ। शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अद्वैत लोक एवं अक्षर ब्रह्म प्रदर्शनी का लोकार्पण किया। साथ ही वैदिक अनुष्ठान में भी सम्मिलित हुए। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मार्गदर्शन में एकात्म धाम के द्वितीय चरण में आचार्य शंकर के जीवन और दर्शन पर केंद्रित अद्वैत लोक संग्रहालय का निर्माण किया जा रहा है। ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मई 2025 में आयोजित कैबिनेट में 'अद्वैत लोक' संग्रहालय के निर्माण हेतु 2195 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है।

अद्वैतामृतम् - विमर्श सभा में विभिन्न विषयों पर संवाद जारी- इस सत्र के अंतर्गत अद्वैत वेदांत की समकालीन परंपराओं पर विस्तृत व सार्थक संवाद प्रारम्भ हुआ। इसमें 17 अप्रैल को अद्वैत एवं Gen-Z जैसे महत्वपूर्ण एवं समसामयिक विषय पर स्वामी स्वात्मानंद सरस्वती, स्वामिनी ब्रह्मप्रज्ञानंद सरस्वती, सतावधानी ललितादित्य और विशाल चौरसिया युवाओं के नजरिए से अद्वैत की व्याख्या करेंगे। उड़िया बाबा पर माँ पूर्णप्रज्ञा, स्वामी प्रणवानंद सरस्वती और आचार्य मिथिलेशनन्दिनी शरण (अयोध्या) इस परंपरा के दार्शनिक पहलुओं पर चर्चा करेंगे।

भटका 5 साल का मासूम, डायल-112 टीम ने सुरक्षित मां से मिलाया

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के बाणगंगा थाना क्षेत्र में एक 5 वर्षीय बालक घर से भटककर दूर चला गया, जिसे पुलिस की तत्परता ने सुरक्षित उसके परिजनों से मिला दिया। यह संवेदनशील मामला उस समय सामने आया जब 17 अप्रैल 2026 की सुबह डायल-112 कंट्रोल रूम भोपाल को सूचना मिली कि बरदरी क्षेत्र में एक छोटा बच्चा अकेला भटकता हुआ मिला है और उसे मदद की जरूरत है।

सूचना मिलते ही डायल-112 टीम को तुरंत मौके पर रवाना किया गया। आरक्षक रामवीर और पायलट शैलेन्द्र तोमर मौके पर पहुंचे और बच्चे को अपने संरक्षण में लिया। मासूम बच्चा इतना छोटा था कि वह अपने घर या परिवार के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दे पा रहा था, जिससे स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो गई। पुलिस टीम ने हार नहीं मानी और बच्चे को साथ लेकर आसपास के इलाकों में लगातार पूछताछ शुरू की। इसी दौरान उन्हें एक लड़की मिली, जिसने खुद को बच्चे की बहन बताया। उसने जानकारी दी कि उनकी मां फैक्ट्री में काम करने गई थीं और घर पर कोई नहीं था, इसी बीच बच्चा बाहर निकल गया और रास्ता भटक गया।

इसके बाद डायल-112 टीम ने दोनों भाई-बहन को वाहन में बैठाकर उनकी मां के पास पहुंचाया। आवश्यक पहचान और सत्यापन के बाद बच्चे को सुरक्षित उसकी मां के सुपुर्द किया गया। अपने बच्चे को सकुशल पाकर मां ने पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया।

इस पूरी घटना में पुलिस की संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई ने एक मासूम को सुरक्षित उसके परिवार तक पहुंचाकर मानवता का एक सराहनीय उदाहरण पेश किया।

ऑनलाइन शॉपिंग फ्रॉड का बड़ा खुलासाः 14 लाख के एप्पल प्रोडक्ट घोटाले में मास्टरमाइंड जयपुर से गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के चंदन नगर थाना पुलिस ने ऑनलाइन शॉपिंग के जरिए की जा रही एक बड़ी ठगी का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस गिरोह का मास्टरमाइंड रितिक गुप्ता को जयपुर से गिरफ्तार किया गया है, जो पूरे नेटवर्क को संचालित कर रहा था।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी Amazon जैसे बड़े ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग कर रहे थे। गिरोह पहले एप्पल कंपनी के महंगे प्रोडक्ट जैसे आईपॉड और पेंसिल ऑर्डर करता था, फिर डिलीवरी के दौरान असली सामान निकालकर उसकी जगह नकली डुप्लीकेट प्रोडक्ट पैक कर देता था और ऑर्डर को रिटर्न दिखा देता था। इस तरह कंपनी को करीब 14 लाख का नुकसान पहुंचाया गया।

मामले की जानकारी तब सामने आई जब डिलीवरी पार्टनर कंपनी के अधिकारी ने शिकायत दर्ज कराई। जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि आरोपी फर्जी वर्चुअल नंबरों और नकली प्रोफाइल के जरिए ऑर्डर करते थे। इसके लिए 5 सिम वेबसाइट से वर्चुअल नंबर खरीदे गए और Amazon एप पर फर्जी अकाउंट बनाकर इंदौर के नकली पते पर ऑर्डर मंगवाए जाते थे।

इस पूरे खेल में डिलीवरी बॉय भी शामिल थे, जो डिलीवरी के समय असली प्रोडक्ट निकाल लेते और नकली सामान पैक कर वापस भेज देते थे। इसके बाद असली सामान बस के जरिए जयपुर भेजा जाता था, जहां मास्टरमाइंड रितिक गुप्ता उसे दिल्ली के करोल बाग में बेचकर मोटा मुनाफा कमाता था। पुलिस ने पहले आरोपी दीपक मोहेर को गिरफ्तार किया, जिसकी निशानदेही पर मुख्य आरोपी रितिक गुप्ता को जयपुर से पकड़ा गया। फिलहाल दोनों आरोपियों से पूछताछ जारी है और पुलिस को आशंका है कि इस गिरोह से जुड़े और भी बड़े मामलों का खुलासा हो सकता है।

राज्य शिक्षा केंद्र ने विद्यार्थियों के हित में लिया बड़ा निर्णय, बढ़ाई प्रवेश तिथि

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शिक्षा के अधिकार अधिनियम के अंतर्गत निजी स्कूलों में निशुल्क प्रवेश को लेकर राज्य शिक्षा केंद्र ने विद्यार्थियों के हित में एक बड़ा निर्णय लिया है। केंद्र ने एडमिशन की तिथि को बढ़ा दी है। अब विद्यार्थी प्रथम चरण की लॉटरी में चयनित निजी स्कूलों में 25 अप्रैल तक एडमिशन ले सकेंगे। पहले प्रवेश की अंतिम तिथि 15 अप्रैल थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर अभिभावकों और विद्यार्थियों को अतिरिक्त समय दिया गया है। इस संबंध में राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा सभी जिलों को आवश्यक निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं।

संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र श्री हरजिंदर सिंह ने बताया कि सभी जिलों के कलेक्टर और जिला शिक्षा केन्द्रों के परियोजना समन्वयकों को पत्र भी लिखा गया है, जिसमें कहा गया है कि निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 12 (1) (ग) के प्रभावी क्रियान्वयन के अंतर्गत कमजोर वर्ग एवं वंचित समूह के बच्चों के गैर-अनुदान मान्यता प्राप्त अशासकीय विद्यालयों में निःशुल्क प्रवेश के लिए 2 अप्रैल 2026 को ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से आवंटन किया गया था। संचालक, राज्य शिक्षा केंद्र श्री हरजिंदर सिंह ने बताया कि आवंटन के बाद अभिभावकों को 3 अप्रैल 2026 से 15 अप्रैल 2026 तक अपने बच्चों का प्रवेश आवंटित विद्यालय में कराने के निर्देश दिए गए थे। इस दौरान जिन बच्चों ने प्रवेश नहीं लिया, उन्हें एसएमएस के माध्यम से सूचना भी दी गई थी। निर्धारित अवधि के दौरान अधिकांश बच्चों द्वारा प्रवेश प्राप्त कर लिया गया। हालांकि कुछ पालकों द्वारा अवगत कराया गया कि विभिन्न कारणों से निर्धारित अंतिम तिथि तक अपने बच्चों का प्रवेश नहीं करा सके।

इंदौर में स्वच्छता को नया आयामः सफाई मित्रों के लिए विशेष कार्यशाला, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर दिया गया प्रशिक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में स्वच्छता व्यवस्था को और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए सफाई मित्रों के लिए विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। महापौर पुष्यमित्र भार्गव और आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशों तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग भोपाल के मार्गदर्शन में सिटी बस ऑफिस में आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य स्वच्छता कर्मियों को कचरा प्रबंधन, स्वास्थ्य सुरक्षा और आधुनिक कार्यप्रणालियों के प्रति जागरूक एवं प्रशिक्षित करना रहा।

कार्यशाला में स्वच्छ भारत मिशन के अपर आयुक्त प्रखर सिंह ने सफाई मित्रों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि इंदौर की स्वच्छता में लगातार अग्रणी स्थिति इन कर्मियों की मेहनत और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने सुरक्षित कार्यप्रणाली अपनाने और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने पर विशेष जोर दिया। इस दौरान विशेषज्ञों ने कचरे के वर्गीकरण, स्रोत पर पृथक्करण, कचरा प्रसंस्करण और संक्रमण से बचाव के उपायों पर विस्तृत जानकारी दी। साथ ही सफाई मित्रों को कार्य के दौरान उपयोग होने वाले सुरक्षा उपकरण के सही इस्तेमाल का प्रशिक्षण भी दिया गया, ताकि वे अपने कार्य को सुरक्षित और प्रभावी तरीके से कर सकें। कार्यक्रम के अंतर्गत स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी लगाया गया, जिसमें सफाई कर्मियों का ब्लड प्रेशर, शुगर और हीमोग्लोबिन सहित अन्य आवश्यक जांचें की गईं। उन्हें व्यक्तिगत स्वच्छता, संतुलित आहार और नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व के बारे में भी जागरूक किया गया। इस कार्यशाला में बड़ी संख्या में महिला और पुरुष सफाई मित्रों ने भाग लिया और इसे बेहद उपयोगी बताया। उनका कहना था कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से न केवल उनकी कार्य क्षमता बढ़ेगी, बल्कि वे अपने स्वास्थ्य का भी बेहतर ध्यान रख पाएंगे। स्वच्छता के क्षेत्र में देशभर में अग्रणी इंदौर इस तरह की पहल के जरिए न केवल अपनी उपलब्धियों को और मजबूत कर रहा है, बल्कि सफाई मित्रों के जीवन स्तर और कार्य परिस्थितियों को बेहतर बनाने की दिशा में भी निरंतर प्रयासरत है।

ड्रोन की नजर में इंदौर ट्रैफिकः 13 दिनों में 1600 चालान, नियम तोड़ने वालों पर सख्ती

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए ट्रैफिक पुलिस अब हाईटेक हो गई है। ड्रोन पेट्रोलिंग के जरिए शहर के प्रमुख चौराहों और व्यस्त मार्गों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है, जिसके चलते पिछले 13 दिनों में नियमों का उल्लंघन करने वाले 1600 वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई है।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे इस अभियान में ड्रोन सर्विलांस की मदद से नो पार्किंग, रॉग साइड ड्राइविंग और रेड लाइट जंप जैसे उल्लंघनों पर तुरंत कार्रवाई की जा रही है। ड्रोन से मिली जानकारी के आधार पर मौके पर तैनात ट्रैफिक पुलिस टीम तुरंत एक्शन ले रही है, जिससे नियम तोड़ने वालों में हड़कंप मचा हुआ है।

शहर के राजवाड़ा, जवाहर मार्ग, सराफा, संजय सेतु, नवलखा, पलासिया, एमजी रोड, विजयनगर जैसे व्यस्त इलाकों में ड्रोन के जरिए लगातार निगरानी की जा रही है। खासतौर पर पिक आवर्स में ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए अलग-अलग जोन में ड्रोन टीमें तैनात की गई हैं।

ड्रोन में लगे पब्लिक एड्रेस सिस्टम के जरिए लोगों को ट्रैफिक नियमों का पालन करने के लिए जागरूक भी किया जा रहा है। जहां भी ट्रैफिक जाम या बाधा की स्थिति बनती है, वहां से तुरंत कंट्रोल रूम को सूचना भेजी जाती है और नजदीकी टीम को अलर्ट कर ट्रैफिक को सामान्य किया जाता है।

ट्रैफिक पुलिस का कहना है कि आने वाले समय में ड्रोन सर्विलांस का दायरा और बढ़ाया जाएगा, ताकि शहर में यातायात व्यवस्था को और अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित बनाया जा सके।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य श्री संजय बंदोपाध्याय विशेष रूप से हुए शामिल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आज कलेक्टर कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में सड़क सुधार एवं यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से समीक्षा की गई। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य श्री संजय बंदोपाध्याय (सेवानिवृत्त आईएएस) विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, डीसीपी ट्रैफिक श्री राजेश त्रिपाठी, अपर कलेक्टर श्री रोशन राय, अपर आयुक्त नगर निगम श्री आकाश सिंह, श्री प्रखर सिंह, श्री अभय राजनगांवकर सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में श्री संजय बंदोपाध्याय ने कहा कि सड़क एवं यातायात व्यवस्था में सुधार के लिए इंफोर्समेंट और जन-जागरूकता पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान सहित अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों की मदद लेकर सड़क सुधार कार्यों में तेजी लाई जाए तथा बड़े शहरों के सफल नवाचारों को साझा किया जाए। उन्होंने ब्लैक स्पॉट के सुधार पर विशेष फोकस करने, सड़क दुर्घटना होने पर तत्काल पोर्टल पर जानकारी दर्ज करने और तुरंत एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए। साथ ही कार्यों को परिणाममूलक बनाने, यातायात नियमों के उल्लंघन पर चालानी कार्रवाई को तेज करने तथा चालान प्रक्रिया में एआई जैसी अत्याधुनिक तकनीकों के उपयोग पर भी जोर दिया।

बैठक में जिले में पिछले पांच वर्षों के दौरान हुई सड़क दुर्घटनाओं, मृत्यु एवं घायलों की संख्या का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया। ब्लैक स्पॉट्स के डेटा, उनकी वर्तमान स्थिति तथा किए गए सुधार कार्यों के प्रभाव पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

इंदौर में शहरी आजीविका केंद्र का शुभारंभ, रोजगार और स्वरोजगार को मिलेगा नया प्लेटफॉर्म

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में नगर निगम द्वारा दीनदयाल अंत्योदय जन आजीविका योजना के तहत शहरी आजीविका केंद्र का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव और विधायक गोलू शुक्ला मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में नागरिक भी शामिल हुए।

इस केंद्र का उद्देश्य शहर के गरीब, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों और स्वयं सहायता समूहों को रोजगार और स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि इस पहल के जरिए शहरवासियों को एक डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्लंबिंग, इलेक्ट्रिशियन, कारपेंट्री, ब्यूटीशियन जैसी रोजमर्रा की सेवाएं तय दरों पर उपलब्ध कराई जाएंगी, वहीं कुशल श्रमिकों को सीधे काम मिलने से उनकी आय में वृद्धि होगी।

कार्यक्रम का संचालन Adept Edusys Pvt. Ltd. द्वारा किया गया। संस्था के निदेशक चंदन वाधवानी ने बताया कि यह केंद्र न केवल रोजगार उपलब्ध कराएगा बल्कि सेवा प्रदाताओं को डिजिटल रूप से बाजार से जोड़कर उन्हें एक पहचान भी देगा। उन्होंने बताया कि AllTimeBuddy.com प्लेटफॉर्म के माध्यम से शहर के लोग घर बैठे विश्वसनीय सेवाएं प्राप्त कर सकेंगे और पंजीकृत सेवा प्रदाताओं को नियमित आय के अवसर मिलेंगे। इसके साथ ही AjeevikaMart.com के जरिए स्वयं सहायता समूहों, विशेषकर महिलाओं को अपने उत्पाद ऑनलाइन बेचने का अवसर मिलेगा। इस पहल के माध्यम से स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही स॥ल समूहों को उत्पाद गुणवत्ता, पैकेजिंग, ब्रांडिंग और डिजिटल मार्केटिंग में भी सहयोग दिया जाएगा। कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त नरेंद्र नाथ पांडेय ने कहा कि यह केंद्र शहर में हजारों लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर खोलेगा और उनकी आजीविका को मजबूत बनाएगा। इस मौके पर AllTimeBuddy.com वेबसाइट और मोबाइल ऐप का लोकार्पण भी किया गया, साथ ही सेवा प्रदाताओं को किट वितरित की गई और स्वयं सहायता समूहों को स्वस्थ्य प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। यह शहरी आजीविका केंद्र इंदौर में रोजगार सृजन, डिजिटल सशक्तिकरण और महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जो आने वाले समय में हजारों परिवारों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में सहायक साबित होगा।

विहिप एवं बजरंग दल ने जिहादी षड़यंत्रों पर कठोर कार्रवाई की मांग को लेकर किया प्रदर्शन, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

जब तक हिंदू जागृत नहीं होगा तब तक जिहादी षड़यंत्र नहीं रूकेंगे-प्रांत संयोजिका श्रीमती जायसवाल

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देश में बढ़ती विकृत जिहादी मानसिकता, लव जिहाद, अवैध भूमि जिहाद और सुनियोजित राष्ट्रविरोधी षड्यंत्रों के विरुद्ध विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ने शुक्रवार, 17 अप्रैल को स्थानीय गांधी चौराहा पर विशाल विरोध प्रदर्शन और सभा आयोजित की। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की और देश की आंतरिक सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की। सभा के पश्चात महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक विस्तृत ज्ञापन तहसीलदार मन्दसौर को सौंपा गया, जिसमें राष्ट्रविरोधी तत्वों के विरुद्ध त्वरित और कठोर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने की पुरजोर मांग की गई।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता विहिप बजरंग दल मातृशक्ति प्रांत संयोजिका श्रीमती आरती जायसवाल ने तीखे शब्दों में कहा कि देश में ऐसी घटनाएं निरंतर बढ़ रही हैं, जिसके कारण हिंदू समाज और संगठनों को सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने अमरावती की हृदय विदारक घटना का उल्लेख करते हुए बताया कि किस प्रकार एक 19 वर्षीय जिहादी ने 180 नाबालिग बच्चियों को अपने जाल में फंसाकर उनके सैकड़ों वीडियो वायरल किए। उन्होंने पुणे की एक कंपनी में हिंदू महिलाओं के शोषण और मनासा में 12 वर्षीय बालिका के अपहरण के प्रयास जैसी घटनाओं का जिक्र करते हुए आगाह किया कि जब तक हिंदू समाज पूरी तरह जागृत नहीं होगा, तब तक लव जिहाद, भूमि जिहाद और थूक जिहाद जैसे षड्यंत्र नहीं रुकेंगे। उन्होंने आह्वान किया कि बहन-बेटियों की रक्षा के लिए बजरंग दल की शक्ति को गांव-गांव तक बढ़ाना अनिवार्य है। विशिष्ट वक्ता और बजरंग दल के विभाग संयोजक खुमान सिंह ने स्पष्ट संदेश दिया कि नारी के सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा के लिए बजरंग दल सदैव मैदान में है और जिहादियों को उनके नापाक मंसूबों में कभी सफल नहीं होने दिया जाएगा। कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ पत्रकार ब्रजेश जोशी ने आंतरिक सुरक्षा पर बल देते हुए कहा कि हमें अपने भीतर छिपे दुश्मनों को पहचानना होगा, वहीं वरिष्ठ पत्रकार नरेन्द्र धनोतिया ने कहा कि वर्तमान समय की मांग है कि परिवार और समाज की सुरक्षा हेतु प्रत्येक नागरिक बजरंग दल जैसे संगठनों को अपना पूर्ण समर्थन दे। सभा को जिला मंत्री हेमंत बुलचंदानी और जिला संयोजक अनिल धनगर ने भी संबोधित कर विधर्मियों से निपटने के लिये हिन्दूओं को एकता के सूत्र में बंधने का आव्हान किया। राष्ट्रपति को भेजे गए ज्ञापन में बजरंग दल ने नासिक जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के आसपास फैले लव जिहाद के जाल, उत्तर प्रदेश में जमालुद्दीन जैसे तत्वों द्वारा हिंदू कन्याओं के शोषण, और दिल्ली लाल किला ब्लास्ट में अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े संदिग्धों के कनेक्शन पर गहरी आपत्ति जताई है। संगठन ने मांग की है कि सरकारी, वन विभाग और सेना की भूमि पर किए गए अवैध कब्जों को तत्काल हटाया जाए और लव जिहाद व जबरन धर्मांतरण को रोकने के लिए एक कठोर केंद्रीय कानून लागू किया जाए। विशेष रूप से जनजातीय क्षेत्रों में अवयस्क बालिकाओं के शोषण को रोकने के लिए एक विशेष सुरक्षा तंत्र विकसित करने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। मंच संचालन जिला संयोजक अनिल धनगर ने किया। आभार प्रदर्शन जिला सह-संयोजक यशवंत पाटीदार ने माना। प्रदर्शन में सत्यनारायण राठौर, जिलाध्यक्ष डॉ. प्रवीण मंडलोई, नगर अध्यक्ष कन्हैयालाल सोनगरा, हरीश टेलर, प्रतिक व्यास, नीलेश जैन, शांति दीदी रावल, रूपनारायण मोदी, विनोद जाट, अमरदीप कुमावत, गोपाल कुमावत, मनीष भाटी, गौरव राजपूत, प्रियांश राज पुरोहित, विनोद प्रजापत, ललित सिसोदिया, गौरव शर्मा, राजेश शर्मा, अंकित चौहान, अजय मकवाना, सूरज कुमावत, सुमित पुरोहित, गोलू कैथवास, कपिल राठौर, कल्पना दीदी राठौर, बंशीलाल टांक, राजेश चाहूजा, सुरेन्द्र रामावत, नरेन्द्र उदिया, घनश्याम सोनी, राजाराम तंवर, जीवन गौसर और चुन्नीलाल सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति, प्रबुद्ध नागरिक, मीडिया साथी और बजरंग दल के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नीमच कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने खुद भरा ऑनलाइन जनगणना फॉर्म

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनगणना प्रक्रिया को डिजिटल और आसान बनाने की दिशा में एक पहल करते हुए नीमच कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने गुरुवार को स्वयं स्व-गणना पोर्टल पर अपना जनगणना फॉर्म भरकर उदाहरण प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि अब नागरिक घर बैठे ही ऑनलाइन माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि स्व-गणना की यह सुविधा प्रक्रिया को तेज, सटीक और पारदर्शी बनाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि पोर्टल पर जानकारी भरने के बाद जनगणना प्रगणक केवल डेटा सत्यापन के लिए ही घर आएंगे, जिससे समय की बचत होगी और प्रक्रिया सरल बनेगी। कलेक्टर ने सभी शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों सहित आम नागरिकों से आग्रह किया कि वे इस डिजिटल पहल का अधिक से अधिक उपयोग करें और अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें, ताकि जिले में जनगणना कार्य सुचारू और प्रभावी रूप से संपन्न हो सके।

कलश यात्रा के साथ सामुहिक श्रमदान, घाट की सफाई की

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल स्त्रोत सेवा समागम कार्यक्रम के द्वितीय चरण में जन अभियान परिषद विकासखंड नीमच की नवांकुर संस्था जय श्री आरोग्य जनकल्याण समिति और ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति भरभडिया ने ग्राम में कलश यात्रा के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश देकर तालाब घाट पर जल स्त्रोत पूजन, संभाग समन्वयक श्री शिव प्रसाद मालवीय, सरपंच श्रीमती संगीता पाटीदार, जिला समन्वयक श्री वीरेंद्र सिंह ठाकुर, श्री सत्यनारायण पाटीदार की विशेष उपस्थिति में किया गया।

12 घंटे खड़े रहकर कि खड्गासन मुद्रा में कायक्लेश महातप की सामायिक साधना

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मेवाड़ प्रान्त कि धार्मिक नगरी सिंगोली में आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य अर्ह योग प्रणेता मुनिश्री प्रणम्य सागर जी महाराज के परम शिष्य ऐलक श्री अनुरुप सागर जी महाराज ने चतुर्दशी के पावन दिन 12 घंटे एक ही जगह पर खड़े रहकर खड्गासन मुद्रा में कायक्लेश महातप कि कठोर सामायिक साधना मन्दिर जी में कि यह कोई साधारण तप नही है यह आत्मा को निर्मल करने का कर्मो को क्षीण करने का और आत्मबल को जागृत करने का एक दिव्य प्रयास है आत्म साधना आत्माराधना या कर्मों को निर्जरा करने के लिए शारीरिक कष्टों को सहन करे उसे कायक्लेश कहते है शरिर को कष्ट देना मात्र तप नही है बल्की उस कष्ट के कारण आत्माराधना मे शिथिलता न आना मुख्य है यह शरीर को वश मे करने ओर आत्मा को कर्मों के बंधन से मुक्त करने के लिए किया जाता है इसके अंतर्गत साधु या श्रावक अपनी शक्ति अनुसार शारिरिक यातनाओं को सहन करते है जैसे खड़े रहना एक पार्श्व (करवट) से सोना या वीरासन अन्य कठिन आसनों में बेठना आदी पुज्य ऐलक महाराज को 12 घंटे के कायक्लेश महातप सामायिक के उपरांत सायं काल समाजजनों द्वारा ढोल ढमाको के साथ महाराज को सन्त निलय पर लेकर आए जाहा पर मुनिश्री के दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

पनप रहा नशे का कारोबार, उड़ता पंजाब की तर्ज पर अग्रसर हो रहा मन्दसौर!

क्षेत्र में पदस्थ अधिकारियों व कर्मचारियों के कार्यकलापों की जांच गंभीरता से होनी चाहिए

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मन्दसौर जिले के साथ पूरे संसदीय क्षेत्र में नशे का अवैध कारोबार बड़ी मात्रा में फेल चुका है। एमडी पाउडर हो या ब्राउन शुगर या स्मैक या डोडाचूरा या अफीम या फिर जहरीली शराब हो। सभी की बड़ी मात्रा में यहां से तस्करी जारी है। यह अब रोकने वाले मामले के जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारी आँखें मूंदे है। क्षेत्र के युवाओं का भविष्य बर्बाद हो रहा है। उड़ता पंजाब की तर्ज पर मन्दसौर अग्रसर हो रहा है। होने से युवाओं का जीवन भारी संकट में है।

यह आरोप एक बयान में सामाजिक एवं राजनैतिक कार्यकर्ता डॉ. राघवेंद्रसिंह तोमर ने लगाते हुए बताया कि जिस तरह समूचे क्षेत्र में ड्रग्स एवं मादक पदार्थों की तस्करी हो रही है और इनके पीछे सफेद पोश के गुर्गे सामने आ रहे है, यह बेहद गंभीर है। डॉ. राघवेंद्रसिंह तोमर ने प्रदेश के पुलिस महानिदेशक को एक पत्र भेजकर संसदीय क्षेत्र में पुलिस महकमे एवं विशेष शाखाओं में लंबे समय से पदस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों की संपत्तियों की जांच कराई जानी चाहिए। साथ ही उनकी गतिविधियों की जांच स्पेशल टास्क फोर्स बनाकर अगर कराई जाए, तो जाने कितने ऐसे अधिकारी मिल सकते हैं, जो ड्रग्स एवं मादक पदार्थों का व्यापार करने वालों के साथ सांठ गांठ किए हुए है।

डॉ. तोमर ने आरोप लगाया कि ड्रग्स एवं मादक पदार्थों की अवैध तस्करी के विरुद्ध पुलिस की कार्यवाही ऊंट के मुंह में जीरा के समान होती है, क्योंकि इन कार्यवाहियों में सिर्फ चींटियों जैसों पर नाम मात्र की कार्यवाही कर इतिश्री की जाती है। बड़े बड़े हाथियों की ओर देखने की हिम्मत तक नहीं होती। डॉ. राघवेंद्रसिंह तोमर ने मन्दसौर एवं नीमच जिले के पुलिस अधीक्षक से भी इस मामले में ठोस कार्यवाही की मांग की है।

डॉ. राघवेंद्रसिंह तोमर ने बताया कि मंदसौर शहर में भारी मात्रा में गली मोहल्लों में प्रतिबंधित ड्रग्स बेचे जा रहे है और युवाओं का भविष्य बर्बाद किया जा रहा है। जिले के पुलिस विभाग के मुखिया को समय रहते ठोस कदम उठाने चाहिए एवं जो भी पुलिस विभाग के या स्पेशल टीम के अधिकारी या कर्मचारी इन कार्यों में लिप्त हो उनके विरुद्ध ठोस कार्यवाही की जानी चाहिए।

डॉ. राघवेंद्रसिंह तोमर ने आरोप लगाते हुए कहा कि मुखबिर के माध्यम से केस बनाए जाते है और मोटी मोटी रकम लेकर आरोपियों को छोड़ दिया जाता है। एक तरह से नशे के कारोबार को रोकने के स्थान पर कुछ लोगों ने इसे कमाई का साधन बना लिया है। ऐसे लोगों को चिन्हित कर कठोर कार्यवाही होनी चाहिए। डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर ने बताया कि शीघ्र ही वह इस दिशा में कार्यवाही हेतु न्यायालय की भी शरण लेने वाले है, ताकि मंदसौर को उड़ता पंजाब की तर्ज पर उड़ता मन्दसौर बनने से रोका जा सके। डॉ. तोमर जिम्मेदारों से मांग की है कि जिस जिस थाना क्षेत्र में ड्रग्स की बड़ी खेफ पकड़ी जाए, उस थाने के पूरे स्टाफ के खिलाफ ठोस कार्यवाही की जानी चाहिए।

नीमच रामगंजमंडी रेल लाइन को मिल सकती है 'पीएम गतिशक्ति' में जगह, क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मिलेंगे नए पंख, बोले पूर्व विधायक संपत स्वरूप जाजू?

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पूर्व विधायक डॉ. सम्पत स्वरूप जाजू ने नीमचङ्करामगंजमंडी नई रेल लाइन को प्रधानमंत्री गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान में शामिल किए जाने की संभावनाओं पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि यदि जनप्रतिनिधियों द्वारा समन्वित और गंभीर प्रयास किए जाएं, तो यह परियोजना क्षेत्र के लिए गेमचेंजर साबित हो सकती है।

डॉ. जाजू के अनुसार, प्रस्तावित रेल लाइन नीमच जिले सहित आसपास के क्षेत्रों को न केवल मध्यप्रदेश बल्कि राजस्थान से भी मजबूत रेल कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। इस रेल मार्ग के विकसित होने से नीमच का सीधा जुड़ाव राजधानी भोपाल से संभव हो सकेगा, वहीं दक्षिण भारत से राजस्थान के प्रमुख शहरों–जोधपुर, अजमेर और उदयपुर तक संपर्क भी अधिक सशक्त होगा।

उन्होंने बताया कि हाल ही में इंदौरङ्कमुंबई रेल लाइन को भी पीएम गतिशक्ति योजना के तहत स्वीकृति मिली है, जिससे यह उम्मीद और मजबूत होती है कि नीमचङ्करामगंजमंडी रेल लाइन को भी इस योजना में शामिल किया जा सकता है।

डॉ. जाजू ने कहा कि इस रेल लाइन के बनने से व्यापार, उद्योग और कृषि क्षेत्र को बड़ा लाभ मिलेगा। माल परिवहन तेज और सस्ता होगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। साथ ही यात्रियों को भी अधिक विकल्प मिलेंगे, क्योंकि वर्तमान में सीमित ट्रेनों और सेवाओं के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने नीमच के रेलवे विकास के इतिहास का उल्लेख करते हुए बताया कि स्वर्गीय बालकवि बैरागी के प्रयासों से नीमचङ्कचित्तौड़गढ़ ब्रॉडगेज लाइन स्वीकृत हुई थी, जिसने क्षेत्र के विकास को नई दिशा दी। इसके बाद दिल्ली, मेरठ और हरिद्वार जैसे शहरों से कनेक्टिविटी भी स्थापित हुई, लेकिन वर्तमान में कई सेवाओं के सीमित होने से फिर से नई रेल परियोजनाओं की आवश्यकता महसूस हो रही है।

डॉ. जाजू ने यह भी बताया कि गतिशक्ति योजना के तहत पूर्व में नीमचङ्कसिंगोलीङ्ककोटा रेल लाइन को स्वीकृति मिल चुकी है, जो फिलहाल फाइनल सर्वे के चरण में है। ऐसे में नीमचङ्करामगंजमंडी रेल लाइन को भी इसी योजना में शामिल कराने के प्रयास तेज किए जाने चाहिए।

उन्होंने कहा कि यह परियोजना न केवल क्षेत्रीय विकास को गति देगी, बल्कि मध्यप्रदेश और राजस्थान के बीच आर्थिक और सामाजिक संबंधों को भी मजबूत करेगी।

गांधीसागर बैकवाटर में करंट से मछली शिकार का भंडाफोड़, इंदौर तक जुड़े तस्करी के तार, बैटरी-उपकरण जब्त

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गांधीसागर बैकवाटर क्षेत्र में अवैध मछली शिकार के एक खतरनाक और पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचाने वाले मामले का नाहरगढ़ पुलिस ने खुलासा किया है। करंट प्रवाहित कर मछलियां मारने वाले पश्चिम बंगाल के तीन आरोपियों को पुलिस ने रंगे हाथों पकड़ा है। इस अमानवीय तरीके से जलीय जंतुओं को मारने से जलाशय में मौजूद सभी जलीय जीवों का जीवन खतरे में पड़ रहा था। थाना प्रभारी वरुण तिवारी के मार्गदर्शन में की गई इस कार्रवाई में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।

पुलिस के अनुसार यह गिरोह पिछले दो महीनों से क्षेत्र में सक्रिय था और अवैध रूप से मछलियां पकड़कर अन्य शहरों, विशेषकर इंदौर में सप्लाई कर रहा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना नाहरगढ़ में पदस्थ प्रधान आरक्षक अर्जुनसिंह अपनी गश्ती टीम के साथ ग्राम संजीत के देहात क्षेत्र में भ्रमण पर थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि गांधीसागर डूब क्षेत्र में तीन व्यक्ति इलेक्ट्रिक बैटरियों और तारों के माध्यम से पानी में करंट प्रवाहित कर मछलियों का अवैध शिकार कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर दबिश दी। मौके पर पहुंचकर देखा गया कि एक व्यक्ति बैटरी, यूपीएस और चार्जर के माध्यम से करंट सक्रिय कर रहा था, जबकि दो अन्य व्यक्ति बांस की लंबी लकड़ियों पर लोहे के लूप और तार लगाकर पानी में उतरकर मछलियां मार रहे थे। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को मौके से पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपनी पहचान देबब्रत पिता दिलीप विश्वास, उम्र 38 वर्ष, निवासी करोला ठाकुर नगर, थाना गाईघाटा, जिला नॉर्थ 24 परगना, पश्चिम बंगाल, सुजन पिता उत्तम विश्वास, उम्र 33 वर्ष, निवासी बैताई जितपुर, थाना तेहट्टा, जिला नादिया, पश्चिम बंगाल, सुकानता पिता सुखलाल सरकार, उम्र 32 वर्ष, निवासी टेंगरा खाल शिलबेरीया, थाना हासखाली, जिला नादिया, पश्चिम बंगाल बताई। तीनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे करंट के माध्यम से मछलियां मारकर उन्हें जलाशय से चोरी कर बाहर ले जाते थे। जब उनसे मछली शिकार का लाइसेंस या अनुमति पत्र मांगा गया, तो वे कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके । पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 4 इलेक्ट्रिक बैटरियां, 2 यूपीएस, 1 चार्जर, तार एवं लोहे के लूप लगे बांस के डंडे बरामद कर विधिवत जप्त किए हैं। इन उपकरणों की सहायता से पानी में करंट प्रवाहित किया जाता था, जिससे बड़ी संख्या में मछलियां और अन्य जलीय जीव तत्काल मर जाते हैं। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में यह भी सामने आया है कि आरोपी पिछले करीब दो महीनों से इस क्षेत्र में सक्रिय थे और अवैध रूप से मछलियां पकड़कर इंदौर सहित अन्य शहरों में सप्लाई करते थे। उल्लेखनीय है कि इस क्षेत्र में मछली पकड़ने का ठेका पूर्व में ही निरस्त किया जा चुका है, इसके बावजूद आरोपी अवैध रूप से शिकार कर रहे थे। करंट से मछली मारने का यह तरीका अत्यंत खतरनाक है। इससे न केवल मछलियां, बल्कि कछुए, मगरमच्छ और अन्य जलीय जीव भी प्रभावित होते हैं। हाल ही में एक बड़े मगरमच्छ की संदिग्ध मौत तथा जलाशय किनारे बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियों के मिलने की घटनाएं सामने आई थीं, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया था। थाना प्रभारी वरुण तिवारी ने बताया कि आरोपियों के विरुद्ध धारा 303 (2) 62 भारतीय न्याय संहिता सहित मत्स्य अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है तथा इसमें शामिल अन्य लोगों की भी तलाश की जा रही है। टीआई वरुण तिवारी ने आम नागरिकों से अपील की है कि इस प्रकार की अवैध गतिविधियों की जानकारी तत्काल पुलिस को दें, ताकि पर्यावरण एवं वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

रोटरी-मानव सेवा समिति की बड़ी पहल- दानदाताओं के सहयोग से जिला अस्पताल में 4 नई डायलिसिस मशीनें

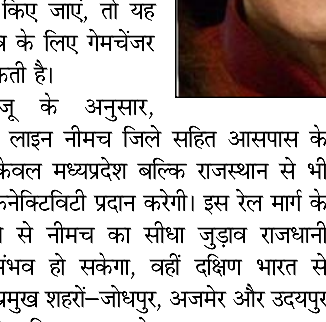

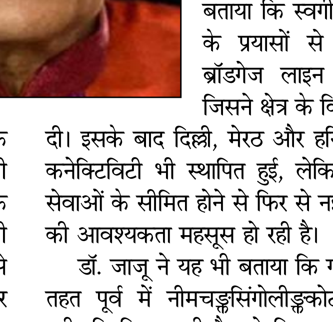

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा, संवेदना और सहयोग का जीवंत उदाहरण शुक्रवार को जिला चिकित्सालय में देखने को मिला, जब रोटरी क्लब नीमच, मानव सेवा समिति और दानदाताओं के संयुक्त प्रयास से डायलिसिस सेंटर को 4 नई मशीनों की सौगात मिली।

इस महत्वपूर्ण पहल के बाद अब अस्पताल में कुल डायलिसिस मशीनों की संख्या 12 से बढ़कर 16 हो गई है, जिससे किडनी रोगियों को बड़ी राहत मिलने जा रही है। अब तक सीमित संसाधनों के कारण कई मरीजों को इंतजार करना पड़ता था, यहां तक कि हेपेटाइटिस बी और हेपेटाइटिस सी जैसे गंभीर संक्रमण से जूझ रहे मरीजों को भी मशीन उपलब्ध नहीं होने पर लौटना पड़ता था। लेकिन अब हालात बदलने की उम्मीद है।

डायलिसिस सेवाएं पहले सुबह 7ञ्30 बजे से रात 9ञ्30 बजे तक संचालित होती थीं, लेकिन मशीनों और स्टाफ में वृद्धि के बाद अब सेवाओं के विस्तार का रास्ता साफ हो गया है। वर्तमान में प्रतिदिन करीब 36 मरीजों को लाभ मिल रहा है, जबकि 85 मरीज रजिस्टर्ड हैं।

दानदाताओं का योगदान बना आधार स्तंभ- इस पूरी पहल में समाज के दानदाताओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही। स्व. मांगीलाल भंसाली की पुण्य स्मृति में भंसाली परिवार ने 2 मशीनें भेंट कीं। स्व. लीलादेवी गोयल की स्मृति में गिरधारीलाल गोयल परिवार ने 1 मशीन दी। समाजसेवी विष्णु बिंदल (इंदौर) ने 1 मशीन का सहयोग किया।

इन योगदानों ने यह साबित कर दिया कि जब समाज आगे आता है, तो स्वास्थ्य जैसी बड़ी चुनौतियों का समाधान भी संभव हो जाता है।

रोटरी और मानव सेवा समिति की निर्णायक भूमिकाञ्- रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3040 के ग्लोबल ग्रांट के तहत रोटरी क्लब नीमच और मानव सेवा समिति ने इस प्रोजेक्ट को धरातल पर उतारा। ÷ह्ढ्रञ्जश्व स्नह्रक्र तह्लह्रष्ठ÷ की थीम के साथ यह पहल सिर्फ मशीनों का विस्तार नहीं, बल्कि जीवन बचाने का संकल्प बनकर सामने आई है।

रोटरी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर सुशील मल्होत्रा ने कहा कि डायलिसिस मशीनों की यह वृद्धि सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि मानवीय सेवा का विस्तार है। हमारा उद्देश्य है कि कोई भी मरीज संसाधनों के अभाव में उपचार से वंचित न रहे।

संस्था के प्रकल्प संयोजक पुरुषोत्तम गुप्ता ने कहा कि रोटरी क्लब और मानव सेवा समिति ने मिलकर जो प्रयास किया है, वह समाज की ताकत को दर्शाता है। अब मरीजों को इंतजार कम करना पड़ेगा और अधिक लोगों को समय पर उपचार मिल सकेगा।

इस अवसर पर विधायक दिलीप सिंह परिहार ने कहा कि जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं का यह विस्तार सराहनीय है। दानदाताओं और संस्थाओं के सहयोग से क्षेत्र के मरीजों को बड़ा लाभ मिलेगा, जो वास्तव में जनसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है।

मंदसौर के पहलवानों ने सागर में जीते पदक, यश ने रजत व हर्षित ने पाया कास्य पदक

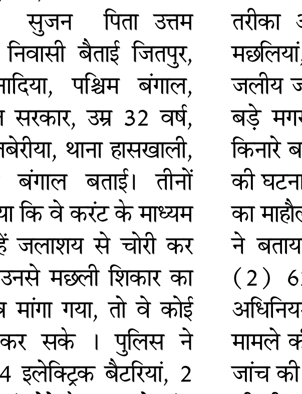

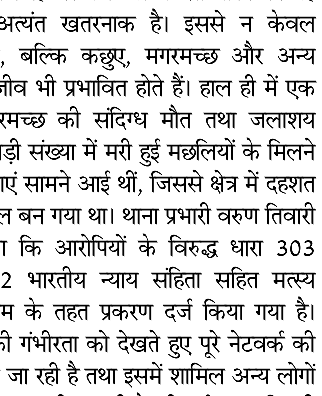

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश के सागर में आयोजित हुई अंडर-17 राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में मंदसौर के नृसिंह घाट रेसलिंग सेंटर के पहलवानो ने शानदार प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में अपने-अपने वजन समूह में यश पिता श्याम ग्वाला रजत पदक एवं हर्षित पिता कन्हैयालाल ग्वाला ने कास्य पदक जीतकर मंदसौर का नाम गौरवान्वित किया हैं। दोनों पहलवान जिला, संभाग स्तर एवं ओपन प्रतियोगिताओं में भी कई बार मंदसौर का नाम गौरवान्वित कर चुके हैं। यश पहलवान ने अपने वजन समूह में पहले खंडवा और फिर ग्वालियर के पहलवान को पटखनी देकर फाइनल में स्थान बनाया। यश ने फाइनल में शानदार प्रदर्शन कर रजत पदक जीता। वहीं हर्षित पहलवान ने अपने वजन समूह में कुश्तियां जीतकर सेमीफाइनल तक का सफर तय कर कास्य पदक जीता। दोनों पहलवान मंदसौर के नृसिंह घाट रेसलिंग सेंटर पर कुश्ती कोच रवि अहीर के मार्गदर्शन में लंबे समय से कुश्ती के दांव-पेंच सीख रहे हैं। दोनों पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन कर मंदसौर जिला एवं समाज व परिवार का नाम गौरवान्वित किया हैं। पहलवानों की इस उपलब्धि पर नृसिंह घाट रेसलिंग सेंटर के संचालक व जिला कुश्ती संघ अध्यक्ष दिलीप पहलवान, जिला संयोजक विनय दुबेला, राजेश राठौर, मोहसीन खां सिंघल, कांजी पटेल, पवन ग्वाला, गोपाल ग्वाला, श्याम ग्वाला, कन्हैयालाल ग्वाला, राहुल सुराह, हेमंत ग्वाला, रवि हांस, प्रदीप ग्वाला सहित साथी खिलाड़ियों एवं स्नेहीजनों ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की हैं।

अधिकाधिक किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित करें-श्री चंद्रा

कलेक्टर ने ए.पी.सी.समूह में शामिल विभागों की समीक्षा की

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए 10 कलस्टरों में 125-125 कुल 1250 किसानों को खरीफ में प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए तैयार किया गया है। यह किसान आगामी खरीफ से प्राकृतिक खेती करेंगे। जिले के अधिकाधिक किसानों को प्रेरित कर प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने शुक्रवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में ए.पी.सी.समूह में शामिल विभाग कृषि, उद्यानिकी, आत्मा, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य, पशुपालन आदि विभागों की मासिक विभागीय समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव सहित विभागीय जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर ने दुग्ध संघ अधिकारियों को दुग्ध उत्पादक पशुपालकों की संख्या बढ़ाने, नवीन दुग्ध समितियां गठित करने और नये मिल्क रूट तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया, कि वर्तमान में दुग्ध संघ द्वारा जिले में 19942 लीटर दुग्ध संकलन किया जा रहा है। कलेक्टर ने मत्स्य विभाग को नवीन अमृत सरोवर एवं तालाबों में मत्स्य पालन करवाने और नवीन मत्स्य समितियां गठित करने के निर्देश भी दिए। उन्होने 200 नये मत्स्य पालकों को के.सी.सी. एक माह में जारी करवाने के निर्देश भी मत्स्य विभाग को दिए है।

कृषि विभाग की समीक्षा में कलेक्टर ने सोयाबीन किसानों को सोयाबीन की बजाय अन्य फसलों का रकबा बढ़ाने के विशेष प्रयास करने, किसानों को जागरूक कर चिया सीड्स, किनोवा व पिक किनोवा की फसल लेने के लिए प्रेरित करने के लिए अभियान चलाने के निर्देश भी दिए। अधिकाधिक खेतो का मिट्टी परीक्षण करवाकर, परिणाम के आधार पर उर्वरक का उपयोग करने हेतु किसानों को जागरूक करने के निर्देश भी कृषि विभाग को दिए गये। उर्वरक की मांग उपलब्धता और वितरण की समीक्षा में कलेक्टर ने निर्देश दिए, कि कृषि विभाग सुनिश्चित करें, कि किसानों को शासन द्वारा निर्धारित मूल्य पर ही उर्वरक का विक्रय हो, यदि कोई तय कीमत से अधिक कीमत पर विक्रय करता है, तो उसके विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाए।

सम्पादकीय

टेढ़े आंगन में खट्टे अंगूर तो होंगे ही

महान साहित्यकार जमुना लाल जी ने साहित्य में में एक नया शास्त्र को प्रतिपादित कर दिया बहाना-शास्त्र। इसमें विद्वान वही लोग हैं, जो न मंच पर टिक पाए, न पाठकों के दिल में बस पाए, लेकिन आत्मविश्वास ऐसा कि खुद साहित्य के भगवान हों।

इनका पहला सूत्र अगर हम सफल नहीं हो सके तो सफलता को ही संदेही घोषित कर दो। जिसने खुद कभी किसी को चाय ऑफर नहीं की हो पर दूसरों के यहां दावत उडाने को तैयार रहते हैं। जमुनालाल जी का परफॉर्मेंस भी इसी तरह का है जो मंच पर सफल नहीं हो पाए पर वो नाक-भौं सिकोड़कर फरमाते हैं कि अब मंच प्रबुद्ध साहित्यकारों के लिए नहीं रहा है और जो मंच पर चढ़े लेकिन टिक नहीं पाए वे कहते श्रोता भी अब समझदार नहीं रह गए हैं, जो दो मिनट में हूट हो गए, वे निष्कर्ष निकालते हमारी रचना है ही इतनी उच्च स्तरीय है कि जनता समझ ही नहीं पाती है।

अब यह नई बात सामने आई है कि तालियाँ मिल जाएँ तो आप हिट हैं, और अगर लोग चुप रह जाएँ तो आपका साहित्य गंभीर हैं,यानि असफलता को भी अब साहित्यिक सम्मान में बदल देने की अद्भुत कला में माहीर हो गए है।

कभी-कभी तो लगता है कि वे साहित्य नहीं, अपनी असफलताओं का महाकाव्य लिख रहे है हर पंक्ति में समाज का दर्द कम खुद का दुखड़ा ज्यादा होता है। जमुना लाल जी का एक प्रिय वाक्य है हम भीड़ के लिए नहीं लिखते असल में भीड़ भी इनके लिए नहीं रुकती ही नही और जो दो-चार लोग रुक भी जाएँ वे भी मोबाइल बाज ही होतें हैं,लेकिन ये सज्जन इसे भी मौन प्रशंसा मान लेते देखो मेरे वक्तव्य के दौरान पूरा सभागार मौन था पर हकीकत यह थी कि सब मोबाइल में लगे हुए थे। अगर आपकी कविता में दम नहीं है, तो आंगन टेढ़ा होना ही था, मंच और श्रोताओं को दोष दे दीजिए।अगर आपकी प्रस्तुति में जान नहीं है, तो कह दीजिए दर्शक हल्के स्तर के थे ।

अगर लोग समझ नहीं पा रहे, तो दर्शक महान अज्ञानी और जो लोकप्रिय हैं उन्हें हल्का स्तरहीन हैं कहना नया फैशन हो गया है।

जो मंचों पर जोरदार चल रहा है वह निश्चित तौर पर ड्रामेबाज,जुमलेबाज होगा। जैसा खुद नहीं कर पाए, वह स्तरहींन । यह वही मानसिकता है, जिसमें आदमी परीक्षा में फेल हो जाए तो कहे पेपर सिलेबस से बाहर का बता देते हैं। नौकरी न मिले तो कहो सिस्टम में भारी भ्रष्टाचार व्याप्त है यह अलग बात है कि उसके बाद भी लोगों को हजारों नौकरियां मिल रही है। कविता न चल पाए तो यह कहकर पीछा छुड़ाइए कि साहित्य में वो बात नही रही है। कुछ लोग तो इतने महान बन चुके हैं कि उन्होंने अपनी अक्षमता को ही विचारधारा बना लिया है।हम अलग हैं, हम हटकर है कह कर गला नहीं सुखाते,असल में वे बस त्रिशंकु बने लटके हुए हैं। इनके लेखन में एक खास बात है,जहां उनके शब्द तो होते वहां संवेदना छुट्टी पर होती है,विचार तो होते हैं पर पाठक गायब होते हैं,वहां सबसे ज्यादा मौजूद होता लेखक का अहंकार। वह अहंकार भी बड़ा मजेदार,खुद को पढ़ने वाला कोई नहीं, लेकिन शिकायत पूरी दुनिया से है कि हमें समझा नहीं गया। हमारा यह सिद्धांत है कि हमारा कोई सिद्धांत नहीं है, अवसरवाद सिर चढ़कर बोलने लगता है। जैसे कोई दुकान खोले बिना ही कह दे ग्राहक का मिजाज बहुत खराब हो गया हैं। साहित्य में नई प्रवृत्ति बेलगाम घोड़े जैसी हो गई है,जो समझ में आ जाए, वह साधारण,जो समझ में न आए, वही महान है।अब अगर पाठक आपकी रचना पढ़कर मुस्कुरा दे तो आप असफल,अगर वह सिर पकड़ ले तो आप महान लेखक घोषित !

यानि साहित्य का आनंद अब ,तिलस्म बन गया है। सच तो यह है कि मंच भी वही श्रोता भी वही हैं, और शब्द भी वही,बस कुछ लोगों की ईमानदारी और मेहनत कहीं रास्ते में छूट गई है। जो आँगन में उतरकर खेल नहीं सकते, उनके लिए आँगन को टेढ़ा ही होगा। और जो पेड़ पर चढ़कर फल तोड़ने की हिम्मत नहीं रखते,वे अंगूरों को खट्टा ही बताएँगे।बाकी साहित्य तो चुपचाप अपना काम करता रहा है,करता रहेगा कुछ लोग उसे जी रहे हैं,और कुछ लोग उसमें मीन मेख निकल रहे हैं।

आत्मा के प्रकाश की सर्वोत्तम अभिव्यक्ति हंसा चक्र के द्वारा होती है

हम जानते हैं कि हमारे सूक्ष्म शरीर में सात मुख्य चक्र होते हैं परन्तु इनके अतिरिक्त अन्य चक्र भी हैं जो हमें संतुलन प्रदान करने में सहायक होते हैं। इन्हीं में से एक है हंसा चक्र।

हंसा चक्र दोनों भृकुटियों के मध्य में स्थित है। ये दोनों आँखों बाईं तथा दाईं ओर का द्योतक हैं। ...... कुण्डलिनी को विराट से सम्पर्क स्थापित करने के लिये हंसा चक्र से गुज़रना पड़ता है। हंसा चक्र पर ईड़ा और पिंगला के कुछ भाग की अभिव्यक्ति होती है। इसका अर्थ ये हुआ कि ईड़ा और पिंगला की अभिव्यक्ति हंसा चक्र के माध्यम से होती है। तो हंसा चक्र वह चक्र है जो यद्यपि आज्ञा चक्र तक नहीं गया फिर भी जिसने इन दोनों नाड़ियों के कुछ सूत्र या कुछ भाग थामे हुए हैं और ये सूत्र नाक की ओर प्रवाहित होने लगते हैं, आपकी आँखों से, मुँह से और मस्तिष्क के माध्यम से इनकी अभिव्यक्ति होने लगती है। आप जानते हैं कि विशुद्धि चक्र की सोलह पंखुड़ियों हैं जो आँख, नाक, जिह्वा, गला और दाँतों की देखभाल करती हैं परन्तु इनकी अभिव्यक्ति का काम हंसा चक्र के माध्यम से होता है।

हंसा चक्र जाग्रत होने पर सद्- सद् विवेक विकसित होता है। संस्कृत का एक सुन्दर श्लोक है कि हंस और बगुला दोनो श्वेत पक्षी हैं, तो दोनो में अन्तर क्या है? यदि दूध में पानी मिला हो तो हंस उसमें से दूध पी जाएगा और पानी को छोड़ देगा परन्तु बगुले को दूध तथा पानी अलग करने का विवेक नहीं है। हंसा चक्र हमारी चेतना में मंगलमयता की अभिव्यक्ति का केन्द्र बिन्दु है। इसका अभिप्राय यह है कि हंसा चक्र के जाग्रत स्थिति में होने पर हम तुरन्त जान जाते हैं कि शुभ क्या है और क्या अशुभ है। हमें दैवी विवेक प्राप्त हो जाता है।

आत्मा के प्रकाश की सर्वोत्तम अभिव्यक्ति इसी हंसा चक्र के द्वारा होती है। हंसा चक्र में चमकने वाला आपकी आत्मा का प्रकाश आपको विवेक प्रदान करता है तो आपमें स्वतः ही अनुभव की बुद्धि आ जाती है और आप जान जाते हैं कि ठीक रास्ता कौन सा है। एक बार जब यह बुद्धि पारदर्शी हो जाती है और आप इसमें से हर चीज़ स्पष्ट देखने लगते हैं तो आपका मस्तिष्क भी पूर्णतया स्वच्छ हो जाता है।

आँखें तथा कान अब पूरे वातावरण में ऐसी अनुक्रिया प्रसारित करने लगते हैं कि आप केवल सुन्दर को ही ग्रहण करते हैं। एक बार जब आप ऐसा करना सीख जाते हैं तब आप कहते हैं हम आनन्द सागर में तैर रहे हैं। सागर तो वही है, पर अब आप उसके अन्दर की अमृत की सुन्दर बूँदों को प्राप्त कर लेते हैं और अन्य लोग डूबने से डरते रहते हैं। यही संसार है। इसी कारण लोग कहते हैं कि यह माया है, पर विवेक बुद्धि में माया नहीं रह जाती।

हंसा चक्र के कार्यान्वित होने पर ही उत्थान संभव है। जब तक आपका हंसा चक्र कार्यान्वित नहीं होता, तब तक आपका आनन्द प्राप्त करना सम्भव नहीं। इस विश्वास के साथ कि इन बन्धनों को त्यागने में ही हमारा हित है, इनसे यदि हम छुटकारा पा लें तो आज्ञा चक्र खुल जाता है।

हंसा चक्र का महानतम कार्य ... यह है कि यह आपके पूर्व कर्मफल को समाप्त करता है। पूर्व-कृत अपराध फल के भय से मुक्ति देता है । कीचड़ में जन्मे कमल की तरह आप सुन्दर होंगे और पूरे विश्व में सुन्दर सुगन्ध बिखरेंगे जब आपका हंसा चक्र जाग्रत हो जाएगा।

जब घर ही कब्र बन गया और रिश्ते खामोश गवाह

मध्यप्रदेश के इंदौर शहर के नगीन नगर (चंदन नगर थाना क्षेत्र) की तंग गलियों में जब लंबे समय से जमी खामोशी अचानक दरक गई, तो उसके भीतर छिपा भयावह सच पूरे इलाके को भीतर तक हिला गया। एक बंद और उपेक्षित मकान से निकली सड़न और रहस्य ने वहां मौजूद हर व्यक्ति को सन्न कर दिया। इसी मकान के भीतर 65 वर्षीय वृद्ध का निर्जीव शरीर कुछ दिनों (लगभग दो दिन) से पड़ा हुआ था, और समय के साथ वह उपेक्षा की भयावह तस्वीर बन चुका था। यह घटना केवल मृत्यु की सूचना नहीं थी, बल्कि टूटते रिश्तों, बिखरते परिवार और संवेदनहीन होते समाज का दर्दनाक दर्पण थी। बंद दीवारों के भीतर दबी यह चुप्पी अब एक कठोर प्रश्न बनकर खड़ी है–क्या इस आधुनिक युग में इंसान अपने ही घर के भीतर इतना अकेला और असहाय हो सकता है?

सन्नाटे में दबी हुई सच्चाई जब अचानक सांस लेने लगती है, तो उसका पहला स्पर्श ही पूरे वातावरण को हिला देता है। कॉलोनी के बच्चे गली में क्रिकेट खेल रहे थे, तभी गेंद अचानक उसी बंद पड़े पुराने मकान के भीतर जा गिरी। गेंद लेने गए बच्चों ने जैसे ही अंदर झांका, तेज दुर्गंध और सड़न की भयावह स्थिति ने उन्हें भयभीत कर दिया। भीतर का दृश्य अत्यंत भयावह था–चूहों द्वारा क्षत-विक्षत शव और मौत का गहरा सन्नाटा। यह सच शायद और भी दिनों तक छिपा रहता, यदि वह गेंद उस बंद मकान में न जाती, जिसने एक अनदेखी और उपेक्षित त्रासदी को उजागर कर दिया।

सूचना मिलते ही चंदन नगर थाना पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची, जहां भीतर का दृश्य अत्यंत भयावह और दिल दहला देने वाला था–कमरे में फैली सड़ांध, जड़ हो चुकी खामोशी और लंबे समय से उपेक्षित वातावरण यह स्पष्ट संकेत दे रहे थे कि मृत्यु कई दिन पहले हो चुकी थी और किसी ने उसकी सुध नहीं ली थी; शव काफी विकृत अवस्था में था, जिससे यह घटना केवल एक पुलिस जांच का विषय न रहकर समाज की संवेदनहीनता और टूटते पारिवारिक संबंधों का कठोर दर्पण बन गई, और सबसे बड़ा प्रश्न यही रह गया कि तीन पुत्रों के होते हुए भी यह व्यक्ति अपने अंतिम समय में इस तरह पूर्णतः अकेला क्यों रह गया।

जीवन की कठिन धूप में तपकर यह वृद्ध व्यक्ति वर्षों तक मेहनत-मजदूरी करता रहा और अपने परिवार की ज़िम्मेदारियों को कंधों पर ढोता हुआ बच्चों के भविष्य को संवारने में पूरी उम्र खपा दी; अभावों और आर्थिक संघर्षों के बीच भी उसने कभी घर की डोर को टूटने नहीं दिया और हर परिस्थिति में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करता रहा। समय के साथ शराब की लत ने उसके जीवन को अवश्य प्रभावित किया, लेकिन पिता के हृदय में बसे स्नेह और अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की उम्मीद कभी कम नहीं हुई, जबकि विडंबना यह रही कि वही बच्चे धीरे-धीरे उससे दूर होते चले गए; त्याग, उपेक्षा और टूटते रिश्तों के बीच यह पवित्र सा बंधन अंततः बिखरकर एक दर्दनाक मौन में बदल गया।

तीन पुत्रों के होते हुए भी यह वृद्ध व्यक्ति अपने अंतिम समय में गहरी एकाकी स्थिति में था; वर्षों से चले आ रहे पारिवारिक मतभेदों ने रिश्तों की नींव कमजोर कर दी थी, जिसके कारण न कोई मुलाकात बची, न कोई हालचाल लेने वाला और न ही कोई जिम्मेदारी निभाने वाला शेष रहा। जिस पिता ने जीवन भर अपनी संतान के भविष्य को संवारने में अपना सब कुछ लगा दिया, वही अंततः उपेक्षा का शिकार बन गया; कभी स्नेह और अपनत्व से भरे रक्त संबंध धीरे-धीरे दूरी, नाराज़गी और स्वार्थ में बदल गए। यह स्थिति बताती है कि समय के साथ कई रिश्ते भावनाओं से टूटकर केवल औपचारिक औपचारिकता भर रह जाते हैं।

मृत्यु की सूचना मिलने के बाद जब रिश्तेदारों और पुत्रों को खबर दी गई, तो उनका व्यवहार और भी अधिक पीड़ादायक और निराशाजनक था; एक-एक कर सभी ने आने से स्पष्ट इनकार कर दिया, मानो अंतिम संस्कार कोई पारिवारिक दायित्व नहीं बल्कि एक अनचाहा बोझ हो। एक ओर वृद्ध पिता का निर्जीव शरीर पड़ा था, तो दूसरी ओर पुत्रों की संवेदनहीनता और दूरी साफ झलक रही थी। आश्चर्यजनक रूप से संपत्ति को लेकर सक्रियता तो दिखाई दी, लेकिन भावनाओं, कर्तव्य और मानवीय संवेदना का पूर्ण अभाव उजागर हो गया। यह पूरा दृश्य रिश्तों के पतन और सामाजिक मूल्यों के क्षरण की सबसे कठोर और असहज तस्वीर प्रस्तुत करता है।

नगीन नगर, इंदौर की यह घटना केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए एक गंभीर चेतावनी है; आज की तेज़ रफ्तार जिंदगी में मोबाइल, काम और व्यक्तिगत स्वार्थ ने पारिवारिक रिश्तों की गर्माहट को लगातार कमजोर कर दिया है। बुजुर्ग घरों में अकेलेपन का जीवन जीने को मजबूर हैं, जिनकी देखभाल और हालचाल लेने वाला कोई नहीं बचा। यह घटना उस गहराते सामाजिक संकट को उजागर करती है, जहां इंसान मौजूद होते हुए भी इंसानियत धीरे-धीरे खोती जा रही है। यदि समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया, तो भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति और भी भयावह रूप ले सकती है।

यह घटना एक गहरी सामाजिक पीड़ा और विचारणीय सच्चाई को उजागर करती है, जिसे नज़रअंदाज़ करना अब संभव नहीं है। जीवन की वास्तविक संपत्ति न तो धन है और न ही भौतिक सुख-सुविधाएं, बल्कि रिश्तों की गरमाहट, सम्मान और अपनापन ही उसका असली आधार हैं। यदि हम आज अपने बुजुर्गों की उपेक्षा करते हैं, तो यही उपेक्षा कल हमारे अपने जीवन में भी लौट सकती है। यह प्रसंग स्पष्ट चेतावनी देता है कि रिश्तों को समय रहते समझना, संवारना और निभाना ही सबसे बड़ी मानवीय जिम्मेदारी है। अन्यथा अंत में केवल पछतावे का अंधकार शेष रह जाएगा और समाज धीरे-धीरे उस संवेदनहीन दिशा में बढ़ता जाएगा, जहां इंसान होते हुए भी इंसानियत का अर्थ खोने लगता है।

-प्रो. आरके जैन

जीवनशैली, जागरूकता और स्वास्थ्य का संतुलन

मानव शरीर एक जटिल और अद्भुत संरचना है, जिसमें प्रत्येक अंग अपनी विशिष्ट भूमिका निभाता है। इन अंगों में ÷यकृत÷ अर्थात लिवर का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। 19 अप्रैल को मनाया जाने वाला विश्व यकृत दिवस हमें इस महत्वपूर्ण अंग के प्रति जागरूक होने और उसके संरक्षण की आवश्यकता को समझने का अवसर प्रदान करता है।

यकृत शरीर का सबसे बड़ा आंतरिक अंग है, जो भोजन को ऊर्जा में बदलने, विषैले तत्वों को बाहर निकालने, पाचन में सहायता करने और शरीर के संतुलन को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि यदि यकृत स्वस्थ है, तो शरीर की अधिकांश क्रियाएँ सुचारु रूप से संचालित होती हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश, हम अक्सर इस महत्वपूर्ण अंग की उपेक्षा करते हैं।

आधुनिक जीवनशैली ने यकृत संबंधी रोगों को तेजी से बढ़ाया है। असंतुलित आहार, अत्यधिक तैलीय और जंक फूड का सेवन, शराब का अत्यधिक उपयोग, शारीरिक निष्क्रियता और तनाव–ये सभी ऐसे कारक हैं जो धीरे-धीरे यकृत को प्रभावित करते हैं। फैटी लिवर, हेपेटाइटिस और सिरोसिस जैसी बीमारियाँ आज आम होती जा रही हैं, जो गंभीर स्थिति में जीवन के लिए खतरा बन सकती हैं।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि यकृत संबंधी रोग अक्सर प्रारंभिक अवस्था में स्पष्ट लक्षण नहीं दिखाते। व्यक्ति लंबे समय तक यह महसूस ही नहीं कर पाता कि उसके शरीर के भीतर कोई समस्या विकसित हो रही है। जब तक लक्षण स्पष्ट होते हैं, तब तक कई बार स्थिति गंभीर हो चुकी होती है। यही कारण है कि जागरूकता और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच अत्यंत आवश्यक है। यकृत को स्वस्थ रखने के लिए किसी जटिल उपाय की आवश्यकता नहीं है। संतुलित और पौष्टिक आहार, नियमित व्यायाम, पर्याप्त जल का सेवन, नशीले पदार्थों से दूरी और तनाव प्रबंधन ये सभी सरल उपाय हैं, जो हमारे यकृत को लंबे समय तक स्वस्थ बनाए रख सकते हैं। इसके साथ ही, हेपेटाइटिस जैसी बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण और स्वच्छता का पालन भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

यह दिवस हमें यह भी सिखाता है कि स्वास्थ्य केवल उपचार पर निर्भर नहीं करता, बल्कि यह हमारे दैनिक जीवन के छोटे-छोटे निर्णयों का परिणाम होता है। हम क्या खाते हैं, कैसे जीते हैं और अपने शरीर के प्रति कितना सजग रहते हैं–ये सभी बातें हमारे स्वास्थ्य को निर्धारित करती हैं। सरकार और स्वास्थ्य संस्थाओं की भूमिका भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। जन-जागरूकता अभियान, स्वास्थ्य जांच शिविर और उचित चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता -ये सभी ऐसे कदम हैं, जो समाज को स्वस्थ बनाने में सहायक हो सकते हैं। लेकिन इन प्रयासों की सफलता तभी संभव है, जब आमजन भी अपनी जिम्मेदारी को समझें और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनें। अंततः, विश्व यकृत दिवस हमें यह संदेश देता है कि शरीर के प्रत्येक अंग का सम्मान और देखभाल आवश्यक है।

-धनंजय राजौरा

वात्सल्य पीठः करुणा, साधना और आत्मोन्नति का दिव्य तीर्थ

दिल्ली जैसे महानगर की आपाधापी, भागदौड़ और संवेदनहीनता के बीच यदि कोई ऐसा स्थान निर्मित हो, जहाँ पहुंचते ही मन शांत हो जाए, आत्मा को विश्राम मिले और जीवन को एक नई दिशा का बोध हो, तो निश्चय ही वह स्थान साधारण नहीं, बल्कि दिव्यता का स्पंदित केन्द्र होता है। 'वात्सल्य पीठ' ऐसा ही एक अनुपम आध्यात्मिक तीर्थ बनकर उभरा है, जो शासनमाता साध्वीप्रमुखा कनकप्रभाजी की स्मृतियों को संजोए हुए न केवल तेरापंथ धर्मसंघ के अनुयायियों के लिए, बल्कि समस्त मानवता के लिए शांति, साधना और आत्मिक उन्नति का केन्द्र बनने जा रहा है। 19 अप्रैल 2026 को इसके उद्घाटन का पावन अवसर केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक युगीन चेतना के जागरण एवं आध्यात्मिक अनुभवों का प्रतीक है। यह वही पावन भूमि है, जहाँ साध्वीप्रमुखा कनकप्रभाजी ने अपने तप, त्याग और आत्म-साधना के अनेक अमूल्य क्षण व्यतीत किए एवं यह वही सिद्ध भूमि है जहां उन्होंने देह से विदेह होने की यानी निर्वाण यात्रा की है और इसी भूमि पर उनका दाह-संस्कार हुआ। आज वही भूमि 'वात्सल्य पीठ' के रूप में एक ऐसे जीवंत तीर्थ में परिवर्तित हो चुकी है, जहाँ हर कण में वात्सल्य की मधुरता और साधना की गंभीरता अनुभव की जा सकती है। यहाँ का वातावरण मानो स्वयं बोलता है, यहाँ शांति केवल शब्द नहीं, बल्कि अनुभूति है, यहाँ अध्यात्म केवल विचार नहीं, बल्कि जीवन का साक्षात् स्पर्श है। इस स्थल पर पहुंचकर ऐसा लगता है कि जीवन की समस्त अशांति, व्याकुलता और तनाव धीरे-धीरे विलीन हो रहे हैं और आत्मा अपने वास्तविक स्वरूप की ओर लौट रही है।

'वात्सल्य पीठ' की संरचना और सज्जा भी अपने आप में अत्यंत अद्वितीय और आकर्षक है। इसकी वास्तुकला में आधुनिकता और आध्यात्मिकता का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है। खुले आकाश की ओर उन्मुख इसकी रचना, प्राकृतिक प्रकाश के लिए बनाए गए स्काईलाइट्स, स्वच्छ वायु के संचार के लिए संतुलित वेंटिलेशन, और सादगी में निहित गरिमामयी भव्यता-ये सभी तत्व इसे एक सजीव ध्यान-स्थली का रूप प्रदान करते हैं। यहाँ की प्रत्येक दीवार, प्रत्येक मार्ग और प्रत्येक कोना जैसे एक मौन संदेश देता है कि जीवन का उद्देश्य बाहरी चकाचौंध में नहीं, बल्कि आंतरिक प्रकाश की खोज में है। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' का शाश्वत मंत्र यहाँ की संरचना में साकार रूप से अनुभव किया जा सकता है। इसकी सज्जा कृत्रिम आडंबर से दूर, सहज और सात्विक है, जो साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा के व्यक्तित्व की ही तरह निर्मल, शांत और प्रभावशाली प्रतीत होती है।

साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा का व्यक्तित्व अपने आप में एक विलक्षण प्रेरणा है। वे केवल एक साध्वी नहीं थीं, बल्कि वात्सल्य की मूर्ति, ज्ञान की गंगा और सृजन की सजीव सरस्वती थीं। अल्पायु में ही आचार्य तुलसी के सान्निध्य में दीक्षित होकर उन्होंने अपने जीवन को साधना, सेवा और सृजन के लिए समर्पित कर दिया। मात्र 17 वर्ष की आयु में उन्होंने जिस आध्यात्मिक पथ का वरण किया, वह आगे चलकर एक विराट साध्वी संघ के संचालन और मार्गदर्शन तक पहुँचा। लगभग सात सौ से अधिक साध्वियों के विशाल परिवार का नेतृत्व करना अपने आप में एक अद्भुत उपलब्धि है और यह तब और भी विशिष्ट हो जाता है जब उसमें अनुशासन के साथ-साथ वात्सल्य और संवेदना का संतुलन भी बना रहे। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि नारी केवल करुणा और ममता की प्रतीक नहीं, बल्कि संगठन, नेतृत्व और सृजन की भी अद्वितीय शक्ति है। उनका जीवन एक दीपशिखा की भांति था, जो स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश प्रदान करती रही। उनकी वाणी में ओज, विचारों में गहराई और आचरण में ऐसी पवित्रता थी, जो हर व्यक्ति को प्रभावित और प्रेरित करती थी। वे केवल आध्यात्मिक साधना तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि साहित्य, शिक्षा और सामाजिक चेतना के क्षेत्र में भी उन्होंने उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने अनेक साहित्यिक कृतियों की रचना और संपादन किया तथा आचार्य तुलसी की आत्मकथा 'मेरा जीवन मेरा दर्शन' के संपादन में भी अपनी अद्वितीय प्रतिभा का परिचय दिया। उनकी लेखनी में संवेदनशीलता, अभिव्यक्ति में माधुर्य और चिंतन में गहराई का अद्भुत समन्वय था। वे एक सफल साध्वी, कुशल प्रशासक, प्रभावशाली वक्ता और संवेदनशील कवयित्री के रूप में जानी जाती थीं।

'वात्सल्य पीठ' का निर्माण केवल एक स्मारक के रूप में नहीं किया गया है, बल्कि इसे एक जीवंत आध्यात्मिक केन्द्र के रूप में विकसित किया गया है। यह स्थान आने वाले समय में एक ऐसे तीर्थ के रूप में प्रतिष्ठित होगा, जहाँ न केवल श्रद्धालु, बल्कि जीवन में शांति-दिशा की खोज करने वाला प्रत्येक व्यक्ति आकर्षित होगा। यहाँ आने वाला हर व्यक्ति अपने भीतर एक नई ऊर्जा, एक नई सकारात्मकता और एक नए संकल्प का अनुभव करेगा। यह स्थान व्यक्ति को स्वयं से जोड़ता है और यही जुड़ाव उसे समाज, संस्कृति और मानवता के प्रति अपने दायित्वों का भी बोध कराता है।

शासन माता साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा का संपूर्ण जीवन वात्सल्य की ऐसी निर्मल धारा था, जिसने न केवल तेरापंथ साध्वी संघ को, बल्कि जन-जन के अंतर्मन को भी स्नेह, करुणा और आत्मीयता से आप्लावित किया। उनके व्यक्तित्व में वात्सल्य केवल एक गुण नहीं, बल्कि एक जीवंत चेतना थी, एक ऐसी करुणामयी ऊर्जा, जो हर मिलने वाले को अपनेपन के आलोक में भर देती थी। वे अनुशासन की अधिष्ठात्री होते हुए भी ममता की मूर्ति थीं, उनके सान्निध्य में कठोरता भी कोमलता में बदल जाती थी। उन्होंने सैकड़ों साध्वियों का नेतृत्व केवल व्यवस्था से नहीं, बल्कि माँ की तरह स्नेहिल संरक्षण देकर किया और यही कारण था कि उनके व्यक्तित्व में 'शासन' और 'माता' का अद्भुत संगम साकार हुआ। उनके प्रेम, संवेदना और वात्सल्य की असीम अनुकम्पा से अनगिनत जीवन स्पर्शित, परिवर्तित और आलोकित हुए। इसी वात्सल्य-रस से आप्लावित उनके जीवन की स्मृतियों को सहेजने के लिए 'वात्सल्य पीठ' नाम पूर्णतः सार्थक और उपयुक्त प्रतीत होता है, क्योंकि यह केवल एक स्मारक नहीं, बल्कि उस दिव्य मातृत्व, उस अनंत करुणा और उस जीवनदायी स्नेह का प्रतीक है, जिसे साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा ने अपने जीवन के प्रत्येक क्षण में जिया और जन-जन तक पहुँचाया।

आज के समय में, जब भौतिकता और प्रतिस्पर्धा की अंधी दौड़ में मनुष्य अपने भीतर की शांति और संतुलन खोता जा रहा है, ऐसे में 'वात्सल्य पीठ' जैसे केन्द्र अत्यंत आवश्यक हो जाते हैं। यह हमें स्मरण कराता है कि जीवन का वास्तविक सुख बाहरी उपलब्धियों में नहीं, बल्कि आंतरिक संतुलन और आत्मिक उन्नति में निहित है। साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा जी का जीवन इसी सत्य का सजीव उदाहरण है। उन्होंने अपने जीवन के माध्यम से यह संदेश दिया कि साधना से आत्मा का उत्थान होता है, सेवा से समाज का निर्माण होता है और सृजन से संस्कृति का संवर्धन होता है। 'वात्सल्य पीठ' इसी त्रिवेणी-साधना, सेवा और सृजन का साकार रूप है। यह स्थान न केवल अतीत की गौरवगाथा को संजोए हुए है, बल्कि भविष्य के लिए भी एक प्रेरणास्रोत है। यहाँ की हर ईंट, हर पत्थर और हर संरचना में साध्वीप्रमुखा कनकप्रभाजी के जीवन मूल्यों की झलक दिखाई देती है। यह स्थल उनके व्यक्तित्व का प्रतिबिंब ही नहीं, बल्कि उनके विचारों और साधना का जीवंत विस्तार है।

निस्संदेह, आने वाले समय में 'वात्सल्य पीठ' एक ऐसे तीर्थ के रूप में प्रतिष्ठित होगा, जहाँ से शांति, करुणा और आध्यात्मिकता की किरणें चारों ओर फैलेगी। यह स्थान जन-जन को यह प्रेरणा देगा कि जीवन की सच्ची यात्रा बाहर नहीं, भीतर की ओर होती है, और उसी यात्रा में आत्मा को उसका वास्तविक आनंद, शांति और मुक्ति का अनुभव प्राप्त होता है। वास्तव में, 'वात्सल्य पीठ' केवल एक स्थान नहीं, बल्कि एक अनुभूति है-एक ऐसी अनुभूति, जो मन को शांत करती है, आत्मा को जागृत करती है और जीवन को सार्थक बनाती है। यहाँ आकर हर व्यक्ति यही अनुभव करेगा कि जब जीवन में वात्सल्य, करुणा और साधना का संगम होता है, तभी जीवन अपने वास्तविक अर्थ को प्राप्त करता है। यही इस दिव्य स्थल की सबसे बड़ी उपलब्धि और विशेषता है।

-ललित गर्ग

लव जिहादः एक गहरी साजिश या हमारी सांस्कृतिक उपेक्षा?

आज के दौर में समाचार पत्रों और न्यूज़ चैनलों पर लव जिहाद एक निरंतर चर्चा का विषय बना हुआ है। प्रश्न यह उठता है कि इस सोच की उत्पत्ति आखिर हुई कैसे? प्रेम के मार्ग से सब कुछ संभव है–यह धारणा रातों-रात पैदा नहीं हुई। सत्य तो यह है कि यह कोई तात्कालिक घटना नहीं, बल्कि वर्षों से नियोजित एक सुविचारित योजना है, जिसे हम समय रहते समझ नहीं पाए।

इस योजना का सूत्रपात फिल्मों के माध्यम से हुआ। यदि हम अतीत पर दृष्टि डालें, तो एक वह समय था जब हिंदी फिल्म जगत में हिंदू कलाकारों का वर्चस्व था। उस काल में सामाजिक और सांस्कृतिक स्थितियाँ भिन्न थीं। किंतु, जैसे ही सिनेमा जगत में एक विशेष समुदाय के कलाकारों–शाहरुख खान, आमिर खान, सलमान खान और सैफ अली खान–का युग आया, दर्शकों की मानसिकता बदलने लगी।

इन कलाकारों को परदे पर अत्यंत चॉकलेटी और रोमांटिक प्रेमी के रूप में प्रस्तुत किया गया। इसके विपरीत, अजय देवगन और अक्षय कुमार जैसे कलाकारों की छवि केवल मारधाड़ और एक्शन हीरो तक सीमित कर दी गई। परिणाम स्वरूप, युवा मन में यह धारणा घर कर गई कि वे कलाकार अधिक संवेदनशील और प्रेम करने वाले हैं। फिल्मों के इसी काल्पनिक चित्रण का सहारा लेकर वास्तविक जीवन में भी प्रेम को एक जाल की तरह बिछाया गया, जिसमें युवतियां सरलता से उलझती चली गईं।

इस समस्या की जड़ें केवल बाहरी आक्रमण में नहीं, बल्कि हमारे अपने सांस्कृतिक कटाव में भी हैं। आज से 25-30 वर्ष पूर्व, हिंदू परिवारों में रामायण, महाभारत और शिव-पार्वती जैसे पौराणिक धारावाहिकों को देखने और उन पर चर्चा करने की परंपरा थी। बुजुर्गों के अनुभवों और धर्म चर्चा से बच्चों के मन में अपने मूल्यों के प्रति एक रक्षा कवच बना रहता था। लेकिन आधुनिकता की दौड़ में आज के हिंदू बच्चे अपने धर्म और संस्कृति के बारे में सुनना भी पसंद नहीं करते। जब उन्हें जागरूक करने का प्रयास किया जाता है, तो वे इसे पुराने विचार थोपना मानकर अपनों को ही भला-बुरा कहना शुरू कर देते हैं। धर्म का ज्ञान न होने के कारण, अन्य मतों के लोग उन्हें आसानी से भ्रमित कर लेते हैं। यहाँ तक कि धर्म परिवर्तन करने वाले लोग भी अपनी ही मूल संस्कृति के विरुद्ध दुष्प्रचार करने लगते हैं।

वर्तमान सामाजिक परिवेश और मीडिया की भूमिका- आज सार्वजनिक स्थानों जैसे मेट्रो और बाजारों में यह अंतर स्पष्ट दिखता है। जहाँ अन्य समुदायों के बच्चे अपने धार्मिक प्रतीकों और ग्रंथों के प्रति समर्पित रहते हैं, वहीं हमारे युवा अत्यधिक उदारवाद के भ्रम में वास्तविकता से आँखें मूँदे हुए हैं। समाचारों और सोशल मीडिया पर निरंतर चेतावनियाँ दी जा रही हैं, किंतु एक बड़ा वर्ग तब तक सचेत नहीं होता जब तक वह स्वयं संकट में न फँस जाए।

पीके जैसी फिल्मों का उदाहरण हमारे सामने है, जहाँ हिंदू आस्थाओं का उपहास उड़ाया जाता है और पड़ोसी देशों या अन्य समुदायों के प्रेम को महिमामंडित किया जाता है। विडंबना यह है कि आज डिजिटल मंच और सर्च इंजन भी इन संवेदनशील विषयों को काल्पनिक या मनगढ़ंत बताकर प्रस्तुत करते हैं, जो सत्य की खोज करने वालों को और अधिक भ्रमित करता है।

वर्तमान में जिस प्रकार की घटनाएँ समाज के सामने आ रही हैं, वे चिंता का विषय हैं। हाल ही में टीसीएस जैसे बड़े संस्थानों से जुड़े मामलों ने समाज को झकझोर कर रख दिया है, फिर भी यह देखने में आ रहा है कि युवा वर्ग अभी भी पूरी तरह जागरूक नहीं हो रहा है। आज का युवा अक्सर वास्तविकता से दूर एक काल्पनिक दुनिया में जी रहा है, जहाँ वह ठोस तथ्यों के बजाय भावनाओं के आधार पर निर्णय लेता है।

सोशल मीडिया और इन्फ्लुएंसर्स का प्रभाव - आज के दौर में सोशल मीडिया और रील्स का प्रभाव युवाओं पर बहुत गहरा है। कई प्रभावशाली व्यक्ति अपनी प्रस्तुति के माध्यम से एक ऐसा नैरेटिव पक्ष खड़ा करते हैं, जो युवाओं को भ्रमित कर सकता है। अक्सर मेरा वाला अलग है जैसी मानसिकता को बढ़ावा दिया जाता है, जो कई बार कड़वी वास्तविकता की अनदेखी करने जैसा होता है। इस तरह के उदाहरण समाज के सामने एक गलत मिसाल पेश करते हैं और युवाओं को तर्कसंगत होने के बजाय भावुक बना देते हैं।

समाज में यह स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि अन्य समुदायों के युवा अपने धर्म, संस्कृति और परंपराओं को लेकर अत्यंत सजग और संगठित रहते हैं। इसके विपरीत, हिंदू युवा वर्ग को भी अब अपनी सांस्कृतिक विरासत और जड़ों के प्रति गंभीर होने की आवश्यकता है। केवल आधुनिकता की दौड़ में शामिल होकर अपनी पहचान को भुला देना किसी भी समाज के लिए हितकारी नहीं है। ठीक है भारत सर्व धर्म समभाव वाला देश है। सबको अपनी-अपनी धार्मिक मान्यताओं को मानने और पालन करने की पूरी आजादी है। लेकिन यह भी उतना ही कटु सत्य है कि कुछ अवांछित व शरारती तबकों द्वारा अन्य सर्वमान्य धर्म के विरुद्ध अवांछित टीका टिप्पणी की जाती है। जिस पर नितांत अंकुश आवश्यक है।

लव जिहाद केवल एक शब्द नहीं, बल्कि एक चेतावनी है। जब तक संपूर्ण हिंदू समाज वैचारिक और सांस्कृतिक रूप से संगठित नहीं होगा, तब तक ऐसी योजनाएँ सफल होती रहेंगी। शत्रु हमारी आपसी फूट और अज्ञानता का लाभ उठा रहे हैं। यह समय है कि हम अपनी गौरवशाली विरासत को पहचानें और अपनी आने वाली पीढ़ी को केवल साक्षर ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक रूप से शिक्षित भी बनाएँ।

युवाओं के लिए विचारणीय बिंदु- स्वयं की सुरक्षा और विवेक¬ किसी भी रिश्ते या मित्रता में पड़ने से पहले वास्तविकता और तथ्यों की जांच करना अनिवार्य है।

सपनों की दुनिया से बाहर निकलें¬ सोशल मीडिया की चमक-धमक और रील की दुनिया से बाहर आकर धरातल की सच्चाइयों को समझना बेहद जरूरी है।

धर्म और संस्कृति का सम्मान¬ अपनी संस्कृति और इतिहास को जानना केवल परंपरा नहीं, बल्कि अपनी पहचान को सुरक्षित रखने का एक माध्यम है।

अब समय आ गया है कि युवा वर्ग जागृत हो और केवल व्यक्तिगत हितों या भावनाओं के आधार पर नहीं, बल्कि समाज और अपनी संस्कृति के भविष्य को ध्यान में रखते हुए निर्णय ले। जागरूकता ही वह एकमात्र मार्ग है जो युवाओं को किसी भी प्रकार के धोखे या भविष्य के संकट से बचा सकती है।

-विनीता झा

अस्पताल में नहीं गर्मी से निपटने के साधन, घरों से पंखे लाने को मजबूर परिजन

भर्ती मरीजों का गर्मी से हो रहा बुरा हाल, जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। तापमान 42 डिग्री की बाउंड्री पर है और सुबह से लेकर शाम तक पूरा शहर भट्टी की तरह तप रहा है। ऐसे में भी जिला अस्पताल के जिम्मेदारों द्वारा मरीजों को भगवान भरोसे छोड़ रखा है, जिनके पास गर्मी से निपटने तक के साधन नहीं है। नतीजन मरीजों के परिजन अपने घरों से टेबल फेन लाकर गर्मी से राहत पाने का जुगाड़ कर रहे हैं।

पिछले तीन से चार दिनों से आसमान से आग बरस रही है और तापमान 40 से 42 डिग्री के बीच दर्ज किया जा रहा है। गर्मी के चलते दोपहर में लोगों का घर से निकलना किसी सजा से कम नहीं है। उस पर गर्म हवाओं के थपेड़ों से लोगों का बुरा हाल हो रहा है। दिन में ही नहीं बल्कि रात में भी तापमान 23 डिग्री से अधिक पहुंच चुका है। ऐसे में भी जिला अस्पताल द्वारा मरीजों की चिंता नहीं पाली जा रही है। यहां हालात ये हैं कि कई वार्डों के पंखे बंद पड़े हुए हैं जिन्हें अभी तक ठीक नहीं कराया गया है या फिर पर्याप्त मात्रा में यहां पंखे नहीं है। ऐसे में यहां भर्ती मरीजों के परिजन घरों से टेबल फेन लाकर गर्मी से राहत पाने का प्रयास कर रहे हैं। परिजन खुदर बताते हैं कि वार्ड में पंखे नहीं चलने के कारण गर्मी सहन करना मुश्किल हो गया था, इसलिए उन्हें घर से पंखा लाना पड़ा। इस स्थिति ने अस्पताल प्रबंधन की तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। भीषण गर्मी के बीच जरूरी इंतजाम न होने से मरीजों की परेशानी बढ़ती जा रही है।

अभी और तपाएगी गर्मी- शहर में पिछले तीन दिनों से लगातार गर्मी बढ़ रही है। अधिकतम तापमान 41 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया जा रहा है। शुक्रवार सुबह से ही तेज धूप और उमस भरी गर्मी ने लोगों को परेशान किया। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा नजर आया और लोग घरों में ही रहे। लेकिन यह तो बस शुरूआत है। मौसम विभाग की माने तो अभी तापमान में और उछाल आएगा। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि शनिवार से मौसम फिर साफ होगा और गर्मी तेज हो जाएगी। आने वाले दिनों में तापमान 44 से 45 डिग्री तक भी पहुंच सकता है।

अच्छी क्वालिटी में कमियां निकाल रहे अधिकारी

दुपाड़ा सोसायटी में किसानो ने किया हंगामा, बंद की तुलाई

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले की मोहन बड़ोदिया तहसील अंतर्गत ग्राम दुपाडा सोसाइटी में शुक्रवार दोपहर समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के दौरान किसानों ने विरोध प्रदर्शन कर तुलाई बंद करा दी। किसानों का आरोप है कि केंद्र पर मौजूद अधिकारी उनके गेहूं में मिट्टी बताकर तुलाई से मना कर रहे हैं, जबकि उनका कहना है कि फसल पूरी तरह सही है। इस विवाद के चलते खरीदी कार्य कुछ समय के लिए ठप हो गया।

किसानों ने बताया कि करीब 8 ट्रैक्टर गेहूं लेकर केंद्र पर खड़े हैं, लेकिन धूल-मिट्टी का हवाला देकर तुलाई नहीं की जा रही है। किसानों का यह भी कहना है कि सुबह 11 बजे ही अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई थी, लेकिन समय पर कोई जिम्मेदार मौके पर नहीं पहुंचा, जिससे उनका आक्रोश बढ़ गया। मामले की जानकारी मोहन बड़ोदिया जनपद उपाध्यक्ष गोविंद नागर ने मोहन बड़ोदिया तहसीलदार को दी। सूचना मिलने पर जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी देवेंद्र प्रताप शर्मा मौके पर पहुंचे और किसानों को समझाने का प्रयास किया। शर्मा ने बताया कि कुछ गेहूं नान-एफएक्यू श्रेणी का है, जिसमें मिट्टी की मात्रा अधिक है। ऐसे गेहूं की तुलाई से केंद्रों पर रिजेक्शन का खतरा रहता है, जिससे किसानों के भुगतान में समस्या आ सकती है। वहीं तहसीलदार दिव्या जैन ने बताया कि सर्वेयर द्वारा कुछ ट्रालियों को नान-एफएक्यू बताकर रिजेक्ट किया गया है। उन्होंने बताया कि जांच के लिए नायब तहसीलदार मुकेश गुप्ता सहित एक टीम मौके पर भेजी गई है और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। किसानों ने अधिकारियों पर पक्षपात का आरोप भी लगाया है।

पायनिअर पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने किया गौरवान्वित

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान बैरछा रोड़ स्थित पायनियर पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने इस वर्ष बोर्ड परीक्षा में विशेष सफलता हासिल करते हुए विद्यालय का नाम गौरवांवित किया है।

संस्था प्रभारी अंजू शुक्ला ने बताया कि विद्यालय के होनहार विद्यार्थियों ने अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता को बरकरार रखते हुए इस वर्ष भी परीक्षा परिणामों में जो सफलता हासिल की है। वह विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की मेहनत का परिणाम है। यही कारण है कि उत्कृष्ट परिणाम के साथ स्कूल के 12 बच्चों ने विशेष उपलब्धि अर्जित की है। बच्चों की इस उपलब्धि पर संस्था प्राचार्य विमल जैन, संस्था अध्यक्ष वीणा जैन, उपाध्यक्ष मंगल नाहर, सचिव रामकिशन कारपेंटर, कोषाध्यक्ष मुक्ता जैन, संचालक प्रमिला जोशी तथा अमरदीप जैन सहित समस्त शिक्षक - शिक्षिकाओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए सभी को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

इन्होंने की सफलता हासिल- कक्षा 12वीं के घोषित परीक्षा परिणामों के अनुसार अवनी जैन ने 85 प्रतिशत अंक प्राप्त करके विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार प्रियांशी सांवले 82 प्रतिशत, श्रेया व्यास 81 प्रतिशत, प्रियल मालवीय 80 प्रतिशत, प्रणय शर्मा तथा द्रोण पाटीदार 79 प्रतिशत, धीरज टेलर 77 प्रतिशत, पूनम पाटीदार 76 प्रतिशत, अंजली पाटीदार 73 प्रतिशत तथा शुभम कुंभकार ने 71 प्रतिशत अंक प्राप्त करते हुए सफलता प्राप्त की। इसी प्रकार कक्षा दसवीं की होनहार छात्रा अक्षिता परिहार ने 84 प्रतिशत तथा गंगा सोलंकी ने 78 प्रतिशत अंक हासिल करके विद्यालय को गौरवान्वित किया।

मां की कोख में मारी जा रही बेटियां- देवास में मौत का खेल उजागर, पुणे से पकड़ी गई डॉ. चारू तिवारी जेल में; अब कई डॉक्टरों पर शिकंजा कसने की तैयारी

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बेटी बचाओ के नारों के बीच देवास में ऐसा काला सच सामने आया है, जिसने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया है। मां की कोख में ही बेटियों की जिंदगी खत्म करने का यह संगठित खेल अब उजागर होने लगा है। देवास का बहुचर्चित भ्रूण हत्या कांड में मुख्य आरोपी डॉ. चारू तिवारी को महाराष्ट्र के पुणे से गिरफ्तार कर देवास लाया गया, जहां कोर्ट में पेशी के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

कोर्ट में सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने इस पूरे मामले को बेहद गंभीर और संगठित अपराध बताते हुए जमानत का कड़ा विरोध किया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए कोर्ट ने फिलहाल जमानत पर रोक लगा दी।

सिर्फ एक डॉक्टर नहीं, पूरा नेटवर्क शक के घेरे में-

जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे यह मामला और गहराता जा रहा है। शुरुआती संकेत साफ बता रहे हैं कि यह सिर्फ एक डॉक्टर तक सीमित मामला नहीं है।

सूत्रों के मुताबिक, शहर के कई और डॉक्टरों की भूमिका भी जांच के दायरे में है और कुछ संदिग्धों से पूछताछ जारी है।

अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या यह पूरा एक संगठित गिरोह है?

सिविल लाइन रोड स्थित एक प्राइवेट हॉस्पिटल से जुड़ा वीडियो बना टर्निंग पॉइंट

मामले में बड़ा मोड़ तब आया, जब विनायक हॉस्पिटल का एक वीडियो वायरल हुआ। वीडियो सामने आते ही स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सरोजिनी जेम्स के नेतृत्व में टीम ने तुरंत अस्पताल पहुंचकर जांच शुरू की।

अस्पताल के रिकॉर्ड और रजिस्टर खंगाले जा रहे हैं

मशीनों और संदिग्ध गतिविधियों की बारीकी से जांच

इस कड़ी में भी जल्द सख्त कार्रवाई की संभावना

जेल में पहली रात- बेचैनी, तनाव और जागती आंखें

सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तारी के बाद जेल पहुंची डॉ. चारू तिवारी की पहली रात सामान्य नहीं रही।

बताया जा रहा है कि वह पूरी रात सो नहीं पाई और तनाव में लगातार करवटें बदलती रहीं।

आगे क्या ? कई बड़े नाम आ सकते हैं सामने

जांच अब उस मोड़ पर पहुंच चुकी है, जहां हर दिन नए खुलासे होने की संभावना बन रही है।

जानकार मान रहे हैं कि आने वाले दिनों में इस कांड से जुड़े और बड़े नाम सामने आने से इनकार नहीं किया जा सकता।

हर एंगल पर नजर

स्वास्थ्य विभाग और पुलिस इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रहे हैं और हर पहलू पर अपनी नजर बनाए हुए हैं।

रिकॉर्ड, नेटवर्क, संपर्क और संभावित लिंक–हर बिंदु को खंगाला जा रहा है ।

बड़ा सवाल-

क्या देवास में लंबे समय से चल रहा था यह गोरखधंधा.

किन-किन लोगों की भूमिका सामने आएगी?

क्या और अस्पताल भी जांच के दायरे में आएंगे?

यह मामला अब सिर्फ एक गिरफ्तारी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे सिस्टम और समाज पर बड़ा सवाल बनकर खड़ा हो गया है।

आने वाले दिनों में इस कांड की और परतें खुलना लगभग तय माना जा रहा है।

कलेक्टर ने स्वयं भरा ऑनलाइन स्व-गणना फॉर्म

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह ने जिले के नागरिकों से जनगणना कार्य में सक्रिय भागीदारी करने की अपील की है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जिले में जनगणना का कार्य संचालित हो रहा है तथा इसी क्रम में भारत सरकार द्वारा स्वगणना पोर्टल se.census.gov.in प्रारंभ किया गया है। इस पोर्टल के माध्यम से सभी नागरिक घर बैठे ही अपनी जनगणना से संबंधित जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। यह प्रक्रिया सरल, सुरक्षित एवं पूर्णतः गोपनीय है, जिसमें नागरिकों की निजता का विशेष ध्यान रखा गया है। 16 से 30 अप्रैल तक ऑनलाइन स्व-गणना का कार्य होगा। एक से 30 मई तक मकान सूचीकरण होगा। यह प्रक्रिया डिजिटल रूप से होगी। कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह ने नागरिकों से आग्रह किया कि वे स्वगणना पोर्टल का अधिक से अधिक उपयोग करें और स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर जनगणना कार्य में सहयोग प्रदान करें। इससे जनगणना प्रक्रिया अधिक सटीक एवं सुगम बनेगी।

स्व-गणना की सुविधा जनगणना प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस सुविधा के माध्यम से नागरिक बिना किसी फील्ड कर्मी के घर आए, स्वयं ऑनलाइन पोर्टल पर जाकर अपनी जानकारी सुरक्षित रूप से दर्ज कर सकते हैं।

सनातन परंपरा के अनुसार मनाया गया आनंद सिंह राणा का जन्मदिन, सैकड़ों कार्यकर्ता रहे मौजूद

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के प्रमुख कार्यकर्ता आनंद सिंह राणा का जन्मदिन सनातन परंपरा के अनुसार विधि-विधान से मनाया गया। इस अवसर पर धार्मिक अनुष्ठान, पूजन-अर्चन एवं हवन का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन एवं संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में करणी सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष ठाकुर सुरेंद्र सिंह गौड़ सहित शैलेंद्र सिंह गौड़, ठाकुर कैलाश सिंह बेस, सरपंच तूफान सिंह बांगर, शैलेंद्र सिंह चौहान, शैलेंद्र सिंह झाला, नरेंद्र सिंह कुशवाहा, लक्ष्मण सिंह झाला, दिलीप सिंह खींची, अखिलेश पटेल (अध्यापक), धर्मेंद्र सिंह खोखरिया, प्रेस क्लब अध्यक्ष ललित शर्मा, पत्रकार प्रदीप सिंह ठाकुर, पोप सिंह चौहान सहित सैकड़ों लोग शामिल हुए।

इस दौरान सभी उपस्थितजनों ने आनंद सिंह राणा को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। आयोजन में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ सामाजिक एकता और संगठन की मजबूती का संदेश भी दिया गया।

कार्यक्रम में धार्मिक माहौल के बीच श्रद्धा और उत्साह का विशेष वातावरण देखने को मिला।

देवास की बेटियों ने बढ़ाया मान, विधायक निवास पर हुआ सम्मान

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास विधायक गायत्री राजे पवार ने मध्यप्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की 10वीं और 12वीं परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करने वाली प्रतिभाशाली छात्राओं को विधायक निवास पर आमंत्रित कर उनका स्वागत एवं सम्मान किया।

इस अवसर पर विधायक ने छात्राओं से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी सफलता पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि इन बेटियों की मेहनत, लगन और आत्मविश्वास न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणा है।

विधायक गायत्री राजे पवार ने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि ये सभी छात्राएँ भविष्य में और भी ऊँचाइयाँ प्राप्त कर देवास का नाम निरंतर गौरवान्वित करेंगी।

इस अवसर पर परिजनों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में छात्राओं का पुष्पमालाओं एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया।

शून्य रहा इमलीखेड़ा का परीक्षा परिणाम, कई स्कूलों ने किया निराश

बोर्ड रिजल्ट पर शिक्षा विभाग द्वारा बरती जाएगी सख्ती, दिए जा रहे नोटिस

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। हाल ही में घोषित हुए माशिमं के परीक्षा परिणामों में इस बार विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। लेकिन कई स्कूल ऐसे हैं जो अपेक्षाओं पर खतरे नहीं उतरे हैं। जिले के इमलीखेड़ा का परीक्षा परिणाम तो शून्य रहा है। जबकि गत वर्ष यही विद्यालय शत प्रतिशत परिणाम दे चुका है। ऐसा क्यों हुआ इसका कारण जानने शिक्षा विभाग ने कवायद शुरू कर दी है। जिनके द्वारा ऐसे स्कूलों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। जिसके अनुसार समीक्षा की जाएगी और आवश्यकता होने पर कार्रवाई भी की जाएगी।

जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र शिप्रे ने बताया कि जिले के 116 सरकारी स्कूलों की समीक्षा की गई। इसमें 10वीं के लिए न्यूनतम 70प्रतिशत और 12वीं के लिए 80 प्रतिशत परिणाम का लक्ष्य रखा गया था। समीक्षा में पाया गया कि 50 हाई सेकेंडरी स्कूलों में से 40 स्कूल ऐसे हैं, जिनका 10वीं का रिजल्ट इससे कम रहा। वहीं 12वीं कक्षा में 24 स्कूल 80 प्रतिशत के निर्धारित औसत से नीचे रहे हैं। इन सभी स्कूलों को नोटिस जारी कर उनसे कम परिणाम के कारण पूछे जा रहे हैं।

कालापीपल क्षेत्र के इमलीखेड़ा हाई स्कूल ने चौंकाया

सबसे चौंकाने वाला मामला कालापीपल क्षेत्र के इमलीखेड़ा हाई स्कूल का है, जहां 2026 में 10वीं का रिजल्ट जीरो प्रतिशत रहा। जबकि 2025 में यही स्कूल 100 प्रतिशत परिणाम के साथ बेहतर प्रदर्शन कर चुका था। इसके अलावा बिकलाखेड़ी 32.14, बेहरावल 42.31, खड़ी 46.15 और धाराखेड़ी का 47.22 प्रतिशत परिणाम रहा। इनके जैसे कई स्कूलों में भी रिजल्ट में भारी गिरावट दर्ज की गई है।

तीन छात्र प्रदेश की टॉप सूची में- जिले के तीन विद्यार्थियों ने प्रदेश की टॉप-10 सूची में जगह बनाई। शुजालपुर की शैली नेमा ने 12वीं वाणिज्य संकाय में 96.6 प्रतिशत अंक हासिल कर प्रदेश में 8वां स्थान प्राप्त किया। वहीं 10वीं में रानी जैन 9वां स्थान और आशू मीना 10वां स्थान ने भी जिले का नाम रोशन किया है। जिसके चलते इस बार के परीक्षा परिणामो ने जिले को गौरवान्वित किया है। लेकिन जो स्कूल पिछड़े हैं उनके कारण जानने के प्रयास शिक्षा विभाग द्वारा किए जा रहे हैं।

विहिप-बजरंग दल ने बस स्टैंड पर किया प्रदर्शन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्थानीय बस स्टैंड पर विश्व हिन्दू परिषद व बजरंग दल के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान सभी ने धर्मांतरण, लव-जिहाद व अवैध कब्जों पर चिंता जताते हुए इसे लेकर कार्रवाई की मांग की और एसडीएम को ज्ञापन सौंपा।

राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन में कार्यकर्ताओं ने बताया कि देश में बढ़ती सामाजिक और सुरक्षा संबंधी समस्या को तुरंत हल किया जाना चाहिए। इसमें कथित लव जिहाद, अवैध कब्जों, जबरन धर्मांतरण और अन्य सामाजिक गतिविधियों का उल्लेख किया गया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि ऐसी घटनाएं सामाजिक माहौल और सुरक्षा के लिए खतरा बन रही हैं। उन्होंने मांग की कि दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और अवैध कब्जों को हटाया जाए। ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि महिलाओं के साथ होने वाले अपराध, ब्लैकमेलिंग और धर्मांतरण जैसी घटनाओं पर रोक लगाई जाए। साथ ही जनजातीय क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग भी की गई।

पुलिस रही तैनात- प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने पोस्टर और बैनर के जरिए जागरूकता संदेश दिए। पूरा कार्यक्रम शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ और प्रशासन की निगरानी में रहा। हालांकि कार्यक्रम को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। करीब पांच थानों का पुलिस बल मौके पर तैनात रहा, जिससे पूरे क्षेत्र में निगरानी रखी गई।

मानव एकता दिवस सेवा और आध्यात्मिक समरसता का पावन अवसर

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जब मानव हृदय में प्रेम की मधुर धारा अविरल प्रवाहित होती है और आत्मा एकत्व के दिव्य स्पंदन से आलोकिक होती है, तभी मानवता का वास्तविक और पावन स्वरूप प्रकट होता है।

यह वही स्थिति है जहाँ समस्त भेदभाव स्वत विलीन हो जाते हैं और करुणा, समरसता तथा सार्वभौमिक भाईचारे का भाव जीवन्त हो उठता है। इसी दिव्य आध्यात्मिक चेतना को साकार करने हेतु संत निरंकारी मिशन द्वारा बाबा गुरबचन सिंह की पावन स्मृति में मानव एकता दिवस 24 अप्रेल 2026 को श्रद्धा, समर्पण और प्रेममय वातावरण में आयोजित किया जाएगा, जो संपूर्ण मानव जाति को एकत्व, सेवा और सद्भाव का अमूल्य संदेश प्रदान करेगा।

मीडिया सहायक विनोद गज्जर और उज्जैन के मुखी त्रिलोक बेलानी ने बताया कि सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन सान्निध्य में दिल्ली के बुराड़ी स्थित सरोवर के सम्मुख ग्राउंड नं. 2 में एक भव्य एवं दिव्य सत्संग का आयोजन किया जाएगा, जहाँ श्रद्धालु भक्त प्रेम, भक्ति और आध्यात्मिकता के अद्वितीय संगम का अनुभव करेंगे। यह पावन अवसर केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि आत्मिक जागृति का उत्सव होगा, जो प्रत्येक हृदय को ईश्वरीय पकत्व के अनुभव से जोड़ते हुए आंतरिक शांति और संतोष की अनुभूति कराएगा।

इसके साथ ही देश-विदेश की विभिन्न शाखाओं में भी श्रद्धालु भक्त एकत्रित होकर इस दिव्य सत्संग को गहन आत्मिक आाव से साकार करेंगे। इस पावन संगम के माध्यन से हर हृदय प्रेम, शांति और भाईचारे के प्रकाश से आलोकित होगा तथा मानवता की एकसूत्रता का संदेश विश्व भर में प्रसारित होगा। यह पावन दिवस दादा गुरबचन सिंह जी एवं चाचा प्रताप सिंह जी की दिव्य स्मृति को समर्पित है, जिनका सम्पूर्ण जीवन त्याग, समर्पण और निःस्वार्थ सेवा की अद्वितीय मिसाल रहा है। उन्होंने अपने आचरण और विचारों के माध्यम से मानवता को प्रेम, दिनमता और परोपकार का सच्चा मार्ग दिखाया। उनके दिव्य आदर्श आज भी प्रत्येक हृदय में सेवा, भक्ति और एकत्व की ज्योति प्रज्वलित करते हैं, और मानव मात्र को यह प्रेरणा देते है कि सच्ची साधना केवल शब्दों में नहीं, बल्कि निस्वार्थ सेवा, करुण और आपसी भाईचारे के भाव में निहित हैं। दिल्ली के मुख्य आयोजन स्थल पर प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक रक्तदान शिविर गहन श्रद्धा, समर्पण और सेवा-भाव के साथ आयोजित किया जाएगा।

इस पावन सेवा यज्ञ में विभिन्न अस्पतालों के अनुभवी चिकित्सक एवं इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी की समर्पित टीम अपनी विशेषता और करुणा के साथ सेवा प्रदान करेगी, जिससे यह प्रयास मानवता के प्रति संवेदनशीलता का सजीव उदाहरण बनेगा। संत निरंकारी मण्डल के सधिव जोगिन्दर सुडीजा के अनुसार, संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के मार्गदर्शन में आयोजित इन शिविरों में हजारों श्रद्धालु निःस्वार्थ भाव से रक्तदान कर मानव जीवन की रक्षा हेतु अपना अमूल्य योगदान अर्पित करेंगे। यह सेवा न केवल जरूरतमंदों के जीवन में नई आशा का संधार करती है, बल्कि दान करने वाले के हृदय में भी आत्मिक संतोष, शांति और कृतार्थता का दिव्य अनुभव उत्पन्न करती है। उल्लेखनीय है कि संत निरंकारी मिशन रक्तदान के क्षेत्र में सदैय अबणी रहा है जहां 4 दशको से रक्तदान का सफल आयोजन किया जा रहा है। मिशन का स्वयं का बलड बैंक मुम्बई में निरंतर परोपकार और सेवा-आव के साथ अपनी अमूल्य सेवाएं प्रदान कर रहा है। विगत् वर्षो में आयोजित हजारों रक्तदान शिविरों के माध्यम से अनगिनत जीवनों को नया संबल और जीवनदान प्राप्त हुआ है। निःसदेह, यह पुण्य प्रयास सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की दिव्य शिक्षाओं का सजीव एवं प्रेरणादायी प्रतिबिंद है, जो मानव हृदय में प्रेम, एकत्व और सह-अस्तित्व की पावन ज्योति प्रज्वलित करता है। इनकी करुणामयी प्रेरणा प्रत्येक व्यक्ति को यह अनुभूति कराती है कि सच्चा जीवन ही है, जो सेवा, विनम्रता और आपसी सद्भाव के मार्ग पर अरसर हो।

वाहन की टक्कर से घायल वानर को 112 ने दिलवाया उपचार

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नेशनल हाईवे-52 पर शुक्रवार सुबह एक अज्ञात वाहन ने बंदर को टक्कर मार दी। जिससे वह सड़क पर तड़त रहा था। किसी ने इसकी सूचना डायल-112 को दी, जिसके आरक्षक ने बंदर काके अस्पताल पहुंचाया और इसकी सूचना वन विभाग को दी।

घटना सुबह करीब 7 बजे बिजाना जोड़ के पास हुई। हादसे के बाद बंदर सड़क किनारे तड़पता हुआ मिला, जिसके शरीर से खून बह रहा था। घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पायलट राजेंद्र सिकरवार और प्रधान आरक्षक पवन शर्मा ने घायल बंदर को सावधानीपूर्वक एक थैली में रखकर शाजापुर के पशु चिकित्सालय पहुंचाया। वहां डॉक्टरों की टीम ने उसका प्राथमिक उपचार शुरू किया और उसकी स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। इसके बाद इस घटना की जानकारी वन विभाग को भी दे दी है। अधिकारियों के अनुसार बंदर के पूरी तरह स्वस्थ होने तक उसकी देखभाल की जाएगी। स्वास्थ्य लाभ के बाद उसे सुरक्षित रूप से उसके प्राकृतिक आवास, जंगल में छोड़ दिया जाएगा।

ऐतिहासिक कदम, बदनावर नगर परिषद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में प्रस्ताव पारित

33% आरक्षण का स्वागत; जनप्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का जताया आभार

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला सशक्तिकरण की दिशा में देश के बढ़ते कदमों को स्थानीय स्तर पर भी भारी जनसमर्थन मिल रहा है। शुक्रवार को बदनावर नगर परिषद सभागार में आयोजित एक विशेष सम्मेलन में नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। सम्मेलन में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और पार्षदों ने केंद्र सरकार के इस निर्णय की सराहना करते हुए महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण देने के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया।

बैठक की अध्यक्षता कर रही नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती मीना शेखर यादव ने अपने संबोधन में कहा, नारी शक्ति वंदन अधिनियम देश की मातृशक्ति के लिए एक क्रांतिकारी पहल है। इसके लिए हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। यह अधिनियम महिलाओं को केवल राजनीतिक शक्ति ही नहीं देगा, बल्कि उन्हें राष्ट्र के नीति-निर्माण में सक्रिय भागीदार भी बनाएगा।

श्रीमती यादव ने आगे कहा कि लंबे समय से नेतृत्व के अवसरों से वंचित देश की बेटियां अब खुलकर आगे आएंगी और देश के विकास को नई दिशा देंगी। अब समय आ गया है जब महिलाएं घर की दहलीज से बाहर निकलकर प्रशासन और निर्णय लेने की प्रक्रिया में अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज कराएं।

इस अवसर पर अधिनियम के प्रति जन-जागरूकता फैलाने और समर्थन जुटाने के लिए विशेष नंबर 9667173333 पर मिस कॉल अभियान की भी शुरुआत की गई। उपस्थित सभी सदस्यों ने इस अभियान में भाग लेकर नारी शक्ति को नमन किया।

कार्यक्रम के दौरान नगर परिषद उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह पवार, पार्षद भारती राठौड़, जितेंद्र शर्मा, श्रीमती अनीता, डॉ. संतोष चौहान, झन्नू भाई शांतिलाल सीरवी, सुखराम देवड़ा, बबीता चेतन नागल, एल्डरमैन कन्हैया लाल गुर्जर, मितेश शर्मा, कपिल नाहर सहित अनेक जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। साथ ही मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) लालसिंह राठौर ने भी सम्मेलन में भाग लिया। सम्मेलन के अंत में सभी सदस्यों ने एक स्वर में इस अधिनियम को ऐतिहासिक बताते हुए इसके सफल क्रियान्वयन के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

खाचरोद आंगनवाड़ी केन्द्र द्वारा वार्ड 17 एवं 18 में पोषण पखवाड़ा मनाया गया

खाचरोद/ मुरलीदास बैरागी/ दैनिक मालावा हेराल्ड। खाचरोद आंगनवाड़ी केन्द्रों द्वारा अलग-अलग वार्ड में पोषण पखवाड़ा मनाया जा रहा है आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायीयकाओ ने शुक्रवार को वार्ड 17 एवं 18 में गर्भवती धात्री ओर अन्य महिलाओं को आमंत्रित किया गया।जिसमें पर्यवेक्षक सुनीता साहनी भारती और गायत्री द्वारा प्रारंभिक बाल्यावस्था ओर विकास एवं जागरूकता के बारे में समझाइए दी गई पोषण के बारे में महिलाओं को समझाया गया बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए सही पोषण सबसे महत्वपूर्ण है पहले 6 महीने केवल मां का दूध फिर 2 साल तक पौष्टिक ठोस आहार देने के बारे में बताया गया कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता शबाना शाह,सुनीता भाटी तबस्सुम मेव गायत्री माली पूनम सोनी उपस्थित रहे।

खाचरोद में पोषण पखवाड़ा में आंगनबाड़ी केंद्र पर 3 से 6 वर्ष के माता-पिता से किया संवाद

खाचरोद/ मुरलीदास बैरागी/दैनिक मालावा हेराल्ड। खाचरोद में महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना खाचरोद द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र वार्ड क्रमांक 20, 21 पर पोषण पखवाड़े के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र पर 3 से 6 वर्ष के बच्चों को माता-पिता नानी दादी को आमंत्रित कर पोषण भी और पढ़ाई भी के जागरूकता खेल-खेल में शिक्षा प्रारंभिक बाल्यावस्था की देखभाल एवं बच्चों के संपूर्ण विकास पर समझाइए दी गई दादी नानी एवं माता से चर्चा कर आंगनबाड़ी केंद्र पर अपने बच्चों को नियमित भेजना पर जोर दिया तथा आंगनबाड़ी केंद्र में पोषण भी पढ़ाई भी के अंतर्गत खेल-खेल में शिक्षा तथा बच्चों के शारीरिक मानसिक सामाजिक विकास के बारे में भी समझाईश दी गई पोषण पखवाड़ा का कार्यक्रम आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मंजू जून वाल रेनू पटेल रेखा राठौड़ द्वारा किया गया।

बड़ावदा में समाजसेवी सुरेश बेतेड़िया द्वारा ठंडे पानी की प्याऊ का शुभारंभ

बड़ावदा/प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गर्मी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए बड़ावदा के मुख्य मार्गों पर राहगीरों की सुविधा के लिए ठंडे पानी की प्याऊ की व्यवस्था की गई है। यह सराहनीय पहल समाजसेवी सुरेश बेतेड़िया प्रजापत, संभाग प्रभारी, विश्व हिंदू महासंघ मध्य प्रदेश द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी की गई है।

इस पहल का उद्देश्य मार्ग से गुजरने वाले आमजन को शीतल जल उपलब्ध कराना है, ताकि भीषण गर्मी में लोगों को राहत मिल सके। सुरेश बेतेड़िया प्रजापत ने बताया कि यदि नगर या आसपास के अन्य क्षेत्रों में भी मटकों की आवश्यकता हो, तो इच्छुक व्यक्ति उनके निजी कार्यालय पर संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह सेवा पूरी तरह निःशुल्क है और जरूरतमंदों को बिना किसी शुल्क के मटके वितरित किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम के दौरान मंडल अध्यक्ष लोकेश शर्मा को भी मटका भेंट किया गया। इस अवसर पर भेरूलाल गोयल, रमेश चौधरी, भुवन सिंह, निर्मल सिंह, जीवन कुमावत, संजय परिहार, पंकज जायसवाल सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।

मनाली इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल की कक्षा दसवीं के छात्र भविष्य गौर तहसील में प्रथम

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा जारी परीक्षा परिणाम में मनाली इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, आलोट का कक्षा दसवीं का परीक्षा परिणाम श्रेष्ठ रहा कक्षा दसवीं में भविष्य गौर पिता कमलेश गौर ने 96.2% अंक प्राप्त कर आलोट तहसील में प्रथम स्थान प्राप्त किया और कु. यशस्वी व्यास पिता मनीष व्यास ने 92.2% अंक प्राप्त कर कक्षा में द्वितीय स्थान प्राप्त किया साथ ही कु. मंगला पाटीदार 86%, कु. निष्ठा जोशी 81%, कु. जया परमार 80%, कु. रानी लुहार 77%, कु. शाफिन खान 76% प्राप्त किये। कक्षा 8वीं में भी विद्यालय कि छात्रा कु. अलविना खान ने 91% अंक प्राप्त कर आलोट तहसील में प्रथम स्थान प्राप्त किया एवं शीतल मालवीय ने 88% अंक प्राप्त कर तहसील में द्वितीय स्थान प्राप्त किया विद्यालय परिवार सभी बच्चों को शुभकामनाएँ देता है और उनके उज्जवल भविष्य कि कामना करता है सर्वश्रेष्ठ परिणाम ही हमारे विद्यालय का संकल्प है।

विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए बड़ा कदम, हर कॉलेज में काउंसलर जरूरी

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वि?द्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के अनुपालन में जारी इन निर्देशों के अंतर्गत अब सभी शैक्षणिक संस्थानों में काउंसलर की नियुक्ति के साथ कई अन्य व्यवस्थाएं भी अनिवार्य कर दी गई हैं। जारी निर्देशों के अनुसार, जिन संस्थानों में 100 या उससे अधिक वि?द्यार्थी अध्ययनरत हैं, वहां कम से कम एक प्रशिक्षित काउंसलर की नियुक्ति करना अनिवार्य होगा। कम छात्र संख्या वाले संस्थानों को बाहरी विशेषज्ञों से जुडकर काउंसलिंग व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी। काउंसलर के रूप में मनोविज्ञान में स्नातकोतर, प्रशिक्षित मनोवैज्ञानिक, सामाजिक कार्य विशेषज्ञ या संबंधित क्षेत्र के अनुभवी व्यक्ति नियुक्त किए जा सकेंगे। संस्थान में केवल काउंसलर नियुक्ति पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि पूरे संस्थान को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील बनाना आवश्यक है।

गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने की उठी मांग

27 अप्रैल को हजारों गौ-भक्तों की मौजूदगी में सौंपा जाएगा ज्ञापन, गांव-गांव में बैठकें और हस्ताक्षर अभियान जारी

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गौमाता को राष्ट्रीय माता का दर्जा दिलाने और गौ-संरक्षण के लिए कड़े कानून की मांग को लेकर गौ सम्मान आह्वान अभियान अब बदनावर क्षेत्र में एक व्यापक जन-आंदोलन का रूप लेता जा रहा है। अभियान के कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर जाकर आम जनमानस को इस मुहिम से जोड़ रहे हैं। गांव-गांव में पत्रक बांटे जा रहे हैं और हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से एक हजार हस्ताक्षरों का लक्ष्य रखा गया है।

शुक्रवार को अभियान से जुड़े कार्यकर्ताओं ने बदनावर तहसीलदार सुरेश नागर से भेंट की। उन्होंने 27 अप्रैल को दिए जाने वाले ज्ञापन के विषय में अवगत कराया और अनुमति के लिए औपचारिक आवेदन सौंपा। अनुमान लगाया जा रहा है कि ज्ञापन देते समय क्षेत्र के हजारों गौ-सेवक और ग्रामीण उपस्थित रहेंगे।

अहिंसक और गैर-राजनीतिक अभियान है, जिसके मुख्य लक्ष्य गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाना। देश भर में गौ-हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध और गौ-सेवा के लिए सशक्त कानून। गौ-आधारित कृषि और पंचगव्य उत्पादों को बढ़ावा देना। गौशालाओं के विकास और गोवंश संरक्षण के लिए नीतिगत सुधार।

अभियान की सफलता के लिए एक दर्जन से अधिक गांवों में बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। कार्यकर्ता प्रत्येक गांव की टोली के साथ मिलकर रणनीति बना रहे हैं, जिसमें युवा, बुजुर्ग और महिलाएं बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं। इस अभियान में गौ-पालक, गौ-सेवक, साधु-संतों और गौ-प्रेमियों को विशेष रूप से जोड़ा जा रहा है। कार्ययोजना के अनुसार, 27 अप्रैल 2026 और 27 जुलाई 2026 को गौ सम्मान दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इस अवसर पर देश के सभी ब्लॉक और जिला मुख्यालयों के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपे जाएंगे। 27 अप्रैल को सरकार की प्रतिक्रिया के आधार पर जुलाई माह की रणनीति तय की जाएगी। अभियान से जुड़े लोगों ने अपील की है कि गौ-सेवा और सनातन संस्कृति के संरक्षण के लिए अधिक से अधिक संख्या में लोग इस जन-आंदोलन से जुड़ें, ताकि गौमाता को राष्ट्र स्तर पर उचित सम्मान मिल सके।

सफलता का शिखर, काश्यप विद्यापीठ का 10 वीं सी.बी.एस.ई. परिणाम रहा शत-प्रतिशत

19 विद्यार्थियों ने 90% से अधिक अंक लाकर रचा इतिहास

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर की प्रतिष्ठित शिक्षण संस्था काश्यप विद्यापीठ ने एक बार फिर शैक्षणिक उत्कृष्टता का परिचय देते हुए कक्षा 10वीं CBSE बोर्ड परीक्षा में अपना परचम लहराया है। विद्यालय का परीक्षा परिणाम न केवल शत-प्रतिशत (100%) रहा, बल्कि बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने मेरिट सूची में स्थान बनाकर संस्थान का मान बढ़ाया है।

इस वर्ष परीक्षा में कुल 107 विद्यार्थी सम्मिलित हुए थे, जिनमें से 96 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी और शेष 11 विद्यार्थियों ने द्वितीय श्रेणी में सफलता प्राप्त कर विद्यालय की सुदृढ़ शैक्षणिक नींव को प्रमाणित किया। विशेष बात यह रही कि विद्यालय के 19 मेधावी छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। मेधांश सोनी 96.20% (प्रथम), समीक्षा चोरड़िया- 95.60%, भूमिका पाटीदार व हर्ष शर्मा 95.40%, अपेक्षा सिसोदिया 95.20त्न, कृति श्रीश्रीमाल 95.00%, आरुषि पाटीदार व अनय बोकाड़िया 94.60%, आस्था सिसोदिया व हीरक नाहर 94.40%, इसके साथ ही दक्ष राज सिंह पंवार (92.60%), पावनी चंद्रावत (92.60%), रितु मुकाती (92.40%), हिया जैन (92.20%), पार्थ पाटीदार (92.20%), रुपाशी बल्दवा (91.80%), प्राची यादव (91.60%), दिशा जायसवाल (91.00%) एवं अर्पिता सिर्वी (90.00%) ने भी 90% या उससे अधिक अंक प्राप्त किए। विद्यालय के शेष सभी विद्यार्थियों ने 75त्न से अधिक अंक लाकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

अपनी स्थापना के बाद से ही काश्यप विद्यापीठ निरंतर श्रेष्ठ परिणामों के लिए जाना जाता रहा है। प्राचार्य नंदा व्यास ने इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों के कड़े परिश्रम, शिक्षकों के समर्पण और स्कूल ट्रस्टी श्रीमती नीता कश्यप के कुशल मार्गदर्शन को दिया है। श्रीमती कश्यप के मार्गदर्शन में विद्यालय ने एक ऐसा अनुशासित और आधुनिक शैक्षणिक वातावरण तैयार किया है, जहाँ प्रतिवर्ष अंकों का स्तर ग्राफ ऊपर की ओर बढ़ रहा है। इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार ने सभी सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए हर्ष व्यक्त किया है।

विश्व धरोहर दिवस 18 अप्रैल पर विशेष - सारू-मारू की गुफाएं

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सरु मारु एक प्राचीन मठ परिसर और बौद्ध गुफाओं का पुरातात्विक स्थल है। यह तथागत गौतम बुद्ध के शिष्य महामोद्गलायन और सारीपुत्र के समय की हैं। यह स्थल सीहोर जिले के बुधनी तहसील के ग्राम पान गुराड़िया के पास स्थित है। यह स्थल सांची से लगभग 120 किलोमीटर दूर है। इस स्थल में कई स्तूपों के साथ-साथ भिक्षुओं के लिए प्राकृतिक गुफाएं भी हैं। गुफाओं में कई बौद्ध भित्तिचित्र (स्वस्तिक, त्रिरत्न, कलश) पाए गए हैं।

मुख्य गुफा में अशोक के दो शिलालेख पाए गए थे, जो अशोक के संपादकों में से एक है और एक शिलालेख में अशोक के पुत्र महेंद्र की यात्रा का उल्लेख है। अन्य शिलालेख के अनुसार सम्राट अशोक जब विदिशा में निवास करते थे, उस समय उनके द्वारा इस स्थल की यात्रा की गई थी।

सम्राट अशोक के राज्यकाल के पहले की गुफाएं व स्तूप हैं। यहां सम्राट अशोक सम्राट बनने के बाद आए थे, जिसके शिलालेख सांची में सुरक्षित रखे गए हैं। बुधनी का बुद्ध काल में नाम बुद्धनगरी था। बुधनी के पास तालपुरा नामक स्थान पर भी बुद्ध के स्तूप निर्मित हैं। लगभग 50 एकड़ क्षेत्रफल में फैली इसी पहाड़ी में शैल चित्र एवं 25 से अधिक बौद्ध स्तूप हैं। जिनका रख-रखाव और संरक्षण राष्ट्रीय पुरातत्व विभाग द्वारा किया जाता है।

बदनावर को बड़ी सौगात, तिलगारा में 15 करोड़ की लागत से बनेगा भव्य ITI भवन और छात्रावास

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र के युवाओं को हुनरमंद बनाने और रोजगार के नए अवसर प्रदान करने की दिशा में एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पूर्व कैबिनेट मंत्री राजवर्धनसिंह दत्तीगांव के अथक प्रयासों से ग्राम तिलगारा में सर्वसुविधायुक्त आईटीआई भवन, छात्रावास और आवासीय क्वार्टर निर्माण के लिए तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग ने 1501 लाख (15.01 करोड़) रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी कर दी है। स्वीकृत राशि से तिलगारा में आधुनिक सुविधाओं वाला शिक्षण भवन तैयार किया जाएगा, जिसमें मुख्य आकर्षण - इलेक्ट्रिशियन, फैशन डिजाइनिंग, मशीनरी समेत अन्य प्रमुख ट्रेड्स के लिए अत्याधुनिक कार्यशालाएं बनेंगी। प्रशिक्षण के लिए सभी वर्कशॉप में जरूरी मशीनें और उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। यहाँ पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए 30 सीटर बालक छात्रावास और 30 सीटर बालिका छात्रावास का निर्माण होगा। परिसर में कर्मचारियों के लिए 1 नग स्न-टाइप, 2 नग II-टाइप और 4 नग I-टाइप आवासीय क्वार्टरों का निर्माण भी किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में तत्कालीन उद्योग मंत्री राजवर्धनसिंह दत्तीगांव की मांग पर तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने तिलगारा में आईटीआई कॉलेज की घोषणा की थी। वर्तमान में यह कॉलेज गांव के पुराने स्कूल भवन में संचालित हो रहा है। लंबे समय से स्वयं के भवन और छात्रावास की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, जो अब पूरी होने जा रही है। क्षेत्र को यह बड़ी सौगात मिलने पर पूर्व मंत्री दत्तीगांव ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, तकनीकी शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार और कौशल विकास मंत्री गौतम टेटवाल का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इस भवन के निर्माण से क्षेत्र के युवाओं को अपने ही घर के पास तकनीकी शिक्षा का बेहतर वातावरण मिलेगा। उक्त जानकारी भाजपा जिला सह-मीडिया प्रभारी मनोज सोलंकी (कवि) ने देते हुए बताया कि जल्द ही निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

2027: प्रगणकों व पर्यवेक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

बड़ावदा/प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी जनगणना 2027 के प्रथम चरण (मकान सूचीकरण एवं मकान गणना) को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से आयोजित प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुक्रवार को संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में कुल 17 प्रगणकों और 4 पर्यवेक्षकों ने सहभागिता की।

प्रशिक्षण में भरतलाल नागर (सहायक प्राध्यापक, सैलाना) एवं प्रहलाद पाटीदार (उच्च माध्यमिक शिक्षक, बड़ावदा) ने प्रशिक्षक के रूप में मार्गदर्शन दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को मकान सूचीकरण की तकनीकी बारीकियों, मोबाइल ऐप के माध्यम से डिजिटल डाटा प्रविष्टि तथा जनगणना के दौरान आने वाली व्यावहारिक समस्याओं के समाधान के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

फील्ड में कराया गया अभ्यास

प्रशिक्षण के अंतिम दिन प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को फील्ड में ले जाकर व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। इस दौरान वास्तविक परिस्थितियों में जनगणना कार्य की प्रक्रिया समझाई गई, ताकि कार्य के दौरान किसी प्रकार की त्रुटि न हो।

प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों में पर्यवेक्षक अकील एहमद पठान, एस.एल. मालवीय, कृष्णपाल त्रिपाठी, असीम श्रोत्रिय तथा प्रगणक अजय कुमार रावल, सुरेश कुमार व्यास, मुकेश बैरागी, नीता शर्मा, बंशीलाल परमार, रामनारायण पाटीदार, लक्ष्मीनारायण मेहता सहित अन्य शामिल रहे।

प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य जनगणना कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण सटीकता के साथ संपन्न करना है। समापन अवसर पर चार्ज अधिकारी मनोज कुमार शर्मा ने सभी प्रतिभागियों को पूर्ण निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ इस राष्ट्रीय कार्य को सफल बनाने का संकल्प दिलाया।

जैन सोश्यल ग्रुप नागदा द्वारा प्रेमचंद बोहरा का नेत्रदान सम्पन्न हुआ

चार लोगों को रोशनी देकर मानवता की मिसाल बना बोहरा परिवार

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जैन सोश्यल ग्रुप नागदा की प्रेरणा से नगर में आज 60 वां नेत्रदान सम्पन्न हुआ । स्व प्रेमचंद बोहरा के देहावसान पर उनके पुत्र योगेन्द्र बोहरा एवं परिवार की अनुज्ञा पाकर बड़नगर की नेत्रदान टीम द्वारा नेत्रदान करवाया गया । बड़नगर नेत्रदान प्रभारी डॉ जी एल ददरवाल द्वारा नेत्रदान के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारियां प्रदान की गई । जैन सोश्यल ग्रुप नागदा के अध्यक्ष धर्मेन्द्र बंम ने पूरे ग्रुप की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की । अंत में बोहरा परिवार को नेत्रदान का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया ।

इस अवसर पर जैन सोश्यल ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष संजय मुरडिया, उपाध्यक्ष अमित बम, राजा कर्नावट , सचिव प्रशांत नाहर, प्रचार मंत्री पंकज पावेचा, नितिन बुडावन वाला, जितेश भण्डारी, निखिल मेहता, रवि हिंगड़ , मयंक कोचर, मधुलिका नाहर, सलोनी वागरेचा आदि अनेक ग्रुप सदस्य उपस्थित थे ।

देपालपुर में बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल, मीटर रीडरों की मनमानी से उपभोक्ता त्रस्त

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र में बिजली विभाग की लापरवाही और मीटर रीडरों की मनमानी अब खुलकर सामने आने लगी है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि मीटर रीडर वास्तविक रीडिंग लेने के बजाय मनमाने तरीके से यूनिट बढ़ाकर भारी-भरकम बिजली बिल थमा रहे हैं, जिससे आम जनता आर्थिक रूप से परेशान हो रही है। स्थानीय नागरिकों के मुताबिक, कई बार मीटर रीडर बिना सही जांच किए जल्दबाजी में इति श्री कर बिल तैयार कर देते हैं। नतीजा यह होता है कि उपभोक्ताओं को वास्तविक खपत से कहीं अधिक राशि का भुगतान करना पड़ता है। शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो रहा, जिससे लोगों में विभाग के प्रति आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

अधिकारियों की उदासीनता से बढ़ी समस्या- उपभोक्ताओं का कहना है कि विभागीय अधिकारी, विशेषकर सहायक अभियंता (एई) स्तर पर भी इस गंभीर समस्या को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। शिकायत लेकर कार्यालय पहुंचने वाले उपभोक्ताओं को केवल आश्वासन देकर लौटा दिया जाता है, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई सुधार नजर नहीं आता।

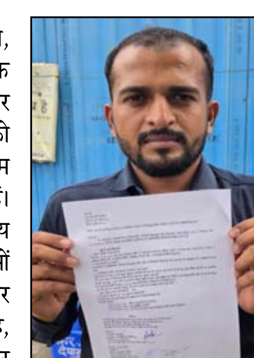

शिकायत के बाद उपभोक्ता को धमकाने का आरोप- मामले ने उस वक्त और तूल पकड़ लिया जब एक उपभोक्ता ने मीटर रीडिंग में गड़बड़ी की शिकायत की। आरोप है कि संबंधित कर्मचारी शुभम सोलंकी शिकायत के बाद उपभोक्ता के घर पहुंच गया और बिना अनुमति घर में प्रवेश कर अभद्र व्यवहार किया। पीड़ित उपभोक्ता के अनुसार, उस समय घर की महिला सदस्य सफाई कार्य में लगी थीं और उपभोक्ता स्वयं ऊपर कपड़े बदलने गया हुआ था। इसी दौरान कर्मचारी जबरन घर में घुस आया। जब उससे बिना अनुमति प्रवेश करने का कारण पूछा गया तो उसने कथित तौर पर बदतमीजी करते हुए कहा कि मेरे पास समय नहीं है, मुझे लोड चेक करना है, जिसे शिकायत करनी है कर दो। इस घटना से उपभोक्ता और उसके परिवार में भय और आक्रोश का माहौल है। पीड़ित ने मामले की शिकायत देपालपुर थाने में दर्ज कराई है।

व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल- इस पूरे घटनाक्रम ने बिजली विभाग की कार्यप्रणाली और निगरानी तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक ओर जहां गलत बिलिंग से उपभोक्ता आर्थिक रूप से परेशान हैं, वहीं शिकायत करने पर उन्हें डराने-धमकाने जैसी घटनाएं सामने आना बेहद चिंताजनक है।

नागरिकों की मांग–सख्त कार्रवाई हो- स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे लापरवाह और अभद्र व्यवहार करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही मीटर रीडिंग और बिलिंग प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाए, ताकि आम उपभोक्ता को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। यदि जल्द ही इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो लोगों का आक्रोश और बढ़ सकता है, जिसका खामियाजा पूरे विभाग को भुगतना पड़ सकता है।

नारी सशक्तिकरण की ओर सशक्त कदम - डॉ कीर्ति पटेल नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत कानूनी अधिकारों पर प्रभावी व्याख्यान आयोजित

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शहिद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. वीणा सत्य के आदेशानुसार प्रभारी डॉ. रणजीत सिंह मेवाडे द्वारा नारी शक्ति वंदन अभियान के अंतर्गत छात्राओं में जागरूकता एवं आत्मविश्वास विकसित करने हेतु कानूनी अधिकारों पर विस्तृत व्याख्यान का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रणजीत सिंह मेवाडे (प्रभारी) द्वारा प्रभावी रूप से किया गया। महिला सशक्तिकरण की संयोजक डॉ. लक्ष्मी वास्केल ने विषय विशेषज्ञ का स्वागत करते हुए उनका परिचय प्रस्तुत किया तथा कार्यक्रम की रूपरेखा से सभी को अवगत कराया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को उनके संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों की जानकारी देकर उन्हें सशक्त बनाना है। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में विधि महाविद्यालय से पधारीं डॉ. कीर्ति पटेल (विधि प्राध्यापिका) मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। अपने प्रभावी एवं प्रेरणादायक व्याख्यान में उन्होंने महिलाओं से संबंधित महत्वपूर्ण कानूनोंकृजैसे घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम, दहेज निषेध अधिनियम एवं कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न से संरक्षणकृपर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने छात्राओं को बताया कि आज के समय में कानूनी जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है, जिससे वे अपने अधिकारों के प्रति सजग रहकर किसी भी अन्याय के विरुद्ध आवाज उठा सकें। डॉ. पटेल ने यह भी कहा कि शिक्षित और जागरूक महिला ही सशक्त समाज की नींव रखती है। उन्होंने छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने, अपने अधिकारों को समझने एवं आवश्यकता पड़ने पर विधिक सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। व्याख्यान के दौरान छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञ द्वारा सरल एवं स्पष्ट उत्तर दिया गया। उक्त कार्यक्रम में डॉ. दिनेश परमार, डॉ. राजमल सिंह राव, डॉ. निर्मला मौर्य, डॉ. कंचन कन्नौजे, डॉ. चंदा यादव, रितु कुमरावत, अर्चना पिपलाज आदि उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्रीमती सिंह ने सेंधवा माइक्रो लिफ्ट इरिगेशन प्रोजेक्ट का किया निरीक्षण

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह शुक्रवार नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण द्वारा जिले की निर्माणाधीन सेंधवा माइक्रो लिफ्ट इरिगेशन प्रोजेक्ट के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति का अवलोकन किया। सर्वप्रथम सेंधवा के ग्राम मोरदड़ में पंप हाउस क्र.6 और तहसील अंजड़ के ग्राम सेगाँव में पंप हाउस क्र.1 के का निरीक्षण किया,जहाँ वर्तमान में निर्माण कार्य प्रगति पर है। यहाँ पंप फ्लोर स्लैब तक का सिविल कार्य पूर्ण हो चुका है। श्रीमती सिंह ने ग्राम मेहतगाँव में चल रहे पाइप लाइन विस्तार कार्य का भी निरीक्षण किया और मौके पर उपस्थित इंजीनियरों से प्रोजेक्ट के तकनीकी पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस सिंचाई परियोजना एक महत्त्वपूर्ण परियोजना हैं जिसका सीधा लाभ क्षेत्र के किसानों को मिलना है, इसलिए निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने के साथ निर्धारित समय सीमा में तीव्र गति से कार्य करने के निर्देश दिए गए। कार्यपालन यंत्री (इंदिरा सागर परियोजना 14, ठीकरी) श्री हितेंद्र पाल ने बताया कि 1402.74 करोड़ की लागत से बनने वाली सेंधवा माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना जिले की महत्वकांक्षी परियोजना हैं जिसका लगभग 50 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है और इस परियोजना को वर्ष 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य है। इस वृहद सिंचाई योजना से जिले के 107 गाँवों की कुल 49,990 हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी। परियोजना के माध्यम से सेंधवा के 68, राजपुर के 29, निवाली के 8 और बड़वानी के 2 गाँव लाभान्वित होंगे, जिसके लिए मोरदड़, झोपाली, धावडी, गोठानिया, बालकुंआ और सेगाँव में कुल 6 पंप हाउसों का निर्माण किया जा रहा है। इस दौरान एसडीएम सेंधवा श्री आशीष, तहसीलदार सेंधवा श्री राहुल सोलंकी सहित विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

24 तारीख़ को बड़वानी में होगा निःशुल्क मोतियाबिंद जांच शिविर

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। लायन श्रीराम यादव ने बताया कि सी.एम.एच.ओ. डॉ सुरेखा जमरे और सिविल सर्जन डॉ मनोज खन्ना के मार्गदर्शन में चौइथराम नेत्र चिकित्सालय इंदौर के सहयोग से दिनांक 24 अप्रैल शुक्रवार को एक निःशुल्क मोतियाबिंद जांच शिविर का आयोजन जिला अस्पताल बड़वानी में किया जा रहा है। लायन राम जाट ने बताया कि शिविर में इंदौर के प्रसिद्ध नेत्ररोग विशेषज्ञ डॉक्टर इस निःशुल्क शिविर में अपनी सेवाएं देंगे।उक्त शिविर में चयनित मरीजों का निःशुल्क लैंस प्रत्यारोपण चोईथराम नेत्र चिकित्सालय इंदौर में किए जायेंगे।

आस्था का महासंगम : नीमच में आदिनाथ जिनालय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की शुरुआत, 24 अप्रैल को भव्य आयोजन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में आस्था, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत संगम इन दिनों देखने को मिल रहा है। स्पेंटा पेट्रोल पंप के समीप नवनिर्मित श्री आदिनाथ जिनालय मंदिर में भव्य प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ शुक्रवार 17 अप्रैल को विधि-विधानपूर्वक हुआ। कुंभ स्थापना, दीपक स्थापना एवं ज्वारारोपण जैसे मंगल अनुष्ठानों के साथ शुरू हुआ यह महोत्सव 25 अप्रैल तक विविध धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। इस महोत्सव का मुख्य आकर्षण 24 अप्रैल को होने वाला प्राण प्रतिष्ठा का भव्य आयोजन रहेगा।

यह संपूर्ण आयोजन श्री आदिनाथ जिनालय एवं जिन कुशल सूरी खरतरगच्छ ट्रस्ट, नीमच के तत्वावधान में दादावाड़ी ट्रस्ट के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। गच्छाधिपति आचार्य भगवंत जिन मणि प्रभ सूरीश्वरजी महाराज के निर्देशन में पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार सभी अनुष्ठान संपन्न हो रहे हैं। साथ ही परम पूज्य डॉ. विद्युत प्रभा श्रीजी महाराज सहित 20-25 साधु-साध्वी भगवंतों के सानिध्य में यह महोत्सव आध्यात्मिक ऊंचाइयों को छू रहा है।

महोत्सव के अंतर्गत 18 अप्रैल को स्नात्र पूजा, भैरव पूजा, क्षेत्रपाल पूजन, 64 योगिनी पूजन, पंच परमेश्वर पूजा सहित अनेक धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे। 19 अप्रैल को गच्छाधिपति गुरुदेव के सानिध्य में नवीन प्रतिमाओं का भव्य नगर प्रवेश एवं संतों का मंगल प्रवेश आयोजित किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

20 अप्रैल को वर्षीतप तपस्वियों का भव्य वरघोड़ा निकाला जाएगा तथा सभा मंडप का उद्घाटन होगा। 21 अप्रैल को च्यवन कल्याणक विधान, माता-पिता स्थापना और 14 स्वप्न दर्शन जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक कार्यक्रम होंगे। 22 अप्रैल को जन्म कल्याणक विधान, 56 दिक्कमारी महोत्सव एवं सायंकाल आदिनाथ भगवान और गुरुदेव वंदना का आयोजन किया जाएगा।

23 अप्रैल को दीक्षा कल्याणक वरघोड़ा निकलेगा तथा महावीर जिनालय विकास नगर में वार्षिक ध्वजा चढ़ाई जाएगी। इसी दिन रात्रि में अंजनशलाका महाविधान का विशेष आयोजन भी होगा।

24 अप्रैल को प्रातः शुभ मुहूर्त में मुख्य प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव संपन्न होगा, जिसमें भगवान आदिनाथ के साथ शंखेश्वर पार्श्वनाथ, नाकोड़ा पार्श्वनाथ, भगवान महावीर स्वामी, गौतम स्वामी, पद्मावती माता, चक्रेश्वरी माता एवं नाकोड़ा भैरव की प्रतिमाओं की विधिवत स्थापना की जाएगी। इसके साथ ही दादावाड़ी में चारों दादा गुरुदेवों की प्रतिमाएं भी विराजित की जाएंगी।

नवनिर्मित जिनालय परिसर को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है, जिसमें विशाल सभा मंडप, गुरु मंदिर, आराधना भवन, प्रवचन कक्ष एवं कार्यालय कक्ष का निर्माण शामिल है। इस पुनीत कार्य में संघरवी गोवर्धनलाल बाफना, चंद्रराज कोटीफोड़ा, चंद्रप्रकाश छाजेड़, सुनील गोपावत एवं जयवंत कोटीफोड़ा का विशेष योगदान रहा है।

शुक्रवार को जैन भवन में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान जैन संत डॉ. विद्युत प्रभा जी महाराज साहब ने प्राण प्रतिष्ठा के महत्व को बताते हुए इसे आत्मशुद्धि और धर्म जागरण का महान पर्व बताया। इस अवसर पर महोत्सव संयोजक अनिल नागौरी, दादावाड़ी ट्रस्ट अध्यक्ष प्रेम प्रकाश जैन, सचिन राजमल जैन, राहुल जैन सहित अन्य पदाधिकारियों ने आयोजन की विस्तृत जानकारी दी। इस भव्य आयोजन में महाराष्ट्र, पुणे, जयपुर, इंदौर सहित देश के विभिन्न हिस्सों से जैन समाज के श्रद्धालु बड़ी संख्या में नीमच पहुंच रहे हैं। ट्रस्ट मंडल ने सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ लेने और जिन शासन की शोभा बढ़ाने की अपील की है।

निर्माणाधीन लिंक रोड का कलेक्टर ने किया निरीक्षण, गुणवत्ता एवं समयसीमा पर दिए सख्त निर्देश

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने आज नगर में कालिका माता मंदिर से होटल रू2 तक निर्माणाधीन लिंक रोड का स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कविता सिंगार एवं नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री बिट्टू सिंगार भी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने निर्माण कार्य की प्रगति, गुणवत्ता, उपयोग में लाई जा रही सामग्री एवं तकनीकी मानकों का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्य को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किया जाए तथा निर्माण में उच्च गुणवत्ता मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या घटिया निर्माण कार्य पाए जाने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि इस लिंक रोड के निर्माण से शहर में यातायात का दबाव कम होगा तथा ट्रैफिक कंजेशन की समस्या से नागरिकों को राहत मिलेगी। यह मार्ग नगर के विभिन्न हिस्सों को जोड़ते हुए आवागमन को सुगम बनाएगा एवं विकास को नई गति प्रदान करेगा।

इसके पश्चात कलेक्टर ने सर्किट हाउस का निरीक्षण कर परिसर में साफ-सफाई, रख-रखाव एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सर्किट हाउस में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए तथा आगंतुकों के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाएं बेहतर ढंग से उपलब्ध कराई जाएं।

इसके साथ ही कलेक्टर ने बहादुर सागर तालाब का भी निरीक्षण किया। उन्होंने तालाब की स्वच्छता एवं जल संरक्षण की दृष्टि से आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने तालाब में स्थित टापू को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की संभावनाओं पर कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि इसे आकर्षक एवं सुव्यवस्थित बनाया जाए, जिससे स्थानीय स्तर पर पर्यटन को बढ़ावा मिल सके।

उन्होंने आगे निर्देश दिए कि टापू तक पहुंच सुनिश्चित करने हेतु तालाब में नौका (बोट) सुविधा प्रारंभ की जाए, जिससे पर्यटकों के लिए यह स्थान और अधिक आकर्षक बन सके। साथ ही उन्होंने संबंधित विभागों को इस दिशा में समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे निर्माण एवं विकास कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को इन कार्यों का अधिकतम लाभ प्राप्त हो सके।

इस दौरान सहायक कलेक्टर श्री आशीष कुमार, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री महेश मण्डलोई, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री मिलन पटेल एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

संस्था की पूर्व छात्रा की उपलब्धि को बनाया प्रेरणा, जो सपने देखे-लगन से पूरे किए

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। सफलता की यह कहानी ग्राम पाल्या कि निवासी और जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भवती की एक प्रतिभाशाली छात्रा लक्ष्मी विक्रम कनासे के बारे में है जिसने ÷जहां चाह, वहां राह÷ कहावत को चरितार्थ करते हुए जिला प्रावीण्य सूची में स्थान सहित निःशुल्क स्कूटी, लैपटॉप के सपने को सच कर दिखाया । भविष्य को लेकर लक्ष्मी का एक संकल्प है कि वह एक सफल कृषि वैज्ञानिक बने और देश व समाज की सेवा करे । लक्ष्मी; मुख्यमंत्रीजी श्री मोहन यादव को विशेष धन्यवाद देते हुए कहती है कि उनकी निःशुल्क स्कूटी, लैपटॉप योजनाओं ने उसे सपने देखने हेतु प्रेरित किया और यह उपलब्धि उन सपनों का ही प्रतिफल है। लक्ष्मी एक साधारण एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से आती हैं। उनके पिताजी मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं, जबकि माता छोटी सी खेती संभालती हैं। इन विपरीत परिस्थितियों के बावजूद लक्ष्मी ने अपने परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प से कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में 92.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर न केवल विद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया, बल्कि बड़वानी जिले की प्रावीण्य सूची में कृषि संकाय में प्रथम स्थान हासिल कर पूरे जिले को गौरवान्वित किया है। लक्ष्मी के अनुसार, भवती विद्यालय का वातावरण अत्यंत आत्मीय और प्रेरणादायक है। यहां के प्राचार्य एवं शिक्षक विद्यार्थियों के साथ एक परिवार सदस्य की तरह व्यवहार करते हैं और उन्हें सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करते हैं। लक्ष्मी ने अपनी सफलता का श्रेय विद्यालय के प्राचार्य श्री असलम खान, कृषि शिक्षक श्री महेश शिंदे तथा शिक्षक श्री शफीक शेख को दिया है। उन्होंने बताया कि शिक्षकों ने मुझे न केवल शैक्षणिक मार्गदर्शन दिया, बल्कि समय-समय पर मेरा आत्मविश्वास भी बढ़ाया। यदि मैं एक-दो दिन विद्यालय नहीं पहुंच पाती थीं, तो शिक्षक स्वयं मेरे घर आकर मुझे विद्यालय लाते थे । अपनी सफलता पर बात करते हुए लक्ष्मी ने कहा विद्यार्थियों से मेरा यही कहना है कि अपने गुरुजनों का आदर करें एवं उनके मार्गदर्शन में कार्य करें, मैंने भी यही किया है।

धूप में तिल-तिल जलती रही ज़िंदगी, छत पर पड़ी रही इंसानियत, कंकाल बनी पत्नी मिली

वीडियो क्लिप ने खोली घर की भयावह हकीकत, 4-5 साल से दुनिया से कटी थी महिला

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। यह सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि रिश्तों,जिम्मेदारियों और इंसानियत पर लगा ऐसा दाग है, जिसे देखकर हर संवेदनशील व्यक्ति का दिल कांप उठे। शहर के इंदिरा नगर स्थित भगवानपुरा रोड पर गुरुवार को जो मंजर सामने आया, उसने यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि क्या कोई इंसान इतना निर्दयी भी हो सकता है...?

एक घर की छतज्आसमान से बरसती आग-करीब 40 डिग्री की झुलसा देने वाली गर्मीज्और उस तपती छत पर टूटी खाट पर पड़ी एक महिला न शरीर पर कपड़े,न आसपास कोई देखभालज बस एक गंदा सा चद्दर,और उसके भीतर सिमटी हुई एक बुझती हुई जिंदगी।

यह दृश्य तब सामने आया,जब सिटी पुलिस,महिला एवं बाल विकास विभाग और सामाजिक कार्यकर्ताओं की टीम ने एक गोपनीय सूचना और वायरल वीडियो क्लिप के आधार पर अजीत सोनी के मकान पर छापेमार कार्रवाई की।

जैसे ही टीम छत पर पहुंची,वहां का दृश्य देखकर सभी स्तब्ध रह गए। महिला की हालत इतनी खराब थी कि वह कंकाल जैसी नजर आ रही थी। शरीर कमजोर,आंखों में खालीपन,और चारों ओर फैली गंदगीज मानो महीनों से उसे इंसानी देखभाल नसीब ही न हुई हो।जब अधिकारियों ने उसे आवाज दी, तो उसने बहुत धीमी आवाज में सिर्फ एक शब्द कहा–खाना- यह शब्द वहां मौजूद हर व्यक्ति के दिल में चुभ गया। वह भूख से तड़प रही थी। टीम ने तुरंत उसे खाना और पानी दिया। उस वक्त का दृश्य इतना मार्मिक था कि कई लोगों की आंखें नम हो गईं।जांच में पता चला कि यह महिला कोई और नहीं, बल्कि उसी घर में रहने वाले अजीत सोनी की पत्नी,करीब 40 वर्षीय सीमा सोनी है। सवाल यह है कि आखिर एक पत्नी अपने ही घर में इस हालत तक कैसे पहुंच गई...?

छत पर खुले आसमान के नीचे, बिना कपड़ों के, गंदगी के बीच पड़ी सीमा की हालत यह बता रही थी कि यह कोई एक-दो दिन की लापरवाही नहीं,बल्कि लंबे समय से चली आ रही अनदेखी और उपेक्षा का परिणाम है।

पड़ोसियों ने सुनाई चुप्पी की कहानी-आसपास रहने वाली महिलाओं ने बताया कि सीमा कभी बेहद सामान्य और खुशमिजाज महिला थी। वह घर का काम करती थी, लोगों से बातचीत करती थी,और मोहल्ले में उसकी अच्छी पहचान थी।जब उसकी सास जिंदा थी, तब तक सब ठीक थाज लेकिन उसके बाद धीरे-धीरे वह गायब सी हो गई, एक पड़ोसी महिला ने बताया।पिछले 4ङ्क5 वर्षों से किसी ने उसे घर के बाहर नहीं देखा। न किसी ने उसकी आवाज सुनी, न उसकी मौजूदगी महसूस की।

हमें लगता था कि वह कहीं चली गई होगीज्पड़ोसियों ने दुख जताते हुए कहा।

पति की दलील,लेकिन हालात सवाल खड़े करते हैं- पति अजीत सोनी ने सफाई देते हुए कहा कि सीमा कई सालों से डिप्रेशन से पीड़ित है और उसका इलाज भी कराया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि मकान में निर्माण कार्य चल रहा था,इसलिए उसे कुछ समय के लिए छत पर लिटाया गया था।लेकिन जो दृश्य सामने आया, वह इस दलील से कहीं ज्यादा भयावह था। सवाल यह उठता है कि अगर महिला बीमार थी, तो क्या उसकी देखभाल का यह तरीका उचित था...?

क्या मानसिक बीमारी किसी को इस तरह खुले आसमान के नीचे, बिना कपड़ों के,भूखा-प्यासा छोड़ देने का कारण बन सकती है...?

प्रशासन ने किया रेस्क्यू,अब जांच पर निगाहें - सिटी थाना प्रभारी पुष्पा चौहान, महिला एवं बाल विकास विभाग की परियोजना अधिकारी दीपिका नामदेव और उनकी टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए महिला को रेस्क्यू किया और जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया।अधिकारियों का कहना है कि महिला की हालत बेहद गंभीर और दयनीय थी। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि उसकी लंबे समय से उचित देखभाल नहीं की जा रही थी।

महिला एवं बाल विकास विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि परिजन उसकी देखभाल करने में असमर्थ या लापरवाह पाए जाते हैं,तो विभाग स्वयं उसकी देखभाल की व्यवस्था करेगा। साथ ही,दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई भी की जाएगी।

समाज के लिए एक कड़वा आईना- यह घटना सिर्फ एक परिवार की कहानी नहीं है,बल्कि समाज के लिए एक आईना है।कहीं न कहीं यह सवाल हम सभी से भी है–क्या हमने अपने आसपास की खामोश चीखों को अनसुना कर दिया है?

एक महिला,जो कभी हंसती-बोलती थी, आखिर कैसे इस हालत तक पहुंच गईज और किसी को भनक तक नहीं लगी?

क्या हम इतने व्यस्त हो गए हैं कि किसी की पीड़ा हमें दिखाई ही नहीं देती...?

इनका कहना- सूचना और वीडियो क्लिप मिलने के बाद टीम मौके पर पहुंची। महिला की हालत बेहद दयनीय थी, उसके शरीर पर कपड़े तक नहीं थे और वह गंदे चद्दर में ढकी हुई थी। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि उसकी देखभाल नहीं हो रही थी। उसे तत्काल अस्पताल भेजा गया है और पूरे मामले की जांच प्रशासन द्वारा की जा रही है।

-मीनू लालवानी,सामाजिक कार्यकर्ता

पुलिस और महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर महिला का रेस्क्यू किया। वह खुले छत पर अत्यंत खराब स्थिति में मिली। पति के अनुसार महिला डिप्रेशन में थी, लेकिन उसकी हालत कई गंभीर सवाल खड़े करती है। जांच के बाद यदि कोई दोषी पाया जाता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल महिला का इलाज जारी है।

-दीपिका नामदेव,परियोजना अधिकारी व वन स्टॉप सेंटर प्रशासक,महिला एवं बाल विकास विभाग

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

आधा दर्जन इलाकों में चौड़ीकरण बना आफत

कहीं टूटी हुई पाइपलाइन तो कहीं कीचड़ और गंदगी से लोग बेहाल

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कोयला फाटक से कंठाल, बियाबानी से लेकर तेलीवाड़ा तथा ढाबा रोड पर चल रहा सड़क चौड़ीकरण का काम इन दिनों परेशानी का कारण बन गया है। जहां एक ओर सड़क को चौड़ा करने की कवायद चल रही है, वहीं दूसरी ओर क्षेत्र के रहवासी गंदगी, जलभराव और अव्यवस्था के बीच जीवन गुजारने को मजबूर हैं।

पिछले लगभग 6 महीने से गाड़ी अड्डा से लेकर बियाबानी होते हुए तेलीवाड़ा और कोयला फाटक से लेकर कोतवाली रोड होते हुए कंठाल तक चौड़ीकरण के लिए की गई खुदाई ने हालात बिगाड़ दिए हैं। वहीं हाल ही में ढाबा रोड क्षेत्र और इससे पहले नीलगंगा क्षेत्र में कई जगहों पर पानी की पाइपलाइन टूट चुकी है, जिससे सड़कों पर गंदा पानी बह रहा है। नालियों का पानी जमा होने से बदबू फैल रही है और मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रोजाना की आवाजाही अब जोखिम भरी हो गई है, खासकर बच्चों और बुजुर्गों के लिए।

काम की धीमी गति ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। सड़क किनारे निर्माण सामग्री के ढेर लगे हैं, जिससे रास्ते संकरे हो गए हैं और वाहनों का आवागमन बाधित हो रहा है। कई बार लोग फिसलकर गिर भी रहे हैं। स्थिति को और गंभीर बना रही हैं आसपास की जर्जर इमारतें। चौड़ीकरण के दौरान कई मकानों को आंशिक रूप से तोड़ा गया है, जिससे उनकी नींव कमजोर हो गई है। रहवासियों को डर है कि ये इमारतें कभी भी गिर सकती हैं और बड़ा हादसा हो सकता है।

कोयला फाटक से लेकर निजातपुरा होते हुए कंठाल चौराहे तक कथा ढाबा रोड क्षेत्र के लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ घरों की पाइपलाइन टूटने से गंदा पानी घरों तक पहुंच रहा है, जिससे मजबूरी में दूषित पानी का उपयोग करना पड़ रहा है। हाल ही में दूषित पानी से बीमारियों की घटनाओं ने लोगों की चिंता और बढ़ा दी है। बार-बार शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार विभाग इस ओर गंभीर नजर नहीं आ रहा है।

क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि जल्द से जल्द चौड़ीकरण कार्य को व्यवस्थित तरीके से पूरा किया जाए, टूटी पाइपलाइनों को ठीक किया जाए और जर्जर इमारतों की जांच कर जरूरी कदम उठाए जाएं, ताकि लोगों को राहत मिल सके और संभावित हादसों से बचा जा सके।

सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं को पार्किंग स्थलों पर पर्याप्त सुविधा मिले इस बात का ध्यान रखें - संभागायुक्त श्री सिंह

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ महापर्व 2028 के लिए प्रस्तावित पार्किंग स्थल का निरीक्षण करने के लिए संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह और कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने अधिकारियों के साथ भ्रमण किया। इस दौरान संभागायुक्त ने पार्किंग स्थल के लिए प्रस्तावित जगह का अवलोकन करने के बाद संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सिंहस्थ के लिए बनने वाले पार्किंग स्थानों पर श्रद्धालुओं के लिए सुविधा रहे इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए।

सिंहस्थ महापर्व के दौरान विश्व भर से आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को सुविधा देने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर शहर के प्रमुख मार्गों पर पार्किंग स्थल चयनित किए जा रहे हैं। शुक्रवार को संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह और कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने जावरा, बदनावर, बड़नगर मार्ग की ओर से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहन सुरक्षित रखने के लिए प्रस्तावित पार्किंग स्थानों का निरीक्षण किया। मौके पर जानकारी दी गई कि प्रमुख मार्गों से आने वाले वाहनों को पार्किंग स्थानों पर पार्क करने के बाद श्रद्धालु स्नान के लिए घाट तक और मेला क्षेत्र में जा सकेंगे। पार्किंग स्थलों पर वाहनों के लिए पर्याप्त जगह बनाई जाएगी। जिससे वाहनों को रखने में परेशानी नही हो। संभागायुक्त श्री सिंह ने पार्किंग स्थल की जानकारी लेने के बाद निर्देश दिए है कि सिंहस्थ के दौरान बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों को रखने के लिए जो पार्किंग स्थान तय किए जाएं, वहां सुविधा भी रहे।

महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री भूरिया द्वारा शहर के पहले हैप्पी आंगनवाड़ी केंद्र का अवलोकन किया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन की महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने शुक्रवार को आठवें पोषण पखवाड़ा अभियान के तहत सदावल स्थित स्वेज फार्म आंगनवाड़ी केंद्र का अवलोकन किया और यहां पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुईं।

मंत्री सुश्री भूरिया ने इस अवसर पर कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनसे महिलाओं का सशक्तिकरण हो रहा है तथा उन्हें रोजगार के नए अवसर प्रदान किया जा रहे हैं। महिलाएं गर्भावस्था के दौरान पौष्टिक आहार का सेवन करें ताकि नवजात शिशु स्वस्थ जन्म ले। आंगनवाड़ी केंद्र में कुपोषित बच्चों का विशेष ध्यान रखा जाए। महिलाएं अपने घर पर पौष्टिक मोटे अनाज से निर्मित व्यंजनों को अधिक से अधिक बनाएं और स्वास्थ्यवर्धक व्यंजनों का सेवन करें। बच्चों को अच्छी शिक्षा देने और उनकी अच्छी परवरिश करने की जिम्मेदारी केवल मां की नहीं बल्कि पूरे परिवार की होती है। हमारा निरंतर प्रयास है कि प्रदेश की महिलाएं, बहनें ,माताएं स्वस्थ रहें, प्रसन्न रहें और सशक्त बनें। वर्तमान में प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा संसद में लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं के लिए 33त्न आरक्षण के अधिनियम पर चर्चा की जा रही है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी मध्य प्रदेश सरकार निरंतर प्रयास कर रही है।

इंदौर से दो कारों में छुपा कर ला रहे थे लाखों की अवैध शराब

चार तस्करों को किया गिरफ्तार, गुजरात उज्जैन में लगते थे ठिकाने

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कारों में अवैध शराब तस्करी करते 4 युवकों को घेराबंदी कर हिरासत में लिया गया है। दोनों कारों से 5.31 लाख की अंग्रेजी शराब बरामद की गई है। वहीं कारों की कीमत 45 लाख रूपये होना सामने आई है। चारों से पूछताछ की जा रही है। शुक्रवार को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया गया।

नानाखेड़ा थाना पुलिस को गुरूवार शाम खबर मिली थी कि इंदौर की ओर से एक्सयूवी क्रमांक सीजी 10 सीबी 2098 में अवैध शराब भरी हुई है। थाना प्रभारी नरेन्द्र कुमार यादव ने लग्झरी गाड़ी से अवैध शराब की तस्करी का पता चलते ही एसआई हेमंतसिंह जादौन, अनिल ठाकुर, प्रधान आरक्षक चंद्रपालसिंह मंडलोई, दिग्विजयसिंह, मुकेश मुनिया, अनिल सिसौदिया, आरक्षक श्यामबरणसिंह, मुकेश मालवीय की टीम बनाई और घेराबंदी शुरू की। इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर के पास से उक्त एक्सयूवी को रोका गया। जिसमें सचिन पिता गोपाल राव 25 साल निवासी झुग्गी झोपड़ी चिमनगंज और यश पिता विनोद चित्तौड़ा 21 साल न्यू इंदिरानगर नागझिरी होना सामने आये। दोनों को हिरासत में लिया गया और गाड़ी की तलाशी ली गई। जिसमें 23 पेटी अंग्रेजी शराब की भरी होना सामने आया। यहीं नहीं तलाशी में एक ही नम्बर जीजे 18 एफसी 1058 की 2 फर्जी नम्बर प्लेट भी बरामद हो गई। पूछताछ में पता चला कि स्कार्पियों क्रमांक एमपी 09 ए क्यू 5267 से भी शराब लाई जा रही है। पुलिस टीम ने तत्काल स्कार्पियों की तलाश में सर्चिंग शुरू की। उक्त कार को शनि मंदिर ब्रिज के नीचे से पकड़ा गया। जिसमें 21 पेटी अंग्रेजी शराब की मिली। स्कार्पियों में साहिल उर्फ मनीष पिता संतोष माली 23 साल निवासी गिरीराज रतन कालोनी कानीपुरा रोड और चंद्रशेखर उर्फ कालू उर्फ मेडिकल पिता नंदकिशोर भोई निवासी विधायक नगर पंवासा सवार थे। थाना प्रभारी यादव के अनुसार दोनों कारों से 44 पेटी शराब कीमत 5.31 लाख बरामद की गई है। एक्सयूवी की कीमत 25 लाख और स्कार्पियों की 20 लाख रूपये है। चारों शराब तस्करों के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34 (2) का प्रकरण दर्ज किया गया है। शुक्रवार दोपहर न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया गया है।

बसों और ट्रेनों से रवाना हुए हजारों श्रद्धालु

पंचक्रोशी और अष्टतीर्थ यात्रा पूर्ण कर घर लौटने का देर शाम तक रहा सिलसिला जारी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पंचक्रोशी यात्रा पूर्ण कर हजारों श्रद्धालुओं ने अष्टतीर्थ यात्रा शुरु की थी। इसका समापन शुक्रवार को हो गया और सुबह से ग्रामीण श्रद्धालुओं का यह दोनों यात्रा पूरी करने के बाद घर लौटना शुरु हो गया था। देवास गेट बस स्टेण्ड और रेलवे स्टेशन पर सुबह से शाम तक यात्रियों की भारी भीड़ लगी हुई थी।

उल्लेखनीय है कि इस बार पंचक्रोशी यात्रा 12 अप्रैल से शुरु होकर 16 अप्रैल को समाप्त हुई और इसके साथ ही पंचक्रोशी से लौटे यात्रियों ने गुरुवार से अष्टतीर्थ यात्रा शुरु कर दी थी। अष्टतीर्थ यात्रा का आज शुक्रवार को समापन करने के बाद सुबह से श्रद्धालुओं ने देव-दर्शन किए। इसके बाद घर लौटने के लिए रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर यात्रियों की भीड़ सुबह से नजर आ रही थी। इसके अलावा शहर के बाजारों में दुकानों पर भीड़ नजर आई। गोपाल मंदिर, सती गेट, सराफा आदि में खासी चहल-पहल रही। वहीं पंचक्रोशी यात्रा में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। इस बार 50 हजार से ज्यादा श्रद्धालुओं ने पंचक्रोशी यात्रा पूर्ण की है। यात्रियों की सुविधा के लिए पंचक्रोशी मार्ग के अलावा शहर में जगह-जगह दर्शनार्थियों के लिए पृथक से छांव, पेयजल, प्राथमिक उपचार आदि की व्यवस्था की गई थी। कल श्रद्धालुओं ने शिप्रा स्नान के बाद भूखी माता मंदिर से अष्ट तीर्थ यात्रा शुरू की थी। सभी यात्री रणजीत हनुमान के रास्ते अष्ट तीर्थों के दर्शन करते हुए मंगलनाथ पहुंचे और फिर इसके बाद अष्टतीर्थ यात्रा का समापन कर देवदर्शन करते हुए देवास गेट बस स्टेण्ड तथा रेलवे स्टेशन की ओर बढ़ने लगे थे। देवास गेट बस स्टेण्ड परिसर में कई श्रद्धालुओं ने रात्रि विश्राम भी किया और आज सुबह बसों में बैठकर अपने-अपने घरों की ओर रवाना हुए। स्टेशन परिसर में भी बड़ी संख्या में पंचक्रोशी यात्रियों की भीड़ नजर आ रही थी और यात्री ट्रेनों में सवार होकर घर की ओर जा रहे थे।

जनगणना ड्यूटी से बचने की जुगाड़ लगाने लगे शासकीय कर्मचारी

उज्जैन जिले में सैकड़ों आवेदन, बहानों की भरमार—बीमारी, पारिवारिक जिम्मेदारी और एलर्जी का लिया जा रहा सहारा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जनगणना की प्रक्रिया शुरू होते ही शासकीय कर्मचारियों में ड्यूटी से बचने की होड़ मच गई है। हालात यह हैं कि लाखों रुपए वेतन पाने वाले कर्मचारी अब जनगणना जैसे राष्ट्रीय महत्व के कार्य से दूरी बनाने के लिए तरह-तरह के जुगाड़ लगा रहे हैं। उज्जैन सहित प्रदेश के बड़े शहरों भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, सागर और रीवा में ड्यूटी कैंसिल कराने के लिए हजारों आवेदन अधिकारियों तक पहुंच चुके हैं।

सूत्रों के अनुसार, नगर निगम और जिला प्रशासन के पास लगातार ऐसे आवेदन आ रहे हैं, जिनमें कर्मचारी अलग-अलग कारणों का हवाला देकर जनगणना ड्यूटी से मुक्त करने की मांग कर रहे हैं। कई कर्मचारी शादी-ब्याह, पारिवारिक कार्यक्रम, स्वास्थ्य खराब होने और एलर्जी जैसी समस्याओं का जिक्र कर रहे हैं।

सख्ती के बीच राहत की उम्मीद- अधिकारियों का कहना है कि जिन मामलों में कारण वाजिब हैं, वहां राहत दी जा रही है, लेकिन जहां बहानेबाजी साफ नजर आ रही है, वहां आवेदन सीधे खारिज किए जा रहे हैं। प्रशासन का साफ कहना है कि जनगणना राष्ट्रीय महत्व का कार्य है, इससे कोई भी कर्मचारी बच नहीं सकता।

राजनीतिक सिफारिशों का भी सहारा- ड्यूटी से बचने के लिए कई कर्मचारी जनप्रतिनिधियों और रसूखदारों की सिफारिश भी लगा रहे हैं। मंत्रियों, विधायकों के साथ-साथ वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंच बनाकर नाम कटवाने की कोशिशें जारी हैं। इतना ही नहीं, कई जगह कर्मचारियों द्वारा बड़े अधिकारियों को फोन कर दबाव बनाने के प्रयास भी सामने आ रहे हैं।

शिक्षकों के आवेदन सबसे ज्यादा- सबसे ज्यादा आवेदन शिक्षकों की ओर से आ रहे हैं। उनका तर्क है कि जनगणना ड्यूटी के चलते स्कूल का काम प्रभावित होगा, साथ ही घर-परिवार और छोटे बच्चों की देखभाल में दिक्कतें आएंगी। कई महिला शिक्षकों ने अकेले घर संभालने और बच्चों की जिम्मेदारी का हवाला दिया है।

प्रशासन का सख्त संदेश- प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि जनगणना जैसे अहम कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बिना ठोस कारण ड्यूटी से बचने की कोशिश करने वालों पर कार्रवाई भी हो सकती है। अधिकारियों ने कर्मचारियों से जिम्मेदारी निभाने और राष्ट्रीय कार्य में सहयोग करने की अपील की है।

महिदपुर रोड पर दो बाइक की टक्कर के बाद मचा बबाल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महिदपुर रोड पर शुक्रवार को एक मामूली विवाद ने अचानक हिंसक रूप ले लिया। दो बाइक की टक्कर के बाद झगड़ा बढ़ने पर मामला थाने पहुंचा तो यहां दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर पथराव कर दिया। घटना में थाना प्रभारी सहित तीन पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। शहर से करीब 75 किमी.दूर महिदपुर रोड गोगापुर में शुक्रवार सुबह करीब साढ़े 11 बजे दो बाइकों की टक्कर हो गई थी। एक बाइक पर शिकारीखेड़ा के महिला व पुरूष बैठे हुए थे। दुर्घटना को लेकर दोनों बाइक पर सवार में विवाद हो गया। इस दौरान बंजारा समाज के लोग भी एकत्र हो गए थे। सूचना पर डायल 112 मौके पर पहुंची थी। दोनों पक्षों को समझाने के बाद एक पक्ष के लोग महिदपुर रोड थाने के पास पोरवाल धर्मशाला के बाहर एकत्र होकर हंगामा करने लगे। विवाद होते देख टीआई रामसिंह भाबोर, एएसआइ सुरेशचंद्र सोनगरा, प्रधान आरक्षक समरथलाल व आरक्षक मदन पग्गी सहित अन्य पुलिसकर्मी उन्हें हटाने गए। इस पर बंजारा समाज के लोगों ने पुलिस पर ही पथराव कर दिया था। घटना में टीआइ भाबोर के सिर व आंख के समीप पत्थर लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि एएसआइ सोनगरा की पीठ व हाथ, प्रधान आरक्षक समरथ को हाथ व आरक्षक मदन को पीठ पर चोट लगी है।

इन आरोपितों पर केस दर्ज, घटना के बाद घायल आरक्षक मदन की शिकायत पर रतन बंजारा, भारत बंजारा, सरदार बंजारा, तोफान बंजारा, हाकम बंजारा, वकील बंजारा, गीताबाई बंजारा व अन्य के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने, बलवा करने का केस दर्ज किया है। पुलिस ने कुछ आरोपितों को हिरासत में लेकर तलाश शुरू कर दी।

तपोभूमि के पास दुर्घटना में शिक्षक की मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रात में तपोभूमि के पास अज्ञात वाहन से हुई दुर्घटना में शिक्षक की मौत हो गई। उसके पास मिले मोबाइल से पहचान होने पर शुक्रवार सुबह झाबुआ से परिजन उज्जैन पहुंचे। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर जांच शुरू की है। बताया जा रहा है कि तपोभूमि के समीप देवास बदनावर बायपास मार्ग बना हुआ है जहां ब्रिज के समीप अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी थी। गंभीर घायल हालत में एंबुलेंस की मदद से घायल को चरक अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। मृतक के पास मिले मोबाइल से उसकी पहचान संजय पिता विजय व्यास 49 साल निवासी खवासा पेटलावद झाबुआ के रूप में की गई। नानाखेड़ा थाना पुलिस ने मामले की सूचना परिजनों को दी सुबह उज्जैन पहुंचे परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कराया गया इस दौरान सामने आया कि संजय पेटलावद के समीप शासकीय स्कूल में शिक्षक था और बाइक से अपने पिता के घर मिलने जा रहा था। पुलिस के अनुसार वहां अज्ञात होना सामने आया है ब्रिज के आसपास लगे कैमरो के माध्यम से वाहन की तलाश की जाएगी। मृतक का शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सोपा गया है।

सिंहस्थ के अंतर्गत सभी विभाग अस्थायी निर्माण कार्यों की प्लानिंग बारीकी से करें, कुछ भी कार्य छूटे नहीं- संभागायुक्त

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह ने शुक्रवार को सिंहस्थ 2028 के लिए विभिन्न विभागों के माध्यम से प्रस्तावित अस्थायी कार्यों की कार्य योजना की समीक्षा की। संभागायुक्त श्री सिंह ने विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सिंहस्थ के लिए सभी विभागों के माध्यम से होने वाले अस्थायी कार्यों की कार्य योजना बारीकी से तैयार करें, कहीं भी कोई आवश्यक कार्य छूटे नहीं। सिंहस्थ के लिए अस्थायी कार्य महत्वपूर्ण है, इसका ध्यान रखा जाए। संभागायुक्त श्री सिंह ने सिंहस्थ के दौरान पंचक्रोशी यात्रा के लिए की जाने वाली व्यवस्थाओं की कार्य योजना भी सभी विभागों से समन्वय बनाकर रखने के निर्देश दिए है। बैठक में कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह भी मौजूद थे। सम्राट विक्रमादित्य प्रशासनिक संकुल के कलेक्टर सभागार में शुक्रवार को संभागायुक्त श्री सिंह ने विभिन्न विभागों द्वारा सिंहस्थ 2028 के लिए अस्थायी प्रकृति के कार्यों के लिए तैयार की गई कार्य योजना की समीक्षा की। बैठक में होमगार्ड विभाग द्वारा होमगार्ड और एसडीईआरएफ के माध्यम से सिंहस्थ के दौरान जल आपदा प्रबंधन के लिए तैयार की गई कार्य योजना प्रस्तुत की गई। कार्ययोजना में होमगार्ड और सिविल डिफेंस को तैनात करने के पहले प्रशिक्षण देने, आपदा के दौरान बचाव के लिए उपकरण खरीदी करने, अन्य आवश्यक संसाधनों की खरीदी करने सहित घाट, मेला क्षेत्र और पार्किंग स्थल व अन्य स्थानों पर तैनात रहने वाले जवानों की जानकारी प्रस्तुत की गई।

महंगा हुआ घर का सपना: 30 प्रतिशत तक बढ़े निर्माण सामग्री के दाम

सिर्फ 1000 वर्गफीट मकान की लागत 16 लाख तक पहुंची, पहले 12 लाख में होता था निर्माण

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अपना घर बनाने का सपना अब आम आदमी के लिए और भारी होता जा रहा है। सरिया, सीमेंट, ईंट, रेत सहित निर्माण सामग्री के दामों में तेज उछाल ने मकान निर्माण की लागत को करीब 30 फीसदी तक बढ़ा दिया है। हालात ऐसे हैं कि जो मकान पहले 12 लाख रुपए में बन जाता था, अब उसी पर करीब 16 लाख रुपए तक खर्च आ रहा है।

बाजार में लगातार बढ़ती महंगाई और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों का असर अब सीधे लोगों के घर बनाने के बजट पर पड़ने लगा है। जानकारों के अनुसार, ईरान-इजराइल और अमेरिका से जुड़े तनाव का असर निर्माण सामग्री के दामों पर साफ दिखाई दे रहा है। इससे मध्यम वर्ग के लिए मकान बनाना चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। पड़ताल में सामने आया है कि केवल सीमेंट और सरिया ही नहीं, बल्कि पेंट, टाइल्स, वायरिंग, बाथरूम फिटिंग, पाइप फिटिंग जैसी अन्य सामग्री के दाम भी तेजी से बढ़े हैं। इसका सीधा असर कुल निर्माण लागत पर पड़ा है। 1000 वर्गफीट के मकान पर औसतन 30 से 35 फीसदी तक अतिरिक्त खर्च आ रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले दिनों में कीमतों में और बढ़ोतरी हो सकती है।

लाइट फिटिंग और वायरिंग भी महंगी- निर्माण के साथ-साथ बिजली से जुड़े सामान भी महंगे हो गए हैं। व्यापारियों के अनुसार कच्चे माल की कमी के चलते इलेक्ट्रिकल आइटम्स के दामों में करीब 35 फीसदी तक इजाफा हुआ है। उदाहरण के तौर पर, एक एमएम वायर का बंडल जो पहले 990 रुपए में मिलता था, अब 1560 रुपए तक पहुंच गया है। पंखे, एलईडी, स्विच प्लेट्स और अन्य इलेक्ट्रिकल उपकरणों के दामों में भी 400 से 500 रुपए तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। व्यापारियों का कहना है कि जो काम पहले 10 लाख रुपए में पूरा हो जाता था, अब उसी के लिए 15 लाख रुपए तक खर्च करना पड़ रहा है। कॉपर और एल्यूमिनियम के दामों में तेजी के चलते आगे भी महंगाई बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

बाफना पार्क में दहशत फैलाने वाले बदमाशों का निकाला जुलूस

हाथ में तलवार डंडे लेकर वाहनों में की थी तोड़फोड़

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रात 2 बजे बदमाशों ने बाफना पार्क में गदर मचाया और घरों के बाहर खड़े वाहन फोड़ दिए। बदमाश ढांचा भवन में भी तोड़फोड़ कर आए थे। पुलिस ने शुक्रवार दोपहर तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके क्षेत्र में जुलूस निकाला, देर शाम तीनों बदमाशों के दो अन्य साथियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया था।

बाफना पार्क में रहने वाली सेवानिवृत शिक्षिका अफरोज खान 65 वर्ष अपनी बेटी संगीता और नाती सेरान अली के साथ अली के घर पर थी इसी दौरान रात 2 बजे के बदमाश आए और उन्होंने घर के बाहर खड़ी डिजायर कार के साथ बुलेट में तोड़फोड़ शुरू कर दी। बदमाशों ने घरों के खिड़की दरवाजे भी तोड़े, सेवानिवृत शिक्षिका के घर तोड़फोड़ करने के बाद बदमाशों ने पास में रहने वाले आयुर्वेदिक कॉलेज में सदस्य डॉक्टर प्रदीप अग्रवाल की कार में भी तोड़फोड़ कर दी, बदमाश क्षेत्र में दहशत फैलाकर भाग निकले उनके हाथों में तलवार भी थी। रात में ही मामले की सूचना पुलिस को दी गई घटनास्थल पर डायल 112 पहुंची लेकिन बदमाश भाग निकले थे। बताया जा रहा है कि बदमाशों ने ढांचा भवन में भी एक ई रिक्शा और ऑटो में तोड़फोड़ की थी। पुलिस ने मामले में संज्ञान लिया और तोड़फोड़ करने वाले बदमाशों की पहचान के प्रयास शुरू किया इस दौरान सामने आया कि दहशत फैलाने वालों में किशन अहिरवार विकास सरोल और विशाल सरोल के साथ ऋषि मिश्रा, साहिल गुर्जर और उसके अन्य साथी थे पुलिस ने शुक्रवार दोपहर किशन अहिरवार, विकास और विशाल को हिरासत में ले लिया जिनका बाफना पार्क क्षेत्र में ले जाकर जुलूस निकाला और सबक सिखाया और क्षेत्रवासियों के बीच बदमाशों की दहशतगर्दी को कम करने का प्रयास किया। थाना प्रभारी विवेक कनोडिया ने बताया तीन बदमाशों को गिरफ्तार करने के बाद शाम को उनके दो साथी ऋषि मिश्रा और साहिल गुर्जर को भी हिरासत में ले लिया गया है दोनों बदमाशों का भी क्षेत्र में जुलूस निकाला जाएगा।

लोकार्पण के बाद बंद पड़ा अंतरराष्ट्रीय स्वीमिंग पूल, सोमवार से फिर होगा शुरू

7 दिन मुफ्त चला, फिर सुरक्षा कारणों से बंद- अब स्टाफ और संसाधन पूरे, नगर निगम खुद करेगा संचालन

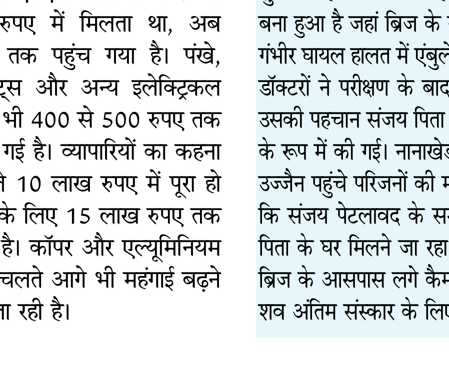

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कोठी रोड स्थित नगर निगम के अंतराष्ट्रीय स्तर के स्वीमिंग पूल के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 17 मार्च को लोकार्पण के बाद केवल 7 दिन तक आम लोगों के लिए खोले गए इस पूल को बंद कर दिया गया था, लेकिन अब इसे फिर से शुरू करने की तैयारी पूरी हो चुकी है। नगर निगम के सूत्रों का दावा है कि आगामी सोमवार से पूल दोबारा शुरू कर दिया जाएगा।

दरअसल, लोकार्पण के बाद शुरुआती सप्ताह में इसे निशुल्क आमजन के लिए खोला गया था। इसके बाद अचानक संचालन बंद कर दिया गया, जिससे लोगों में असमंजस की स्थिति बन गई थी। उस समय चर्चा थी कि पूल का संचालन ठेके पर दिया जाएगा, लेकिन अब निगम ने खुद संचालन करने का फैसला लिया है।

तकनीकी कारणों से लिया गया था निर्णय- नगर निगम से जुड़े अधिकारिक सूत्रों के अनुसार, पूल बंद करने का निर्णय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया था। उस समय पर्याप्त तकनीकी स्टाफ और जरूरी संसाधनों की कमी थी। अब लाइफगार्ड, तकनीकी कर्मचारियों और अन्य व्यवस्थाओं की पूर्ति कर ली गई है, जिससे संचालन फिर से शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है। अंतरराष्ट्रीय मानकों पर तैयार हुआ पूल

पुराने तरणताल की जगह बनाए गए इस नए स्वीमिंग पूल को आधुनिक और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार तैयार किया गया है। इसकी लंबाई 50 मीटर और चौड़ाई 25 मीटर है, जबकि गहराई 4.50 फीट से 6.50 फीट तक रखी गई है। इसके साथ ही एक वॉर्मअप पूल भी बनाया गया है, जो छोटे तैराकों और अभ्यास के लिए उपयोगी रहेगा।

5 साल पहले बंद हुआ था पुराना पूल- इसी स्थान पर वर्ष 1969 में बना पुराना तरणताल लंबे समय तक शहर की पहचान रहा, लेकिन बढ़ते मेंटेनेंस खर्च, पानी की सफाई में दिक्कत और सुरक्षा कारणों से करीब पांच साल पहले इसे बंद कर दिया गया था। अब उसी जगह पर अत्याधुनिक सुविधाओं वाला नया पूल तैयार किया गया है।

आधुनिक सुविधाओं से लैस व्यवस्था...- नए पूल में पुरुष और महिलाओं के लिए अलग-अलग चेंजिंग रूम बनाए गए हैं। साथ ही ओपन शॉवर एरिया की सुविधा भी दी गई है, जहां तैराक पूल में उतरने से पहले और बाद में शॉवर ले सकेंगे।